आज का मौसम
27.0° अधिकतम तापमान
11.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.30
सूर्यास्त 05.22

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष पंचमी 01:55 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

रविवार, 9 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 350, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ ईडी ने पीएफआई के खिलाफ धन शोधन मामले में 67 करोड़ की संपत्ति की कुर्क
- 12

■ डिजिटल सेवाओं को बेहतर बना रहा डिजीलॉकर जरूरी सूचनाओं को रखने में सक्षम
- 12

■ शटडाउन : अमेरिका में हवाई यातायात चौपट एक हजार से ज्यादा उड़ानें रद्द
- 13

■ बारिश के कारण 5वां मुकाबला हुआ रद्द भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-1 से टी-20 सीरीज जीती
- 14

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, अवधी खानपान को मिला दुनिया का सलाम व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

☞www.amritvichar.com

तीर्थाटन-पर्यटन से यूपी में मिला लाखों लोगों को रोजगार : मोदी

प्रधानमंत्री ने काशी से चार नई वंदे भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/वाराणसी

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बनारस रेलवे स्टेशन से चार नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इनमें वाराणसी-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस को प्रधानमंत्री ने बनारस रेलवे स्टेशन से रवाना किया, जबकि दिल्ली-फिरोजपुर, लखनऊ-सहारनपुर और एर्नाकुलम-बेंगलुरू वंदे भारत एक्सप्रेस को वर्चुअली झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में तीर्थाटन और पर्यटन से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को हजारों करोड़ रुपये का सीधा लाभ हुआ और लाखों लोगों को रोजगार मिला।

प्रधानमंत्री मोदी ने भोजपुरी में बाबा विश्वनाथ के पावन नगरी में सभी प्रणाम निवेदित करते हुए कहा कि भारत की तीर्थ यात्राएं केवल धार्मिक नहीं, बल्कि देश की आत्मा को जोड़ने वाली परंपरा है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज, अयोध्या, हरिद्वार, चित्रकूट, कुरुक्षेत्र जैसे पावन धाम अब वंदे भारत नेटवर्क से जुड़ रहे हैं, जिससे आस्था और विकास दोनों का संगम हो रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्ष में उत्तर प्रदेश में तीर्थाटन और पर्यटन से आर्थिक गतिविधियों को नया बल मिला है। पिछले वर्ष 11 करोड़ श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने आए, जबकि अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद 6 करोड़ से अधिक लोग रामलला के दर्शन कर चुके हैं। इससे यूपी की अर्थव्यवस्था को हजारों करोड़ का लाभ हुआ और लाखों लोगों को रोजगार मिला। पीएम ने कहा, विकसित देशों की प्रगति का सबसे बड़ा आधार मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर रहा है। भारत भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, एर्नाकुलम से केरल के राज्यपाल राजेन्द्र अर्लेकर, केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी और जॉर्ज कुरियन, फिरोजपुर से केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और लखनऊ से उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक उपस्थित रहे।

वाराणसी में वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते प्रधानमंत्री मोदी।

यूपी में तीर्थाटन और पर्यटन की आर्थिकी

- 2025 में अनुमानित पर्यटक आगमन : 65 करोड़ से अधिक
- 2028 तक अनुमान : 80 करोड़ पर्यटक
- 2028 तक आर्थिक अनुमानित योगदान : 70,000 करोड़
- मुख्य लाभ : आतिथ्य, परिवहन, हस्तशिल्प और लघु उद्योगों को बढ़ावा
- 2023 में प्रमुख शहरों का योगदान : अयोध्या, वाराणसी, मथुरा और प्रयागराज में 28 .79 करोड़ पर्यटक
- 2025 में इन चार स्थलों पर आगमन : 41 .56 करोड़ पर्यटक

काशी अब पूर्वांचल की हेल्थ कैपिटल

मोदी ने कहा कि काशी स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी पूर्वांचल की हेल्थ कैपिटल बन गया है। पहले मरीजों को इलाज के लिए मुंबई जाना पड़ता था, लेकिन अब शहर में ही अत्याधुनिक अस्पताल, कैंसर सेंटर, आयुष्मान भारत और जन औषधि केंद्रों से लोगों को राहत मिल रही है। कहा कि काशी में रहना, काशी आना और यहां जीना अब सबके लिए विशेष अनुभव बन गया है। शहर में गैस पाइपलाइन, स्टेडियम, और रोपवे जैसे कई प्रोजेक्ट तेजी से पूरे हो रहे हैं।

आस्था का अपमान करने वालों को वोट नहीं देना

मोतिहारी/पिपरा, एजेंसी

- सीएम योगी बिहार में विपक्ष पर बरसे, कहा- कांग्रेस-आरजेडी ने यहां की मेधा को किया कुंद
- कहा- राम-कृष्ण के बाद अब छठ माई का विरोध कर रहे हैं महागठबंधन वाले

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिहार के रण में शनिवार को ताबड़तोड़ तीन रैलियां करके कांग्रेस-राजद महागठबंधन पर करारा हमला बोला। साथ ही आपराधिक प्रवृत्ति के प्रत्याशियों को लेकर विपक्षी दलों को घेरा। योगी ने कहा कि भगवान राम-कृष्ण के बाद अब यह लोग छठ माई का भी विरोध कर रहे हैं। राम का विरोध और आस्था का अपमान करने वालों को कतई वोट नहीं देना है। मुख्यमंत्री ने मोतिहारी, पिपरा और अतरी विधानसभा क्षेत्र में जनसभाओं को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने राजद, कांग्रेस, ए माले समेत महागठबंधन पर प्रहार करते हुए कहा कि भगवान राम-कृष्ण के बाद अब यह लोग छठ माई का भी विरोध कर रहे हैं। कांग्रेस राम को नकारती थी, राजद राम मंदिर निर्माण की रथ यात्रा को रोकती थी, समाजवादी पार्टी रामभक्तों पर गोली चलाकर लहुलूहान करती थी। कांग्रेस और महागठबंधन वाले भगवान राम-कृष्ण के बाद अब छठ माई का भी विरोध कर रहे हैं। उन्होंने विपक्षी दलों पर प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस, राजद, ए माले व इनके सहयोगी अपने-अपने क्षेत्र के कुख्यात सरगना और जंगलराज के अपराधी हैं। जिस बिहार ने दुनिया को ज्ञान दिया। उसे राजद, नक्सलवाद व माओवादियों के गठबंधन ने साक्षरता में पीछे ढकेल दिया। अपनी प्रतिभा व मेधा के लिए जगविख्यात बिहार का नौजवान पहचान के लिए मोहताज हुआ तो इसकी दोषी कांग्रेस, राजद व ए माले है। अयोध्या से सीतामढ़ी को जोड़ने वाले राम जानकी मार्ग पर 6155 करोड़ से काम शुरू हो गया है। अब गोरखपुर से सिलीगुड़ी को जोड़ने वाला एक्सप्रेसवे भी मोतिहारी होते हुए जाएगा।

बिहार को अंधकार में धकेला

योगी ने कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय, चाणक्य और आर्यभट्ट की धरती को राजद-कांग्रेस ने अंधकार में धकेल दिया। दुनिया नालंदा में ज्ञान लेने आती थी, जहाँ एक साथ दस हजार विद्यार्थी पढ़ते थे, लेकिन राजद-कांग्रेस के शासन में बिहार साक्षरता में सबसे नीचे पहुंच गया। कहा कि जब एनडीए ने सत्ता संभाली, तब बिहार की साक्षरता दर 33% थी, जिसे अब बढ़ाकर 75% तक पहुंचाया गया है। पीएम मोदी 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन दे रहे हैं, जबकि यह लोग (विपक्षी दल) गरीबों का राशन और पशुओं का चारा खा गए थे।

ब्रीफ न्यूज

फीस जमा नहीं होने पर परीक्षा से वंचित छात्र ने खुद को लगाई आग

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर जिले के बुढ़ाना कस्बे के डीएवी कॉलेज में शनिवार को फीस जमा नहीं होने पर परीक्षा से वंचित किए गए एक छात्र ने आत्मदाह का प्रयास किया। छात्र को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि डीएवी कॉलेज में बीए द्वितीय वर्ष के छात्र उज्ज्वल राणा (22) ने शुल्क जमा नहीं होने पर परीक्षा से वंचित किए जाने से क्षुब्ध होकर खुद पर पेट्रोल उड़ेलकर आत्मदाह की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि 70 प्रतिशत तक जल चुके छात्र उज्ज्वल को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया।

जीवन साथी चुनना व्यक्तिगत स्वतंत्रता

नई दिल्ली। जीवनसाथी चुनने की स्वतंत्रता संविधान के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता का अभिन्न अंग है तथा परिवार या समुदाय सहमति से विवाह करने वाले दो वयस्कों की पसंद में बाधा नहीं डाल सकते। यह बात दिल्ली उच्च न्यायालय ने शीर्ष कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए कही। हाईकोर्ट ने कहा कि शीर्ष अदालत ने माना है कि भारत में जाति का सामाजिक प्रभाव अब भी मजबूत है और अंतरजातीय विवाह एकीकरण को बढ़ावा देकर और जातिगत विभाजन को कम करके एक मूल्यवान संवैधानिक व सामाजिक कार्य करते हैं।

संसद का शीतकालीन सत्र 1 से 19 दिसंबर तक

नई दिल्ली, एजेंसी

- 15 बैठकें होंगी, विपक्ष ने कम बैठकों के लिए सरकार की आलोचना की

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को घोषणा की कि संसद का शीतकालीन सत्र एक से 19 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। विपक्ष ने इसे बहुत देर से बुलाया गया और संक्षिप्त सत्र बताया।

तीन सप्ताह के इस सत्र में कुल 15 बैठकें होंगी और इसके हंगामेदार रहने की उम्मीद है, क्योंकि यह सत्र निर्वाचन आयोग द्वारा 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को अंजाम दिए जाने के बीच हो रहा है। कई विपक्षी दलों ने एसआईआर को लेकर आपत्तियां जताई हैं। संसद के मानसून सत्र में भी बिहार में एसआईआर को लेकर कई विपक्षी दलों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया, जिसके कारण संसद में प्रतिदिन व्यवधान उत्पन्न हुआ। रीजीजू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारत की माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद का शीतकालीन सत्र एक दिसंबर 2025 से 19 दिसंबर, 2025 तक आयोजित करने के सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है

घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकी मारे गए

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सेना ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए दो अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने कहा कि कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में घुसपैठ के प्रयास के बारे में एजेंसियों से मिली विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर शुक्रवार को एक अभियान शुरू किया गया। सेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि नजर आने पर आतंकवादियों को रुकने को कहा लेकिन उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इसमें कहा गया है, सुरक्षा बलों ने जारी अभियान में दो आतंकवादियों को मार गिराया है।

- जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में घुसपैठ की कर रहे थे कोशिश

एच1बी वीजा दुरुपयोग : 175 जांच शुरू करेगा ट्रंप प्रशासन

न्यूयॉर्क। ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीजा के दुरुपयोग के मामलों में लगभग 175 जांच शुरू की हैं, जिनमें कम वेतन, कार्यस्थलों का अभाव और कर्मचारियों की बेंचिंग जैसी खामियां शामिल हैं।

अमेरिकी श्रम विभाग के अनुसार, ये जांच अमेरिकी नौकरियों की सुरक्षा के व्यापक प्रयास का हिस्सा हैं। श्रम विभाग ने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अमेरिकी नौकरियों की सुरक्षा के अपने मिशन के तहत, हमने एच-1बी वीजा के दुरुपयोग के मामलों में 175 जांच शुरू की हैं। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और श्रम सचिव लोरी शावेज-डेरेमर के नेतृत्व में, एजेंसी अमेरिकी कामगारों को प्राथमिकता देने के लिए कार्रवाई जारी रखेगी। भारतीय पेशेवर, जिनमें तकनीकी क्षेत्र से जुड़े कर्मी और चिकित्सक शामिल हैं, एच-1बी वीजा धारकों के सबसे बड़े समूह में शामिल हैं।

सम्मान यूपी, राजस्थान, मप्र और बिहार के 30,000 से अधिक गांवों में निरक्षरता के चक्र को तोड़ा

एजुकेट गर्ल्स संस्था को रेमन मैग्सेसे पुरस्कार

मनीला, फिलीपींस एजेंसी

- फिलीपींस की राजधानी में हुआ समारोह, बेटियों के भविष्य को सुधारने में निभाई अहम भूमिका

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार

सफीना हुसैन

भारतीय गैर-लाभकारी संस्था 'एजुकेट गर्ल्स' को प्रतिष्ठित रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित किया गया। संस्था ने यह सम्मान उन हजारों क्षेत्रीय समन्वयकों, स्वयंसेवकों और युवा मार्गदर्शकों को समर्पित किया है, जिन्होंने दूरदराज के गांवों में स्कूल न जाने वाली लड़कियों की शिक्षा के लिए काम किया है।

इस पुरस्कार की सार्वजनिक रूप से घोषणा 31 अगस्त को की गई थी और औपचारिक समारोह शुक्रवार को फिलीपींस की राजधानी स्थित मेट्रोपॉलिटन थिएटर में आयोजित हुआ। वर्ष 2007 में स्थापित 'एजुकेट गर्ल्स' उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और बिहार के 30,000 से अधिक गांवों में गरीबी और निरक्षरता के चक्र को तोड़ने के लिए काम करती है। 55 हजार से अधिक समुदाय-आधारित स्वयंसेवकों के समर्थन से यह गैर-लाभकारी संगठन 20 लाख से अधिक लड़कियों को स्कूल वापस लेकर लाया है और शिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से 24 लाख से अधिक बच्चों को सहायता उपलब्ध कराई है। 'एजुकेट गर्ल्स' की स्थापना 2007 में 'लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स' की स्नातक सफीना हुसैन ने की थी। संस्था की सीईओ गायत्री नायर लोबो ने कहा कि यह सम्मान लड़कियों को शिक्षित करने के एक उद्देश्य से एकजुट होकर एक साथ आने वाले लोगों की अद्भुत शक्ति की याद दिलाता है। यह हमारे सामूहिक प्रयासों, नवोन्मेषी कार्यक्रमों और सरकार की प्रभावशाली योजनाओं का सम्मान करता है। क्षेत्रीय समन्वयकों, स्वयंसेवकों और प्रथम पीढ़ी के शिक्षार्थियों समेत 25 सदस्यीय 'एजुकेट गर्ल्स' टीम पुरस्कार समारोह के लिए फिलीपीन्स की राजधानी पहुंची थी।

साहस व धैर्य से हमें प्रेरित करती हैं लड़कियां : सफीना

पुरस्कार स्वीकार करते हुए 'एजुकेट गर्ल्स' संस्था की सफीना हुसैन ने कहा कि यह पुरस्कार हमारी लड़कियों के लिए है, जो अपने साहस और धैर्य से हमें प्रेरित करती हैं। वे लड़कियां जो घरेलू जिम्मेदारियों को संभालती हैं और अपने-अपने परिवार और अपने देश के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए देर रात तक पढ़ाई करती हैं। उन्होंने कहा कि इस सम्मान के माध्यम से हम उन अभिभावकों, शिक्षकों, समुदाय के सदस्यों और 'टीम बालिका' के 55,000 स्वयंसेवकों का सम्मान करते हैं जो हर दिन हमारी लड़कियों के साथ खड़े होते हैं। उनका समर्पण दर्शाता है कि जब समुदाय लड़कियों को शिक्षित करने के लिए एकजुट होते हैं, तो हर लड़की को अवसर, विकल्प, आवाज और स्वतंत्रता मिलती है।

अपने पुराने बैंक खाते में पैसे जमा करके भूल गए?

जो आपका है उसे वापस दिलाने में आरबीआई आपकी मदद करेगा।

आपके बैंक के निष्क्रिय खाते (2 वर्ष से ज़्यादा और 10 वर्ष तक असक्रिय) में जमा पैसे / दावा न की गई जमा राशि (10 वर्ष से अधिक) को आरबीआई के डीईए फंड में ट्रांसफर कर दिया जाता है। आप या आपके क़ानूनी वारिस उसे कभी भी वापस ले सकते हैं।

दीया फंड

आपके पैसे वापस पाने के 3 आसान चरण

1. आपके बैंक की किसी भी शाखा में जाएं, भले ही वो आपकी नियमित शाखा न हो।
2. केवाईसी दस्तावेजों (आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस) के साथ फॉर्म जमा करें।
3. सत्यापन के बाद ब्याज समेत, यदि है तो, अपने पैसे वापस पाएं।

दावा न की गई संपत्ति के संबंध में आयोजित विशेष शिविरों में जाएं, जिसे देशभर के सभी ज़िलों में अक्तूबर 2025 के बीच लगाए जाएँगे।

आपके दावा न किए गए पैसे के बारे में जानने के लिए

आपके बैंक की वेबसाइट पर खोजें या आरबीआई के UDGAM पोर्टल (**https://udgam.rbi.org.in**) पर देखें, जिसमें फ़िलहाल 30 बैंक शामिल हैं।

क्यूआर कोड स्कैन कीजिए

अधिक जानकारी के लिए
https://rbikehtahai.rbi.org.in देखिए
प्रतिक्रिया के लिए **rbikehtahai@rbi.org.in** पर लिखिए

आधिकारिक व्हॉट्सऐप नंबर
99990 41935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

अमृत विचार

बरेली, रविवार,9 नवंबर 2025

पीलीभीत

न्यूज ब्रीफ

आज चलेगा विशेष अभियान

पीलीभीत, अमृत विचार : जनपद में निर्वाचन आयोग के निर्देश पर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। जनपद में 4 नवंबर से बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित कर रहे हैं। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि 9 नवंबर को गणना पत्र वितरित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। जिसमें जनपद के सभी कार्मिक जो बूथ लेवल अधिकारी व सुपरवाइजर के पद पर तैनात किए गए हैं, वे सभी अपने मतदान क्षेत्र में भ्रमणशील रहते हुए गणना प्रपत्र मतदाताओं को वितरित करेंगे।

रहस्यमय ढंग से युवक लापता

बीसलपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अमृताखास निवासी कोटेदार हरिओम शर्मा का पुत्र हर्षित शर्मा बीते बुधवार से रहस्यमय ढंग से लापता है। वह पीलीभीत मार्ग स्थिति एक रेस्टोरेंट पर काम करता था। घर से वह रेस्टोरेंट पर काम करने गया था लेकिन वापस घर नहीं पहुंचा। पिता ने पुत्र के लापता होने की सूचना दी। पुलिस गुमशुदगी दर्ज कर जांच में जुटी है।

टक्कर मारने के बाद चालक ने धमकाया

दियोरियाकलां, अमृत विचार : ट्रैक्टर चालक ने एक युवक को टक्कर मार दी। इसके बाद अभद्रता कर धमकाया। ग्राम सनगवां निवासी गोधन लाल राना ने बताया वह मधवापुर बाजार से सामान लेकर गांव लौट रहा था। मुड़िया भगवंतपुर मोड़ पर पहुंचते ही ग्राम जसाईनगर निवासी टैक्टर चालक ने उसे टक्कर मार दी। कोतवाल दिगंबर सिंह ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है।

कुत्ते के हमले में युवक घायल

बरेली, अमृत विचार : पीलीभीत के बीसलपुर थाना क्षेत्र के चुर्रा सकटपुर निवासी राम अवतार पर शनिवार को कुत्ते ने हमला कर दिया। डॉक्टरों ने उसे बरेली जिला अस्पताल रेफर किया है। राम अवतार ने बताया शनिवार सुबह कुत्ते का बच्चा नाली में गिर गया था। जिसे निकालकर वह उसे उसके पास रखने गए थे,इसी दौरान उस पर कुत्ते ने हमला कर दिया और उनके बाएं पैर में काट लिया। परिजन उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए पीलीभीत ले गए, जहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें बरेली के लिए रेफर कर दिया गया।

फोटो शूट कराने में माहिर रॉकेट, एक्स मेल हैं सैलानियों की पसंद

टाइगर साइटिंग का केंद्रबिंदु बनता जा रहा पीलीभीत टाइगर रिजर्व, पिछले पर्यटन सत्र में 90 फीसदी सैलानियों को हुए थे बाघों के दीदार

सुनील यादव, पीलीभीत

अमृत विचार: यदि आप जंगल जाकर बाघों का फोटोशूट करने का सपना संजोये बैठे हैं तो इसके लिए पीलीभीत टाइगर रिजर्व सबसे मुफीद साबित हो सकता है। यहां कैमरे को देख अठखेलियां करने में माहिर रॉकेट और अपनी मजबूत कदकाठी का एक्स मेल (दोनों ही नर बाघ) आसानी से देखने को मिल सकते हैं। एक्स मेल जिसे एस-3 के नाम से भी जाना जाता है, पिछले कुछ साल से सैलानियों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इतना ही नहीं, टाइगर रिजर्व में नैना और सुंदरी की खूबसूरती भी सैलानियों को उन्हें एकटक देखने के लिए मजबूर कर ही देती है।

जंगलों में बाघ को घूमते देखना कोई आश्चर्य की बात नहीं है। मगर, कई लोगों के लिए आज भी बाघों को उनके नेचुरल हैबिटेट में देखना एक सपना ही बना हुआ है। ऐसे लोगों के लिए तराई में हरियाली को अपने आगोश में समेटे पीलीभीत टाइगर रिजर्व बेहद मुफीद साबित हो सकता है। इसकी वजह यह है कि यहां पर्यटन सत्र शुरू हुए अभी महज चंद दिन ही हो पाए गए कि अधिकांश सैलानियों को बाघों के दीदार होना शुरू हो गया है। देश-दुनिया में पीलीभीत टाइगर रिजर्व अपनी विशिष्ट जैवविविधता के लिए मशहूर है।

टाइगर रिजर्व का 1 नंबवर से पर्यटन सत्र भी शुरू हो चुका है। पर्यटन सत्र के शुरूआती दौर में ही टाइगर रिजर्व सैलानियों से गुलजार है। जंगल की हरी-भरी वादियों के बीच स्थित इको टूरिज्म स्पॉट चूका बीच हर साल की तरह इस बार सैलानियों के लिए आर्कषण का केंद्र बन रहा है। सैलानियों की बढ़ती संख्या और उनकी सुविधाओं को देखते हुए इस बार पीलीभीत टाइगर रिजर्व में तीसरा नया बराही पर्यटन गेट खोला गया है। ऐसे में पीलीभीत टाइगर रिजर्व पिछले कुछ सालों से लगातार सैलानियों को अपनी ओर आर्कषित करने में कामयाब होता दिख रहा है। नवंबर से फरवरी महीने को पर्यटन का पीक सीजन माना जाता है। पर्यटन सीजन के चलते पीलीभीत टाइगर रिजर्व सैलानियों के लिए इस बार पांच दिन पहले ही खोल दिया गया है। पर्यटन के लिहाज से यदि पीलीभीत टाइगर रिजर्व की बात करें तो यहां की टाइगर साइटिंग शीर्ष पर हैं। यहां के जंगलों में जो टाइगर साइटिंग की स्थिति है, वह शायद ही किसी अन्य टाइगर रिजर्व में दिखे। पीलीभीत टाइगर रिजर्व की यही खासियत देश ही नहीं बल्कि विदेशी धरती के सैलानियों को भी अपनी ओर खींचने में कामयाब होती दिख रही है। पिछले पर्यटन सत्रों में टाइगर साइटिंग के आंकड़े देखे तो पिछले 2024-25 के पर्यटन सत्र के दौरान यहां आने वाले 90 फीसदी सैलानियों को बाघों के दीदार हुए थे। इससे पूर्व 2023-24 के पर्यटन सत्र में 80 फीसदी सैलानी टाइगर रिजर्व में बाघों की मौजूदगी के गवाह बन चुके हैं।

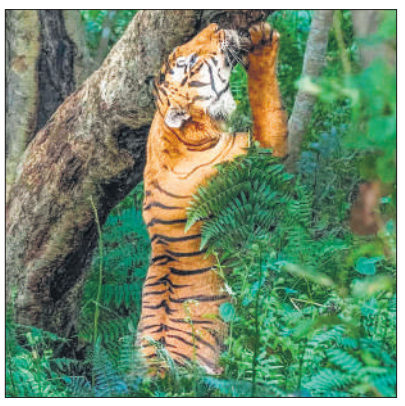

मजबूत कद-काठी का बराही मेल।

पीटीआर में व्यू लाइन पर मौज मस्ती करता राकेट।

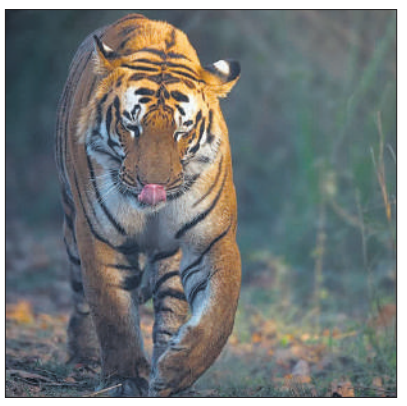

चहलकदमी करता भारी भरकम एस-3 बाघ।

बाघ-बाघिनों की खूबी ही बन गई पहचान

बाघ-बाघिनों के उनके वंश, कद-काठी, उनके रहने के स्थान या फिर उनके शरीर पर कोई खास निशान के चलते उनका नामकरण भी किया जाता है। मगर, पूर्व वर्षों में पीलीभीत टाइगर रिजर्व के बाघों को नाम से नहीं जाता था। इधर अब पिछले कुछ सालों से टाइगर रिजर्व में बढ़ते पर्यटन के दौरान कुछ चुनिंदा बाघ-बाघिनों को उनकी खासियत के चलते नाम दिए गए हैं। खास बात यह है कि इन बाघ-बाघिन को नाम यूं ही नहीं दिए गए हैं, इनको देखने के बाद सैलानी भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि उनको फलां नाम क्यों दिया गया। पर्यटन सत्र के दौरान यहां टाइगर साइटिंग होना आम होता जा रहा है, मगर इनमें कुछ बाघ-बाघिन ऐसे हैं, जिनकी साइटिंग भी खूब होती है। इसमें एस-3 और रॉकेट पिछले कुछ समय से खासे लोकप्रिय है। रॉकेट अमूमन जंगल मार्गों पर या उसके किनारे अठखेली करते देखा जा सकता है। इसकी खासियत यह भी है कि यह कैमरा फ्रेंडली है। सोशल मीडिया पर अठखेलियां करते रॉकेट की तस्वीरें खूब वायरल होती हैं। वहीं एस-3 जिसे एक्समेल भी कहा जाता है, पिछले कुछ साल से सैलानियों की पहली पसंद बना हुआ है। दाई आंख के ऊपर कुल्हाड़ी के निशान वाला यह मजबूत कदकाठी का बाघ सैलानियों में खासा रोमांच पैदा करता है। यह दोनों निडर नर बाघ पर्यटन सत्र के दौरान सोशल मीडिया पर भी खासे छाए रहते हैं। इसके अलावा नैना और सुंदरी (दोनों बाघिन) की खूबसूरती भी देखते बनती है। यहां बराही मेल नाम का नर बाघ भी खासा चर्चित है। इसमें नैना ने पिछले कुछ माह पूर्व शावकों को जन्म दिया है। टाइगर रिजर्व में दो नर बाघ भी एक साथ देखे जाते हैं। बताते हैं कि यह दोनों एक ही बाघिन के संतान है। एक साथ दिखने की वजह से इन्हें करन-अर्जुन के नाम से जाना जाता है। टाइगर रिजर्व में कभी सुल्तान नाम के भारी-भरकम बाघ का दबदबा हुआ करता है, मगर यह दिखाई नहीं देता है। बताते हैं कि एस-3 व एस-2 सुल्तान वंश से ही ताल्लुक रखते हैं।

बिना अधिकार पत्राचार और जिम्मेदारों पर सवाल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- विहिप के संगठन मंत्री की गलत हरकत प्रशासन सख्त
- एडीएम ने दर्ज कराई रिपोर्ट जिलाध्यक्ष ने भी सराहा

अमृत विचार: विश्व हिंदू परिषद के संगठन मंत्री प्रिंस गौड़ की मुश्किल बढ़ गई। एक प्रकरण को लेकर बिना कोई अधिकार पत्राचार और अनर्गल आरोप लगाते हुए जिम्मेदारों के निर्णय पर सवाल उठाए। इस मामले में विहिप जिलाध्यक्ष ने भी संगठन मंत्री की हरकत को गलत बताया और फिर कार्रवाई की गई है।

सदर कोतवाली में एडीएम ऋतु पुनिया ने 6 नवंबर को एक रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें विश्व हिंदू परिषद के संगठन मंत्री प्रिंस गौड़ को आरोपी बनाया गया था। इसमें बताया था कि प्रिंस गौड़ ने एक पत्र मंडलायुक्त बरेली को भेजा था, जिसमें खुद को संगठन मंत्री विश्व हिंदू परिषद शाजीपुर विभाग लिखा था। इस पत्र में जितनी भी बातें लिखी गई वह आधारहीन, तथ्यहीन और झूठी थी। पहले पैराग्राफ में लिखा गया कि प्रिंस गौड़।

वादी द्वारा स्टाम्प में जुर्माना अधिक लगाया गया है। इस प्रकार किसी को भी न्यायिक प्रकिया के संबंध में बयान देने का अधिकार नहीं है। चूंकि न्यायिक प्रकरण चर्च न्यायालय से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक चलते है। अवर न्यायालय के आदेशों की अपील प्रवर न्यायालय में होने की दशा में प्रवर न्यायालय द्वारा ही इसकी समीक्षा आदि की जाती है। इस प्रकार उनके द्वारा न्यायिक एवं प्रशासनिक कार्यों में व्यवधान डालने एवं शासकीय कार्यों में बाधा डाली गई है। शासकीय छवि एवं सामाजिक प्रतिष्ठा पर कुठाराघात किया गया है। आरोपी द्वारा ये भी लिखा गया कि एक कालोनी में धारा 80 का कार्य एडीएम द्वारा किया गया। जबकि इसका न्यायिक क्षेत्राधिकार संबंधित एसडीएम को होता है। इसकी अपील मंडलायुक्त के कार्यालय में होती है। जिसमें किसी एडीएम का हस्तक्षेप नहीं होता है। इसकी अपील भी मंडलायुक्त के न्यायालय में होती है। इसके अलावा भी संगीन आरोप थे। इस मामले में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद शनिवार को कोतवाली पुलिस ने आरोपी प्रिंस गौड़ को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला चर्चा का विषय बना रहा। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने बताया कि संबंधित प्रकरण में आरोपी प्रिंस गौड़ का रिमांड लिया गया है। मुकदमा छह नवंबर को लिखा था।

जिलाध्यक्ष ने नहीं दिया था कोई अधिकार

इस कार्रवाई के बाद विहिप के जिलाध्यक्ष श्रीकृष्ण का एक पत्र भी वायरल हो रहा है। यह पत्र एडीएम को ही भेजा गया है, जो कि कार्रवाई से पूर्व का है। जिसमें पत्रांक संख्या के साथ एडीएम को जवाब भेजा है। साफ लिखा है कि विहिप की ओर से पत्राचार के लिए जिलाध्यक्ष की ओर से ही किसी पदाधिकारी को किसी भी विषय पर पत्राचार के लिए अधिकृत नहीं किया गया है। विहिप का किसी के व्यक्तिगत कार्य से कोई सरोकार नहीं है। प्रिंस गौड़ के पत्र से भी विहिप का कोई सरोकार नहीं है। एडीएम के कार्यों की भी प्रशंसा की है। ये भी साफ लिखा है कि संबंधित मामले में कार्रवाई के लिए एडीएम स्वतंत्र है। बताते है कि इसी के बाद कार्रवाई की गई है।

एमपीएस क्रिकेट अकादमी बना विजेता

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: फ्यूचर स्टार्स यू-14 प्राइज मनी क्रिकेट लीग के आठवें लीग मैच में शनिवार को एमपीएस क्रिकेट एकेडमी मुरादाबाद ने एलाइट क्रिकेट एकेडमी शाहजहांपुर को हराया।

22 याड्र्स क्रिकेट एकेडमी और इनिशियम ग्लोबल स्कूल के मैदान पर खेले गए टूर्नामेंट के आठवें मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए एलाइट क्रिकेट एकेडमी की टीम ने 34.3 ओवरों में सभी विकेट खोकर 171 रनों का स्कोर खड़ा किया।रोहित कुमार ने सर्वाधिक 54 गेंद पर 7 चौकों की मदद से 46 रन बनाए। पवन यादव ने 25 रन की पारी खेली। एमपीएस के साकिब रजा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट चटकाए व कोहिनूर ने तीन विकेट अपने नाम किए । इसके जवाब में एमपीएस मुरादाबाद ने 24 ओवर में पांच विकेट खोकर लक्ष्य को प्राप्त कर लिया। अयान सुधाकर ने सर्वाधिक 56 रनों की पारी खेली और फाज ने 32 रन बनाए। इलीट एकेडमी के रोहित ,पवन और आरव ने एक -एक विकेट चटकाए।साकिब रजा को शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। अंपायर की जिम्मेदारी सैयद नातिक अली और अरशान ने और स्कोरिंग की ज़िम्मेदारी प्रशांत और एकांश ने संभाली। इस मौक़े पर परमवीर सिंह पैरी, पुनीत धमेजा, डॉ. सीपी पटेल, कोच रिज़वान खान ,गगन प्रताप सिंह, परवेज़,मदन गंगवार , गोल्डी सिंह, चंदन वादवा, विजारत अर्शी, सूरज, कपिल देव, मोनू सिंह आदि मौजूद रहे।

मैच के दौरान शॉट लगाता बल्लेबाज। ● अमृत विचार

- साकिब रजा को मैन ऑफ द मैच का अवार्ड

काम रुकने के बाद जमीन की होगी जांच

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- वाले मियां मजार के पास की बेशकीमती जमीन का मामला

अमृत विचार: वाले मियां मजार के पास स्थित जमीन पर बिना नक्शा पास कराए दीवार निर्माण कराने की सूचना पर तीन दिन पहले अधिकारियों ने टीम भेजकर कार्य रुकवा दिया था। पूर्व में भी शिकायतें आ चुकी है। ऐसे में प्रशासनिक अधिकारियों के स्तर से जमीन के बारे में जानकारी की जा रही है। सवाल उठाए जा रहे हैं कि पहले निर्माण कराने वाले हाईकोर्ट का आदेश बताते रहे लेकिन जब टीम पहुंची तो भाग खड़े हुए। टीम को भी कोई कागजात नहीं दिखाया गया। फिलहाल मौके पर काम बंद है।

बता दें कि खकरा पुलिस चौकी से नकटादाना चौराहा की तरफ जाने वाले मार्ग पर आवास विकास कॉलोनी के मोड़ के पास वाले मियां की मजार के नजदीक की जमीन पर कुछ लोग निर्माण कार्य करा रहे थे। करीब चार माह पूर्व भी काम होने पर शिकायत के बाद रुकवा दिया गया था। बिना नक्शा पास कराए निर्माण न कराने की चेतावनी दी गई थी। मगर, इसके बाद अचानक बुधवार को कुछ लोग निर्माण कार्य कराने लगे। श्रमिक लगाकर दीवार खड़ी कराई जाती रही। नायब तहसीलदार के पूछने पर हाईकोर्ट के आदेश का हवाला दिया गया था और ये भी तर्क दिया था कि कागजात डीएम-एसपी और एसडीएम को दिए जा चुके हैं। इसके बाद नायब तहसीलदार चले गए थे। फिर सिटी मजिस्ट्रेट के निर्देश पर पहुंची टीम ने काम को रुकवा दिया था। बिना नक्शा पास कराए निर्माण कराने की बात कही गई थी। निर्माण कराने वालों का तर्क था कि संबंधित निजी जमीन पर कोई विवाद नहीं है।

रुकवाया गया है निर्माण कार्य।

एक अन्य मामले में भी चल रही जमीन की पड़ताल

बता दें कि नकटादाना चौराहा के पास भी अवैध तरीके से निर्माण कार्य कराने का मामला सामने आया था। जसमें आरोप था कि शत्रु संपत्ति को निजी संपत्ति के रुप में दर्ज कराकर कब्जे करना करने की कोशिश की जा रही है। इस मामले में एडीएम और एसडीएम अमरिया की अध्यक्षता में समिति ने जांच की थी और विनियमित क्षेत्र ने मामले को संदिग्ध मानते हुए भवन निर्माण के नक्शे को अस्थायी रुप से स्थगित कर दिया था। इसके बाद भी काम कराया जाने लगा तो टीम भेजकर रुकवाया गया था। इस मामले में तहसील प्रशासन की ओर से जमीन की हकीकत जानने के लिए टीम पड़ताल कर रही है।

अंगद रावण संवाद का किया मंचन

बिलसंडा, अमृत विचार: नगर में आयोजित रामलीला में कलाकारों ने अंगद रावण संवाद के प्रसंग का मंचन किया। मंचन में दिखाया अंगद प्रभु श्रीराम के दूत बनकर रावण की सभा में पहुंचते हैं। वह रावण के सामने सीता को लौटाने और युद्ध को टालने का प्रस्ताव रखते हैं।

अहंकार में चूर रावण अंगद के दिए प्रस्ताव को ठुकरा देता है। रावण के अहंकार को देख अंगद सभा में अपना पैर जमाकर रावण के योद्धाओं को पैर हिलाने की चुनौती देते हैं। सभी योद्धा अंगद का पैर हिलाने में असफल हो जाते हैं। तब रावण अंगद का पैर हिलाने के लिए आगे बढ़ता है। यह देख अंगद कहते हैं कि मेरे पैर पकड़ने से क्षमा नहीं मिलेगी। अगर पैर पकड़ने हैं तो प्रभु श्री राम के पकड़ो जो उद्धार का एकमात्र स्थान हैं। मंचन देख दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।

गुणवत्ता पूर्वक करें शिकायतों का निस्तारण

अमरिया थाने में फरियादियों को सुनते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह, एसपी अभिषेक यादव।

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- डीएम-एसपी ने अमरिया थाने पहुंचकर समाधान दिवस में सुनी शिकायतें
- आपसी विवाद की शिकायत पर राजस्व और पुलिस टीम संयुक्त रुप से करे कार्रवाई

अमृत विचार: समाधान दिवस पर डीएम-एसपी ने अमरिया थाने पहुंचकर फरियादियों को सुना। शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण करने के निर्देश दिए ।

शनिवार को जिले के समस्त थानों में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में जन सुनवाई की गई। जमीन संबंधी प्रकरणों में पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीम बनाई गई। अमरिया थाने में डीएम ज्ञानेंद्र सिंह, एसपी अभिषेक यादव पहुंचे। उन्होंने मौजूद फरियादियों की शिकायतें सुनी। जनसुनवाई के दौरान डीएम -एसपी ने शिकायतों का संज्ञान लिया। आपसी विवाद संबंधी शिकायतों के संबंध में संबंधित क्षेत्र के लेखपाल और पुलिस कर्मचारियों को मौके पर जाकर निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। डीएम ने कहा कि थाना समाधान दिवस पर कोई भी कर्मचारी बिना अनुमति के अनुपस्थित न रहे। उन्होंने थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि जनसुवाई के दौरान आईं समस्त शिकायतों में संबंधित क्षेत्र के राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर जाकर दोनों पक्षों को बुलाकर समाधान कराया जाए। किसी भी दशा में कोई भी शिकायत अधिक समय तक लंबित नहीं रहनी चाहिए।

स्कूल पहुंचकर बच्चों से किए सवाल

समाधान दिवस में सुनवाई करने के बाद डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने अमरिया के ग्राम भौनी के प्राथमिक विद्यालय व बारात बोझ राजकीय हाई स्कूल का निरीक्षण किया। बच्चों से सवाल जवाब कर शिक्षा की गुणवत्ता परखी। उन्होंने मौजूद शिक्षकों को व्यवस्था में और सुधार करने के निर्देश दिए। बच्चों के बैठने के लिए फर्नीचर व्यवस्था की भी जानकारी ली। उन्होंने जनपद में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण एसआईआर के अन्तर्गत बीएलओ द्वारा घर घर जाकर गणना प्रपत्र का कार्यों की जांच की गई। पंचायत सचिवालय की व्यवस्थाएं भी परखी गई। साफ सफाई कराने के निर्देश दिए गए। डीएम ने बताया कि रविवार को सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण संबंधी कार्य को अपने-अपने मतदान केंद्र पर उपस्थित रहकर करेंगे। अनुपस्थित रहने वाले संबंधित अधिकारी/कर्मचारी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी।

'मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम किया जा सकता है'

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- घटनाओं की रोकथाम और जनहानि व फसलों के नुकसान पर मिलने वाले मुआवजे की दी जानकारी
- दियोरिया रेंज में पीटीआर व डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के सहयोग से हुई कार्यशाला

अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व एवं विश्व प्रकृति निधि के संयुक्त तत्वावधान में मानव-वन्यजीव संघर्ष संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें प्रधानों समेत ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला में मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने, बचाव एवं जनहानि एवं फसलों के नुकसान पर मिलने वाले मुआवजे के बारे में विस्तार से बताया गया।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व से सटे दियोरिया स्थित ठाकुर उमराव सिंह इंटर कॉलेज में संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। दियोरिया रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी लल्लन दीक्षित की अध्यक्षता में हुई कार्यशाला में मानव-वन्यजीव संघर्ष निवारण पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान कहा गया कि पीलीभीत बाघों के लिए जाना जाता है, मगर इसके साथ चुनौतियां भी कम नहीं है। अक्सर मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं प्रकाश में आती हैं। टाइगर रिजर्व से सटे इलाके के समुदाय के सहयोग से मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम किया जा सकता है। विश्व प्रकृति निधि के वरिष्ठ परियोजना अधिकारी नरेश कुमार ने मानव जीवन में वन और वन्यजीव की उपयोगिता और इस दिशा में पीलीभीत टाइगर रिजर्व द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया। मानव-वन्यजीव संघर्ष में घायल हुए व्यक्तियों के इलाज और मुआवजे आदि के बारे में जानकारी दी। इस दौरान जंगल से सटे इलाकों में रहने वाले ग्रामीणों की आजीविका बढ़ाने पर मंथन किया गया। कार्यशाला में करीब 15 ग्राम प्रधानों एवं ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। बता दें हर साल जंगल से निकलकर जानवर किसानों और उनके पालतू पशुओं को निशाना बनाते है।इस दौरान कई बार जंगली जानवर भी मानव द्वारा मार दिए जाते है। संगठन का प्रमुख उद्देश्य इन्हीं संघर्षों को कम करना है।

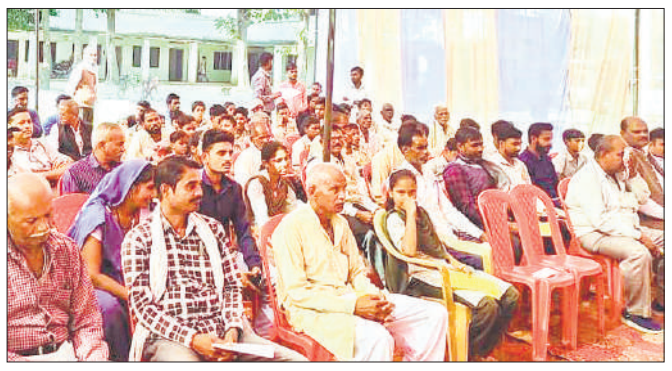

कार्यशाला में मौजूद ग्राम प्रधान व ग्रामीण। ● अमृत विचार

कार्यशाला में जानकारी देते नरेश कुमार।

जंगली हाथियों ने केसरपुर में रौंदी गन्ने की फसल

पीलीभीत, अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व में डेरा जमाए दो नेपाली हाथियों का उत्पात लगातार जारी है। बीती रात बराही रेंज से निकले दोनों जंगली हाथी केसरपुर गांव के सीमा में जा पहुंचे। यहां हाथियों ने खेतों में खड़ी गन्ने की फसल रौंद डाली। भनक लगने पर ग्रामीणों ने शोर-शराबा कर हाथियों को भगाया। इधर अब दोनों जंगली हाथी महोफ रेंज की ओर से जाने की सूचना मिली है। जानकारी पर वन विभाग की टीम की ओर से निगरानी बढ़ाई दी गई है।

नेपाल की शुक्ला फांटा सेंचुरी से जंगली हाथियों की आमद कई साल से होती आ रही हैं। कॉरिडोर होते हुए जंगली हाथी पीलीभीत टाइगर रिजर्व में दस्तक दे रहे हैं। पिछले माह नेपाल से भटककर आए दो जंगली हाथी पीलीभीत टाइगर रिजर्व में आ पहुंचे थे। तबसे दोनों हाथी जंगल में ही डेरा जमाए हुए हैं।

मनरेगा हाजिरी में रुकेगा फर्जीवाड़ा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- जनपद में अब तक 39542 श्रमिकों की हुई फेस ऑथेंटिकेशन व ईकेवाईसी
- जनपद में 1.78 लाख मनरेगा श्रमिकों को होना हैं फेस ऑथेंटिकेशन व ई-केवाईसी

अमृत विचार: महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) में फर्जी हाजिरी का खेल रोकने को नई व्यवस्था की गई है। अब मनरेगा श्रमिकों का चेहरा मिलान के बाद ही हाजिरी लग सकेगी। इसको लेकर मनरेगा श्रमिकों की ई-केवाईसी और फेस ऑथेंटिकेशन की प्रक्रिया शुरू की गई है। सक्रिय 1.78 लाख श्रमिकों में से अब तक 39542 श्रमिकों

की ई-केवाईसी और फेस ऑथेंटिकेशन का कार्य पूरा किया जा चुका है। अफसरों की ओर से 20 नवंबर तक प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

रोजगार के लिए ग्रामीणों का शहरी इलाकों की ओर पलायन रोकने और गांवों का विकास करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना चलाई जा रही है। इस योजना के तहत ग्रामीण इलाकों में रहने वाले जॉब कार्ड धारक को एक वित्तीय वर्ष में अधिकतम सौ दिन का रोजगार उपलब्ध कराने का प्रावधान है। जॉब कार्ड धारक के एक दिन के काम को एक मानव दिवस के रूप में जोड़ा जाता है। अभी तक जो व्यवस्था है, उसमें मनरेगा श्रमिकों की कार्यस्थल पर काम करते फोटो पोर्टल पर अपलोड की जाती है। इसमें फर्जीवाड़े के मामले जमकर प्रकाश में आ रहे हैं। अब इस फर्जीवाड़े पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने चेहरा प्रमाणीकरण की व्यवस्था शुरू की है। इस नई व्यवस्था के तहत मनरेगा श्रमिकों का चेहरा मिलान कर ऑनलाइन हाजिरी सत्यापित की जाएगी।

1.39 लाख की केवाईसी व फेस ऑथेंटिकेशन बाकी

जनपद में इस नई व्यवस्था के तहत ई-केवाईसी और फेस ऑथेंटिकेशन की जिम्मेदारी सभी 07 ब्लाक के रोजगार सेवकों को दी गई है। जनपद की बात करें तो वर्तमान में 2 .51 लाख जॉब कार्डधारक पंजीकृत हैं। इनमें से 1,78,776 सक्रिय कार्डधारक (कार्य में आगे रहने वाले) हैं। इनमें से अब 39542 श्रमिकों की ई-केवाईसी और फेस ऑथेंटिकेशन का कार्य पूरा किया जा चुका है। अभी 139234 श्रमिकों की ई-केवाईसी और फेस ऑथेंटिकेशन होना बाकी है। सभी रोजगार सेवकों को 20 नवंबर तक प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में उपायुक्त मनरेगा हेमंत कुमार यादव ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार सभी मनरेगा श्रमिकों की ई-केवाईसी और फेस ऑथेंटिकेशन किया जा रहा है।

शहर में आज

- गांधी स्टेडियम में जिला स्तरीय हॉकी टूर्नामेंट के दूसरे दिन मैच सुबह 8 बजे से।
- समस्त सीएचसी पीएचसी जन आरोग्य मेले का आयोजन सुबह 9 बजे से।
- इनिशियम ग्लोबल स्कूल के मैदान पर टूर्नामेंट के तहत क्रिकेट मैच सुबह 7 बजे से।
- यातायात माह नवंबर के तहत शहर में जागरूकता कार्यक्रम सुबह 10 बजे से।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 5 .30 बजे।

न्यूज ब्रीफ

किशोरी घर से लापता गुमशुदगी दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया उसकी 14 वर्षीय पुत्री 4 नवंबर को दोपहर 1 बजे घर से रहस्यमय ढंग से लापता हो गई। काफी तलाशने के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चल सका है। रिश्तेदार और परिचितों को भी उसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश में सुरागरसी कर रही है।

महिला को हमला कर पीटा, रिपोर्ट

बरखेड़ा, अमृत विचार : एक महिला को दो महिला ने मारपीट कर घायल कर दिया, पीड़िता ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। कस्बा निवासी लीलावती ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मोहल्ले की ही राधा व सरिता ने 6 नवंबर की शाम 4 बजे गाली गलौज की। विरोध करने पर मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

सड़क हादसों में महिला सहित चार घायल

बीसलपुर, अमृत विचार : सड़क हादसों में महिला समेत चार लोग घायल हो गए। ग्राम पहाड़गंज निवासी रियाज अहमद की पत्नी सीमा बेगम गांव के इलियास के पुत्र जुबैर के साथ बाइक से बीसलपुर आ रही थी। इस बीच ग्राम भैनपुरा के पास पहुंचते ही बाइक सवार मोहल्ला दुर्गा प्रसाद निवासी वंश की बाइक से टक्कर हो गई। हादसे में सीमा बेगम, जुबैर और वंश घायल हो गए। वहीं, ग्राम अमृता खास निवासी सुरेश चंद्र शनिवार दोपहर को खेत से घर जा रहा था। रास्ते में सांड़ ने हमला कर घायल कर दिया। घायलों को सीएचसी भर्ती कराया गया।

पत्नी को लहूलुहान करने के बाद पति ने जहर खाकर दी जान

न्यूरिया थाना क्षेत्र के राजा कॉलोनी में हुई वारदात, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

विश्वजीत बैरागी।

- महिला का अस्पताल में चल रहा इलाज, जमानत पर छूटने के बाद खाया जहर

अमृत विचार : एक युवक ने शुक्रवार सुबह विवाद के पत्नी को बांका मारकर घायल कर दिया, सूचना पर पहुंची पुलिस उसे हिरासत में लेकर थाने आई और शांति भंग में चालान कर दिया। देर शाम को छूटकर घर पहुंचे व्यक्ति ने जहरीला पदार्थ खा लिया, उसे इलाज के लिए अस्पातल में भर्ती कराया गया, जहां उसने दम तोडऋदिया।पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद परिवार में चीख पुकार मची रही।

न्यूरिया थाना क्षेत्र के ग्राम राजा कॉलोनी निवासी विश्वजीत बैरागी का पत्नी मनीषा बैरागी से शुक्रवार सुबह विवाद हो गया था। दोनों के बीच कहासुनी होती रही। इसके बाद विश्वजीत ने उस ऊपर बांका से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गई, उसे मेडिकल कॉलेज भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलने पर पहुंची न्यूरिया पुलिस ने आरोपी पति विश्वजीत बैरागी को गिरफ्तार कर शांतिभंग की आशंका में चालान कर दिया गया। जमानत पर छूटने के बाद विश्वजीत बैरागी ने शुक्रवार देर शाम जहरीला पदार्थ खा लिया। उसे आनन-फानन में अस्पताल लाया गया, वहां उसकी देर रात मौत हो गई। पत्नी के हमला करने के बाद पति के खुदकुशी करने की जानकारी मिलने पर खलबली मच गई। परिवार में चीख पुकार मची रही। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सीओ सदर नताशा गोयल ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अवैध संबंध के शक में पत्नी की हत्या करने वाले आरोपी को भेजा जेल

पीलीभीत, अमृत विचार : अवैध संबंध के शक में पत्नी की हत्या करने के आरोपी को पूरनपुर पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया है। बता दें कि पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कढेरचौरा के निवासी राम बहादुर पुत्र नन्हेलाल ने सात नवंबर को सुबह साढ़े 11 बजे पत्नी अनीता को झगड़े के बाद लकड़ी की पटरी सिर पर मार दी थी। जिसमें महिला की मौत हो गई थी। अवैध संबंध के शक में पति ने हमला कर दिया था। मृतका के भाई प्रेमपाल उर्फ राजपाल की ओर से इस मामले में हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पूरनपुर कोतवाली पुलिस ने आरोपी रामबहादुर को गिरफ्तार कर शनिवार को चालान कर कोर्ट में पेश करके जेल भेज दिया है। आरोपी की निशानदेही पर लकड़ी की पटरी भी बरामद की गई है।

तीन साल पहले हुई थी शादी

पति की मौत के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। इधर, धारदार चीज से किए गए वार से घायल महिला का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। परिवार में घटना के बाद चीख पुकार मची रही। बताते हैं कि दंपति की शादी तीन साल पहले ही हुई थी। घायल मनीषा बैरागी उत्तराखंड के उधमसिंह नगर जनपद के ग्राम शक्ति फार्म की रहने वाली है। ये भी सामने आया है कि दंपति के बीच आए दिन विवाद होते रहते थे।

ट्रेन संचालन को लेकर केंद्रीय मंत्री ने लिया संज्ञान

पीलीभीत, अमृत विचार: शहर के मोहल्ला सिविल लाइन साउथ के निवासी सामाजिक कार्यकर्ता शिवम कश्यप ने सांसद एवं केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद को पांच सूत्रीय ज्ञापन भेजा था। जिसमें ट्रेन से जुड़ी समस्याएं निस्तारित किए जाने की मांग की थी। ज्ञापन में पीलीभीत वाशिंग पिटलाइन बनवाने, टनकपुर-अछनेरा को आगरा तक विस्तार देने के साथ बांसुरी एक्सप्रेस नाम से संचालन किए जाने आदि शामिल हैं।

ज्ञापन में कहा गया कि पीलीभीत-बरेली रेलखंड से अभी ट्रेनों का संचालन वाया चंदौसी होते हुए किया जा रहा है। इस कारण बरेली जंक्शन से इंजन डायवर्जन में अधिक समय लगना और ट्रैक खाली न होने के कारण सीधा चंदौसी रेलखंड से किया जाना प्रमुख समस्या है। केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने केंद्रीय मंत्री रेल अश्वनी वैष्णव को पत्र भेजकर इन मांगों पर जनहित में कार्यवाही करने का अनुरोध किया है। फिलहाल रेलमंत्री ने अफसरों से इस पूरे मामले की यथा स्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिए है।

व्यवस्था में नहीं हुआ सुधार फिर डिवाइडर पर चढ़ी कार

बरेली हाईवे पर डिवाइडर पर चढ़ी कार और दूसरी तरफ पलटा ट्रैक्टर।

संवाददाता, ललौरीखेड़ा

- बरेली हाईवे पर बालपुर गांव के पास का मामला, एक ट्रैक्टर पलटा

अमृत विचार: बरेली हाईवे पर बालपुर गांव के पास फैली अव्यवस्था हादसे का सबब बनी हुई है। रात में रोशनी के इंतजाम न होने के चलते फिर वाहन डिवाइडर पर चढ़ गए। एक ट्रैक्टर ट्रॉली तो पलट भी गई। हालांकि उसमें सवार लोग बच गए। हादसे के चलते मौके पर भीड़ लगी रही।

बता दें कि पीलीभीत-बरेली हाईवे पर ललौरीखेड़ा क्षेत्र में बालपुर गांव के पास लगातार हादसे हो रहे हैं। चाहे ब्लॉक के पास हो या फिर बालपुर गांव के पास डिवाइडर पर रोशनी के इंतजाम नहीं है, न ही किसी तरह का रेडियम रिफ्लेक्टर टेप लगाया गया है, जिससे डिवाइडर का पता चल सके। इससे आए दिन वाहन डिवाइडर पर चढ़कर पलट रहे हैं। अन्य सुरक्षात्मक इंतजाम भी नहीं कराए जा सके हैं। शनिवार देर शाम को भी बड़ा हादसा टल गया। बालपुर के पास पहुंचते ही एक ट्रैक्टर डिवाइडर पर चढ़ने के बाद पलट गया और फिर कार भी डिवाइडर पर चढ़ गई। हादसे में वाहनों में सवार लोग बाल-बाल बच गए। वहीं, राहगीरों की भीड़ लगी रही। राहगीरों व स्थानीय लोगों ने हादसे की रोकथाम को पुख्ता इंतजाम कराने की मांग की है।

पति की मौत के बाद महिला को बेघर करने का आरोप

संवाददाता, दियोरियाकलां

- एसपी के आदेश पर ससुरालियों पर उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: पति की मौत के बाद विवाहिता ने ससुराल वालों पर मारपीट कर प्रताड़ित कर घर से निकालने का आरोप लगाया है। आरोप है देवर ने दुष्कर्म करने की भी कोशिश की। एसपी के आदेश पर पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

कोतवाली क्षेत्र की एक विवाहिता ने बताया कि उसकी शादी बिलसंडा क्षेत्र के एक युवक से 10 मई 2023 को हुई थी। मायके वालों ने सामर्थ्य के अनुसार दहेज दिया था। कुछ समय बाद वह पति के साथ हरियाणा चली गई, जहां उसके पति काम करते थे। ससुराल वालों ने उसे अपने साथ नहीं रहने दिया था। पति की नौकरी छूट गई और उन्होंने गांव आने को कहा तो घर वालों ने मना कर दिया। परेशान होकर 25 फरवरी को पति ने फंदे से लटककर जान दे दी। इसके बाद वह ससुराल में ही रह रही थी। आरोप है कि सास ने उसके देवर को कमरे में भेज दिया और देवर ने दुष्कर्म करने की कोशिश की। ससुर -सास और जेठ से शिकायत की, लेकिन आरोपियों ने हमला कर पिटाई की और घर से निकाल दिया।

मायके में उसने एक पुत्री को जन्म दिया। इसकी सूचना देने के बाद भी ससुराल से कोई नहीं आया। कोतवाल दिगंबर सिंह ने बताया कि महिला की ओर से सास ससुर देवर और जेठ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। थाना प्रभारी ने बताया मामले की जांच करने के बाद आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बाइक और नकदी के लिए महिला को घर से निकाला

बीसलपुर, अमृत विचार: एसपी के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने ग्राम बड़ेपुरा निवासी जानवी की ओर से रिपोर्ट दर्ज की है। पीड़िता ने बताया उसका निकाह 11 जनवरी को अदनान निवासी मोहल्ला हबीबुल्लाह खां के साथ हुआ था। कुछ दिनों तक ससुराल पक्ष का व्यवहार अच्छा रहा। मई 2025 में जब वह पति के साथ देहरादून से ससुराल वापस लौटी तो ससुराल पक्ष के लोग अतिरिक्त दहेज में बाइक और दुकान खुलवाने को रुपये मांगने लगे। 23 सितंबर को पति, ससुर ने उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया। मांग पूरी किए बिना वापस आने पर मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामले में पति अदनान, ससुर अकील मसूदी, सास खुजनमा, देवर फरहान उर्फ मुन्ना, ननद आफरीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

संदिग्ध हालात में युवक की मौत, हत्या का संदेह

संवाददाता, बरखेड़ा (पीलीभीत)

युवक की मौत के बाद विलाप करती परिवार की महिलाएं। ● अमृत विचार

- बरखेड़ा थाना के ग्राम अलियापुर में हुई घटना से मचा हड़कंप
- शाम को जागरण में शामिल होने गया था युवक

अमृत विचार: संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत हो गई। उसका शव कमरे में फंदे से लटका मिला। पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी की। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। परिवार ने कोई रंजिश तो नहीं बताई है, लेकिन अनहोनी का अंदेशा जताया है।

बरखेड़ा क्षेत्र के ग्राम अलियापुर निवासी प्रीतमराम उर्फ नन्हेलाल का पुत्र देवदत्त (20) गांव के ही जगदीश प्रसाद के घर आयोजित जागरण में गया था। पिता और मां घर पर ही थे, जो खाना खाकर भीतर की तरफ बने कमरे में सोने चले गए। देवदत्त मेनगेट के पास स्थित कमरे में सोता था, उस कमरे में दरवाजा भी नहीं लगा है। दूसरे दिन शनिवार सुबह मां हुलासो देवी जागने के बाद पुत्र को बुलाने के लिए कमरे में गई। इस दौरान देवदत्त का शव कमरे में कुंडे के सहारे रस्सी के फंदे से लटका मिला।

यह देख मां के होश उड़ गए और चीख पुकार मच गई। आसपास के लोग भी जमा हो गए। इसकी सूचना मिलने पर बरखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटा था। घटना की रात उसके दोनों भाई घर पर नहीं थे। वह बाहर काम करने गए हुए हैं। परिवार का रोकर बुरा हाल रहा।

घटना की सूचना मिलने पर मौके पर गए थे। शव पोस्टमार्टम को भेज जांच पड़ताल कराई जा रही है। परिजन ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। मौत की वजह स्पष्ट होने पर उसी आधार पर कार्रवाई की जाएगी। – **प्रमेंद्र कुमार**, इंस्पेक्टर बरखेड़ा

बाहर से बंद था मेन गेट , चारपाई से छू रहे थे घुटने

पुलिस प्रथम दृष्टया मामले को खुदकुशी मान जांच कर रही है। परिवार वाले कोई रंजिश नहीं बता रहे हैं, लेकिन घटनास्थल पर मिली परिस्थितियों को देखते हुए उन्हें अनहोनी की आशंका है। परिजन की मानें तो जब शव देख शोर मचा तो आसपास के लोग जमा हो गए थे। मकान का मेनगेट भी बाहर से बंद था। जिसे गांव की एक महिला ने पहुंचकर खोला था। उसके बाद ही ग्रामीण घर में प्रवेश कर सके थे। इसके अलावा कमरे में फंदे से लटके शव के घुटने चारपाई से छू रहे थे।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

संवाददाता, बरखेड़ा

यशपाल सिंह वर्मा।

- मैकेनिक की दुकान से बाइक लेकर लौटते समय हुआ हादसा

अमृत विचार: मैकेनिक के पास से बाइक उठाकर घर लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। रास्ते में उसकी बाइक को ट्रैक्टर ट्रॉली ने टक्कर मार दी। बीसलपुर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मूल रुप से बिलसंडा थाना क्षेत्र के ग्राम कैंचुआ के रहने वाले चिंताराम खेती करते हैं। करीब चार दशक पहले वह परिवार समेत बरखेड़ा क्षेत्र के ग्राम पतरासा कुंवरपुर आकर बस गए थे। करीब एक सप्ताह पूर्व उन्होंने बाइक कैंचुआ के एक मैकेनिक को ठीक करने के लिए दी थी। शुक्रवार को बाइक उठाने के लिए चिंताराम बेटे यशपाल सिंह वर्मा (35) के साथ गए थे। चिंताराम कैंचुआ गांव में ही रुक गए और यशपाल बाइक लेकर पतरासा कुंवरपुर आ रहा था। बीसलपुर-बरखेड़ा मार्ग पर टिकरी माफी गांव के पास पहुंचते ही बाइक को ट्रैक्टर ट्रॉली ने टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और घायल को सीएचसी बीसलपुर भेजा गया। वहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। परिवार वाले भी जानकारी मिलने पर पहुंच गए। उनका रोकर बुरा हाल रहा। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पति की मौत की खबर मिलने पर पत्नी शांति देवी का रोकर बुरा हाल रहा। मृतक के दो पुत्र गौरव, सौरभ और एक पुत्री चांदनी है।

ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार घायल

अमरिया ,अमृत विचार: बरेली हरिद्वार नेशनल हाईवे से नगरिया कॉलोनी भिकारीपुर जाने वाले मार्ग पर माधौपुर के पास ट्रैक्टर ट्राली और बाइक में टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार घायल हो गया। राहगीरों की मदद से अस्पताल भिजवाया है।

शनिवार सुबह 9 बजे हादसा हुआ। गांव पिंजरा बमनपुरी निवासी मोहम्मद मोनिस बाइक से फरदिया चौराहे की ओर जा रहा था। गांव माधौपुर में स्थित धर्म कांटे से ट्रैक्टर ट्रॉली आ रही थी। उसने बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर भीड़ एकत्र हो गई। राहगीरों की मदद से एक कार से घायल को सीएचसी ले जाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद हालत गंभीर होने पर मोनिस को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है।

सुअर पालन के बाद कार्रवाई का डर दिखाकर व्यापारी से ठगे पांच करोड़

संवाददाता, बीसलपुर

- अफसर तो कभी जनप्रतिनिधियों के नाम पर मांगी गई रकम, धमकाया

अमृत विचार: सुअर पालन में मुनाफा बताकर जालसाज ने सर्राफा व्यापारी को जोड़ा। इसके बाद कार्रवाई का डर और कामकाज बताकर एक साल में करीब पांच करोड़ रुपये ठग लिए। जनप्रतिनिधियों पर और अधिकारियों को कार्रवाई रोकने के लिए रकम देने की बात कहकर दबाव बनाता रहा। कोतवाली पुलिस ने मामले में नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

कोतवाली में दी गई तहरीर में मोहल्ला दुबे निवासी राजीव नाथ अग्रवाल ने बताया उनकी ईदगाह चौराहा पर सराफा की दुकान है। वर्ष 2017-18 में ग्राम नगीपुर अखौला के रहने वाले सुनील कुमार आए और सुअर फार्म खोलने व क्रय विक्रय करने की बात कही। निश्चित मुनाफे का आश्वासन दिया। इस पर सुनील को दो लाख रुपये नकद दे दिए और आरोपी ने काम शुरू कर दिया। पंद्रह बार में एक साल के भीतर करीब 40 लाख रुपये आरोपी ने लिए और तीन लाख रुपये मुनाफा दर्शाकर वापस भी किए। 2019 में सुनील ने कोविड काल में सुअर खरीद बिक्री बंद कर दी। फरवरी 2023 से पुनः इसी काम को करने के वादे पर दो बार में 10 लाख रुपये ले लिए। 2023 सितंबर में कहा कि रेलगाड़ी से सुअरों को बिक्री के लिए दीमापुर नागालैंड यूपी के सीतापुर से भेजना है। खर्चे के लिए बीस लाख रुपये ले लिए। इसके बाद 10 अक्टूबर को ट्रेन में खराबी आने की बात कही और ये जानकारी दी गई कि माल वापस आया है। उसे कई जगह रखवाना होगा। इसके लिए चार लाख रुपये और ले लिए। जनवरी 2024 में सुनील ने कहा कि सुअरों के मारने और रखने में गंदगी फैल रही है। जिससे प्रशासन की ओर से कार्रवाई की जा रही है। इसे रोकने के लिए फरवरी 2024 में प्रदेश सरकार के एक मंत्री का नाम लेते हुए उन्हें देने की बात कहकर 50 लाख रुपये ले लिए। फिर जून 2024 में पूर्व की भांति डराकर कमिश्नर, डीएम शाहजहांपुर के नाम पर 90 लाख रुपये ले लिए। इसके बाद आरोपी उपमुख्यमंत्री की कार्रवाई से बचने के लिए देने के नाम पर 1.80 करोड़ रुपये मांगे, जो उसने नहीं दिए। झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी । आरोप है करीब पांच करोड़ रुपये नकद और ऑनलाइन ठगी की गई। डरा धमकाकर रंगदारी के तौर पर रकम वसूलता रहा। अभी भी उपमुख्यमंत्री का नाम लेकर 1.80 करोड़ रुपये आरोपी मांग रहा है। कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि आरोपी नगीपुर अखौला गांव निवासी सुनील कुमार पुत्र भोलेनाथ पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। विवेचना कराई जा रही है।

बीएससी गृह विज्ञान की बदली टॉपर, अब प्राची को मिलेगा पदक

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- छात्रा की आपत्ति पाई गई सही रिया से नौ अंक अधिक निकले

अमृत विचार: रुहेलखंड विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 93 टॉपर्स को स्वर्ण पदक दिए जाएंगे। तीन दिन पहले विश्वविद्यालय की ओर से टॉपर्स सूची जारी की गई थी, जिसमें बीएससी गृह विज्ञान की टॉपर अब बदल गई है। अब रिया सिंह की जगह प्राची रावत टॉपर होंगी। प्राची के रिया से नौ अंक अधिक हैं।

गुरुवार को टॉपर सूची जारी कर विश्वविद्यालय की ओर से तीन दिन में आपत्ति मांगी गई थी। शुक्रवार को डीएसडब्ल्यू प्रो. पीबी सिंह के पास पुष्प इंस्टीट्यूट पीलीभीत की प्राची रावत ने शिकायत की थी कि उनके अंक अधिक हैं। इस आपत्ति को परीक्षा नियंत्रक के पास भेजा गया। जब शनिवार को जांच की गई तो पता चला कि प्राची के नौ नंबर अधिक हैं। प्राची की सेकेंड सेमेस्टर की मार्कशीट में गलती से बैक छपा था, इसलिए उसके अंक शामिल नहीं किए थे, जबकि उसने कोई बैक दी नहीं थी, बल्कि उसने इंप्रूवमेंट दिया था। इंप्रूवमेंट के हिसाब से उसके 14 अंक बढ़ गए थे। इंप्रूवमेंट को छोड़ दें तब भी उसके नौ अंक अधिक हैं। ऐसे में अब निर्णय लिया गया कि प्राची रावत ही बीएससी गृह विज्ञान की टॉपर होंगी।

दीक्षांत समारोह में व्यवस्थाओं में सहयोग के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से 60 वालिंटियर्स का चुनाव किया गया है। शनिवार को शिक्षा विभाग के सभागार में वॉलिंटियर की ट्रेनिंग के लिए कार्यशाला हुई। इसमें कार्यक्रम को सुचारु रूप से क्रियान्वित करने एवं व्यवस्थाओं के लिए कार्य का विभाजन कर 10 टीमों का गठन किया गया। बैठक की अध्यक्षता चीफ प्रॉक्टर प्रो. रविन्द्र सिंह ने की।

बरेली के चोरों ने तिजोरी उखाड़ चुराए थे जेवर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

चोरी की घटना का खुलासा करतीं सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल।

- जहानाबाद पुलिस ने सर्विलांस और एसओजी टीम की मदद से की धरपकड़

अमृत विचार: सराफा दुकान में घुसकर तिजोरी उखाड़कर उसमें रखे जेवरात चोरी करने वालों को पुलिस ने धर दबोचा। बरेली के शातिर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया था। जहानाबाद पुलिस ने सर्विलांस और एसओजी टीम की मदद से दो आरोपियों को पकड़ा है। उनके पास से चोरी किए जेवरात भी बरामद हुए। दोनों को कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया।

नवाबगंज बरेली के ग्राम गूलरडांडी निवासी संतोष गंगवार की जहानाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम रम्पुरा मिश्र में मुख्य चौराहा पर सर्राफा की दुकान है। 28 अक्टूबर की शाम वह दुकान बंद कर घर चले गए थे। देर रात शटर का लॉक तोड़कर चोर भीतर घुसे और दुकान से तिजोरी उठाकर ले गए। नजदीक के खेत में तिजोरी तोड़कर उसमें रखी डेढ़ किलो चांदी, तीन सोने के जेवर और 20 हजार रुपये चोरी किए कर लिए थे। तिजोरी दूसरे दिन सुबह खेत में पड़ी मिली थी। सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल ने मौका मुआयना किया था। अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज कर जहानाबाद पुलिस सुरागरसी में जुट गई। सर्विलांस और एसओजी टीम को भी लगाया गया।

कई जगह सीसीटीवी भी चेक किए गए और कुछ क्लू मिल सका था। जहानाबाद पुलिस ने शनिवार को बहेड़ी के मोहल्ला सिंह गौटिया निवासी प्रमोद कुमार और देवरनियां बरेली के गांव सिंधौरा निवासी राहुल कुमार वाल्मीकि को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से पांच जोड़ी पायल, दो जोड़ी खडुआ, आधार कार्ड पासबुक, खाली पर्स आदि बरामद किया। पुलिस लाइन में सहायक पुलिस अधीक्षक/ सीओ सदर नताशा गोयल ने पुलिस लाइन में प्रेसवार्ता की। घटना का खुलासा कर दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है। दोनों आरोपियों का आपराधिक इतिहास है। बता दें कि पकड़ा गया आरोपी राहुल कुमार मूल रूप से उत्तराखंड के नानक सागर इलाके का रहने वाला है।

यातायात नियम बताए, उल्लंघन पर की कार्रवाई

पीलीभीत, अमृत विचार: एसपी के निर्देशन में चलाए जा रहे यातायात माह नवंबर के तहत शनिवार को यातायात पुलिस ने वाहन चालकों को नियमों के प्रति जागरुक किया। बताया बिना सीट बेल्ट लगाए कार न चलाएं। दो पहिया वाहन चलाते वक्त हेलमेट का प्रयोग करें। इस दौरान कुछ वाहनों के चालकों को हेलमेट भी वितरित किए गए। नशे की हालत में वाहन चलाने पर कार्रवाई की बात कही। इसके अलावा वाहनों की चेकिंग भी की गई। एलबीएस पब्लिक इण्टर कालेज पिपरिया अगरु में भी जागरुकता कार्यक्रम हुआ। चेकिंग के दौरान 20 डग्गामार वाहनों समेत 86 वाहनों का चालान करते हुए 94 हजार रुपये शमन शुल्क अधिरोपित किया गया।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 9 नवंबर 2025

पीलीभीत

NSNH NEW SHRI NARAYANA HOSPITAL

न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल

डा. प्रदीप कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
Retd. ACMO
जनरल सर्जन

डॉ. राम निवास
एम.बी.बी.एस. एम.डी.
(एनेस्थेसियोलॉजिस्ट)
जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ

डॉ. राजा गुप्ता
जनरल फिजिशियन

डॉक्टर्स पैनल

डा. प्रदीप कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन	डा. ओमवती एम.बी.बी.एस., डीजीओ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ	डा. अहमद अली अंसारी एम.बी.बी.एस. डी.सी.एच. नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
डा. राम निवास एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ	डा. कुन्दन कुमार एम.बी.बी.एस., एमसीएच न्यूरो सर्जन	डा. अमन अग्रवाल एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी.एच. गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
डा. सुजाय मुखर्जी एम.बी.बी.एस., एम.एस. जनरल सर्जन एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन	डा. निशान्त गुप्ता एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. प्रिया सिंह एम.बी.बी.एस. डी.जी.ओ, डी.एन.बी. स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. आशुतोष कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. रहबर इदरीश बी.डी.एस. एमआईडीए लखनऊ मुख दन्त एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ	डा. राजा गुप्ता बी.ए.एम.एस. ई.एम.ओ.

उपलब्ध सुविधायें :
- सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज
- दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के आपरेशन की सुविधा
- दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा
- दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा।
- छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त आपरेशन एवं जोड़ प्रत्यारोपण
- घुटना व कूल्हा बदलने की सुविधा उपलब्ध
- नॉर्मल डिलीवरी व दर्द रहित प्रसव एवं बच्चेदानी के समस्त प्रकार के आपरेशन
- बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों को इलाज
- वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त ICU, NICU

डॉ. विवेक कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर

ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन

समस्त प्रकार के दूरबीन व चीरे वाले ऑपरेशन की सुविधा
24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध
24/7 EMERGENCY SERVICES

लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास,
निकट ओवर ब्रिज, बदायूँ रोड, बरेली

हेल्पलाइन नं. : 8057953868

छात्राओं ने जानी रेशम उत्पादन की तकनीक

पीलीभीत, अमृत विचार: अटल बिहारी वाजपेयी जन्मशताब्दी वर्ष, मिशन शक्ति कार्यक्रम और राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में रामलुभाई साहनी राजकीय महिला कॉलेज में स्किल डेवलपमेंट और रेशम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को किया गया। इसका उद्देश्य छात्राओं को स्वरोजगार, आत्मनिर्भरता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ी नई तकनीकों के प्रति जागरूक करना रहा। संचालन जिला रेशम उत्पादन विभाग के शरीक अनवर ने किया। उन्होंने छात्राओं को रेशम उत्पादन की आधुनिक तकनीकों, उसकी व्यावसायिक संभावनाओं और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। छात्राओं द्वारा महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत विषय पर विचार प्रस्तुत किए। प्राचार्य डॉ. सचिन गिहार ने आभार व्यक्त किया।

स्प्रिंगडेल की टीम ने स्टार क्लब को हराया

दो दिवसीय हॉकी टूर्नामेंट की गांधी स्टेडियम में शुरुआत, डीएम ने खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाया

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : जिला हॉकी एसोसिएशन की ओर से दो दिवसीय हॉकी टूर्नामेंट गांधी स्टेडियम में शनिवार से शुरू हुआ। इसकी शुरुआत मुख्य अतिथि एसपी अभिषेक यादव , भाजपा जिला अध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके कराई। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय लेकर मैच शुरू शुरू कराए। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह भी गांधी स्टेडियम पहुंचे और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

पहला मैच दियोरी और डायमंड हॉकी क्लब पूरनपुर के बीच हुआ। कड़े संघर्ष के बाद डायमंड हॉकी क्लब पूरनपुर की टीम ने 2/0 से जीत दर्ज की। दूसरा मैच स्प्रिंगडेल और स्टार क्लब के बीच हुआ। जिसमें स्प्रिंगडेल की टीम 1/0 से विजेता रही। तीसरा मैच सिटी मोंटेसरी टीम और ड्रमंड कॉलेज के बीच हुआ। जिसमें

गांधी स्टेडियम में मैच खेलते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

खिलाड़ियों से परिचय करते एसपी अभिषेक यादव। ● अमृत विचार

● पालिकाध्यक्ष बोलीं, खिलाड़ियों के हर संभव मदद की जाएगी

सिटी मोंटेसरी की टीम 3/0 से विजेता रही। निर्णायक मंडल में मुमताज, रिजवान अहमद, मोइद अहमद ,आदित्य, मोहन, अरशद रहे। नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल ने कहा कि खेल कोई भी हो, उसे खेल की भावना से खेलना चाहिए। खेलों को आगे बढ़ाने के लिए नगर पालिका की जो भी जरूरत होगी पूरी तरह से सहयोग करेंगी। हॉकी टूर्नामेंट के दौरान कई दशक पुराने वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ियों को अतिथियों ने सम्मानित किया। इस मौके पर एसोसिएशन के संयोजक दीपक सरकार, अध्यक्ष प्रदीप खींची, जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह, सचिव जयप्रकाश बघेल,कोषाध्यक्ष जीडी वर्मा, सहसचिव बाबू भारती, सुरेन्द्र कुमार,उपाध्यक्ष सतीश शर्मा, सुरेश कौशल,पंकज तिवारी, वेटरन्स क्रिकेट संगठन के सचिव जगदीश सक्सेना, जिला व्यायाम शिक्षक राजीव कुमार, नवनीत गंगवार, आदित्य गंगवार, प्रगति सिंह, साक्षी राणा, वासु, राजीव भटनागर, दिनेश आजाद , राकेश सक्सेना आदि मौजूद रहे। संचालन चिरंजीव गौड़ ने किया।

सुविधाओं का नहीं होगा अभाव, हो रहे प्रयास

एसपी ने कहा खिलाड़ियों को अपने खेल पर बिना भटके फोकस करना होगा। खेलों में करियर भी बनता है खिलाड़ियों को एकाग्र होकर अपने खेल में बेहतर परफॉर्मेंस देनी होगी। डीएम ने कहा कि प्रतिभाएं हर जगह हैं उनको पहचानना होगा। खिलाड़ियों को उचित मंच मिले, इसके लिए बेहतर प्रयास किया जा रहे हैं। गांधी स्टेडियम में कोई किसी सुविधा का अभाव न रहे। इसके लिए निरंतर प्रयास किया जा रहे हैं।

साइबर अपराध से बचने का तरीका बताया

पीलीभीत, अमृत विचार : मोहल्ला सुनगढ़ी स्थित सुमन कंप्यूटर इंस्टिट्यूट में साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यशाला कराई गई। इसकी शुरुआत कराते हुए संस्था निदेशक सौरभ सक्सेना ने कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी वर्तमान में गंभीर समस्या है। जागरूकता और सतर्कता के माध्यम से ही बचा जा सकता है। छात्रों को किसी भी अनजान को मोबाइल पर आए बैंकिंग से संबंधित ओटीपी न बताने और ऐप डाउनलोड करते समय सावधानी बरतने की अपील की। कोऑर्डिनेटर नेहा ने बताया कि डिजिटल जागरूकता के द्वारा ही सभी को व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा के महत्व को समझाया जा सकता है। हेल्पलाइन नम्बर 1930 की जानकारी दी गई। इस मौके पर संजीव राजपूत ,यशपाल रंजना ,भूमिका अग्रवाल,पूनम समेत अन्य रहे।

इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी ने लगाया स्वास्थ्य शिविर

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● छात्रों का किया स्वास्थ्य परीक्षण निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं

अमृत विचार: इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा ठंड के मौसम में बाल स्वास्थ्य सुरक्षा के उद्देश्य से खुटार के सरस्वती विद्या मंदिर में एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर उपमुख्यमंत्री एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी उत्तर प्रदेश के सभापति बृजेश पाठक के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी और प्रभारी चिकित्सा अधिकारी खुटार के सहयोग से आयोजित किया गया।

शिविर का उद्घाटन मंडल अध्यक्ष इंद्र देव पटेल और रेडक्रॉस सोसाइटी के जिला सचिव डॉ. विजय जौहरी ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य नीरज मिश्रा को विद्यालय के लिए तिरपाल और सौर ऊर्जा लालटेन भेंट कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। शिविर में केम्प प्रभारी नितेश सिंह, देवेश गुप्ता, विजय शंकर अवस्थी, डॉ. राधेश्याम, सोनू मिश्रा, डॉ. संदीप शुक्ला एवं उनकी टीम मौजूद रही। शिविर में 250 से अधिक छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं। नेत्र परीक्षण के दौरान 30 बच्चों को चश्मा हेतु चिन्हित किया गया जिन्हें शीघ्र निःशुल्क चश्मे दिए जाएंगे। कार्यक्रम में रेडक्रॉस सचिव डॉ. विजय जौहरी ने कहा कि बच्चों के लिए अच्छा स्वास्थ्य उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। स्वस्थ विद्यार्थी न केवल बेहतर प्रदर्शन करते हैं बल्कि नियमित रूप से स्कूल आकर भविष्य में अधिक उत्पादक नागरिक बनते हैं।

चित्रकला प्रतियोगिता से दिया स्वच्छता का संदेश

प्रतियोगिता में बनाए चित्र दिखाते बच्चे। ● अमृत विचार

बीसलपुर, अमृत विचार: साहूजी महाराज पब्लिक स्कूल में फाइब आर इको सॉल्यूशंस टीम की ओर से नगर पालिका परिषद के स्वच्छता अभियान के तहत छात्र - छात्राओं की चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस दौरान जन जागरूकता सत्र का आयोजन भी किया गया। प्रतियोगिता के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया गया।

प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। चित्रों के माध्यम से पर्यावरण को शुद्ध रखने स्वच्छ एवं स्वस्थ रखने का संदेश दिया। बच्चों ने स्लोगन भी लिखे। भाषण प्रतियोगिता भी कराई गई। प्रतियोगिता फाइव आर इको सॉल्यूशंस टीम के ललित गंगवार ,अनामिका राणा, सचिन जोशी के नेतृत्व में संपन्न हुई।

Lifelines OF BAREILLY MEDICAL
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR.NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808

सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव
प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

शाहजहांपुर में वंदे भारत का किया गया स्वागत

शाहजहांपुर,अमृत विचार : लखनऊ–सहारनपुर वंदे भारत ट्रेन के प्रथम ठहराव पर शनिवार को शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन पर जनप्रतिनिधियों और पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने संयुक्त रूप से ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह शाहजहांपुर से गुजरने वाली तीसरी सेमी हाईस्पीड ट्रेन है, जिसके आगमन से यात्रियों में उत्साह का माहौल रहा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से वंदे भारत ट्रेन को वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसके बाद यह ट्रेन लखनऊ चारबाग स्टेशन से चली। ट्रेन चार घंटे देर से पहुंची, जहां सुबह 11 बजकर 17 मिनट पर प्लेटफार्म नंबर तीन पर जैसे ही ट्रेन पहुंची, स्टेशन "वंदे भारत" के नारों से गूंज उठा। वंदे भारत ट्रेन को बरेली की दिशा में रवाना किया गया।

पूर्व सैनिक सेवा परिषद का वार्षिक उत्सव आज

शाहजहांपुर, अमृत विचार: अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद, ब्रज प्रांत की शाहजहांपुर इकाई रविवार 9 को वार्षिक उत्सव मनाएगी।

कार्यक्रम में संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी सूबेदार मेजर रमेश दीक्षित, सूबेदार मेजर सतीश सिंह चौहान, सूबेदार मेजर रामनिवास आर्या, हवलदार सुदेश मिश्रा, हवलदार योगेंद्र त्यागी, हवलदार आशीष सिंह, हवलदार हरिओम सिंह और जिला मीडिया प्रभारी आशीष सिंह राठौर उपस्थित रहेंगे। संगठन के जिला अध्यक्ष रमेश दीक्षित ने बताया कि इस अवसर पर पूर्व सैनिकों के योगदान और राष्ट्रीय एकता में उनकी भूमिका पर विचार-विमर्श होगा।

न्यूज डायरी

निबंध में कृष्णा, भाषण में कौशल प्रथम

पीलीभीत, अमृत विचार : प्राथमिक विद्यालय टाह पौटा में भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रधानाध्यापक डॉ. विभव सक्सेना ने विद्यार्थियों को सरदार पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में जानकारी देते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने की सीख दी। सरदार पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित निबंध प्रतियोगिता में कृष्णा, ऋषभ और कौशल राज विजयी रहे, जबकि भाषण प्रतियोगिता में कौशल राज, कृष्णा और झलक वर्मा ने बाजी मारी। इसी प्रकार रंगोली प्रतियोगिता में आस्था शर्मा, रेनू कुमारी, साधना और आयुषी सागर विजयी रहीं। चित्रकला प्रतियोगिता में कृष्णा, झलक वर्मा, प्रांशी और आर्यन कुमार मौर्य विजेता बने। सभी विजेताओं को विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए चित्रा देवी, हेमलता, साधना देवी, सोनी, मानव, सोनाक्षी आदि को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर अंजना शुक्ला, प्रगति धामी, ममता देवी आदि मौजूद रही।

10 से शुरू होगा मझोला महोत्सव

मझोला, अमृत विचार : तीन दिवसीय मझोला महोत्सव की शुरुआत कस्बे के खेल मैदान पर 10 नवंबर से होगी। इसमें मेहंदी रंगोली, थाल सज्जा आदि प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। पंजाबी कलाकारों, दिल्ली का ग्रुप डांस भी कराया जाएगा। इसे लेकर तैयारियां अंतिम दौर में हैं। दिन में दंगल भी कराया जाएगा। शाम 5 बजे से कार्यक्रम होंगे। उत्तराखंड के लोग भी इसमें शामिल होंगे। आयोजन समिति के नगर पंचायत अध्यक्ष निशांत प्रताप सिंह ने टीम के साथ व्यवस्थाओं की जानकारी की। उन्होंने बताया कि तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई है।

प्रश्नोत्तरी में छात्रों ने लिया भाग

पीलीभीत, अमृत विचार : स्प्रिंगडेल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कराते हुए कार्यकारी निदेशक डॉ. हेमन्त जगोता ने कहा कि सरदार पटेल ने जिस दृढ़ संकल्प और निष्ठा से देश को एक सूत्र में बांधा वैसी ही एकता की भावना हमें अपने जीवन में भी अपनानी चाहिए। आज की युवा पीढ़ी अब देश की अखंडता के इस संदेश को समझेगी और उसे व्यवहार में लाएगी। तभी सच्चे अर्थों में इस जयंती का उद्देश्य पूरा होगा।

बच्चों को कराई रोड सेफ्टी एक्टिविटी

पीलीभीत, अमृत विचार : कौशिक विजडम स्कूल में रोड सेफ्टी और क्लीनलीनेस एक्टिविटी कराई गई। जिसमें बच्चों को रोड सिग्नल, ज़ेबरा क्रॉसिंग, रोड पर पैदल चलने के नियम आदि के बारे में लघु नाटिका के द्वारा जागरूक किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मैनेजिंग डायरेक्टर नितिन कौशिक, प्रधानाचार्या भावना कौशिक ने कराई। कहा कि बच्चों में पढ़ाई के साथ–साथ एक अच्छे एवं जिम्मेदार नागरिक, एक अच्छा इंसान बनाने के लिए इसी उम्र से सही दिशा एवं ज्ञान देना चाहिए। यही बच्चे आगे चलकर समाज में और सकारात्मक परिवर्तन लाएंगे। क्लीनलीनेस एक्टिविटी का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों को पर्सनल हाइजीन एवं गंदगी से होने वाले बीमारियों के बारे में बताते हुए जागरुक किया गया। इस मौके पर चारु सिंह, फाबेहा, तान्या राणा, असलेहना परवीन, रजनी रस्तोगी आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

साइकिल-बाइक की टक्कर में दो युवक घायल

केशवापुर, अमृत विचार : हैदराबाद थाना क्षेत्र के गांव भल्लिया बुजुर्ग निवासी अनुज यादव (40) पुत्र परागी लाल साइकिल से गोला से काम निवटाकर गांव वापस जा रहे थे। बताया जाता है कि गोला से ही बाइक पर शिवम कुमार (30) पुत्र सर्वजीत सिंह निवासी बैकुंठा अपने घर जा रहे थे। मोड़ पर अचानक साइकिल सवार के मुड़ने पर बाइक ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे सड़क पर गिरकर दोनों गंभीर घायल हो गये। राहगीरों का सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से दोनों को सीएचसी फरधान भेजा गया, जहां हालत गंभीर होने के कारण जिला अस्पताल ओयल रेफर किया गया। वहां भी सुधार न होने पर उन्हें लखनऊ रेफर किया गया। परिवार वालों ने आइकॉन हॉस्पिटल में इलाज के लिये भर्ती कराया है।

कार्रवाई न होने से संगठन में रोष

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के जिलाध्यक्ष अंजनी कुमार दीक्षित ने बताया कि उन्होंने सड़क की दयनीय दशा में सुधार के लिए सीडीओ को ज्ञापन दिया था। सीडीओ ने निर्माण खंड मंडी परिषद लखनऊ के लिए पत्र लिखा था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोक निर्माण विभाग को सड़क का निर्माण करना चाहिए, क्योंकि मंडी परिषद की सभी बनी हुई सड़कों का निर्माण लोक निर्माण विभाग कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि शीघ्र ही सड़क का पुनर्निर्माण न कराया गया तो क्षेत्र के किसान मजबूर होकर आंदोलन करेंगे।

स्कूल बस की टक्कर से ग्रामीण घायल

पसगवां, अमृत विचार : जंगबहादुरगंज मोहम्मदी मार्ग पर ग्राम सुखवसा निवासी विनोद कुमार पुत्र दामोदर सुबह 7.45 पर अपने पुत्र को स्कूल बस में बैठाने सड़क पर आया। उसने बताया कि यूडी चिल्ड्रेन एकेडमी मोहम्मदी की बस ने लापरवाही पूर्वक चलाते हुए उसके टक्कर मार दी जिससे वह चोटिल हो गया। विनोद ने आरोप लगाया है कि चालक राम सिंह ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए धमकी भी दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

न तो मिल रही नौकरी और न ही रोजगार

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार :मनरेगा मजदूर मिस्त्री महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विश्वकर्मा समाज के वरिष्ठ नेता संतोष कुमार शर्मा ने लखनऊ में नगर एवं आवास विकास मंत्री राकेश राठौर गुरु से मिलकर भेंट वार्ता में कहा कि उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में पिछड़े अति पिछड़े, दलित अति दलित की संख्या के आधार पर इन जातियों का शासन व प्रशासन में भागीदारी नहीं है। सभी विभागों में अति पिछड़ों को न तो नौकरी मिल पा रही है, और न ही रोजगार मिल पा रहा है।

आत्महत्या के लिए उकसाने में 3 गिरफ्तार

सिंगाही, अमृत विचार : एसओ अजीत कुमार ने बताया कि कस्बे के वार्ड नंबर तीन निवासी तालिब बाबा ने 23 अक्टूबर को घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद बागपत से आए तालिब के पिता इंतजार अली की तहरीर पर पुलिस ने तालिब की पत्नी साबिहा उसका कथित प्रेमी फिरोज और भाई बब्बू के लिए आत्महत्या के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि जांच के बाद पुलिस ने शनिवार को तीनों को गिरफ्तार कर लिया।

दुधवा-गौरीफंटा मार्ग पर एक घंटे प्राइवेट बसें और सैकड़ों यात्री जाम में फंसे रहे, लोगों ने बनाया वीडियो, किया वायरल

जंगल का शाही मार्चः दुधवा के पास सड़क पर आए हाथी, वाहनों के पहिये थम गए

संवाददाता, पलिया कलां (लखीमपुर खीरी)

अमृत विचार: दुधवा नेशनल पार्क के समीप सोमवार सुबह एक रोमांचक और दहशत भरा नजारा देखने को मिला, जब हाथियों का एक विशाल झुंड अचानक दुधवा-गौरीफंटा मार्ग पर आ गया। अचानक सड़क पर हाथियों को देखकर राहगीरों के होश उड़ गए और वाहनों के पहिये थम गए। करीब एक घंटे तक दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं और यात्री जाम में फंसे रहे। लोगों ने इनकी वीडियो बना ली और वायरल कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह झुंड दुधवा से करीब आठ से नौ किलोमीटर आगे सड़क पर आया था। उस वक्त सड़क पर एक कार गुजर रही थी, जिसके चालक ने हाथियों को देखकर तुरंत वाहन रोक दिया। इसके बाद हाथियों का झुंड लगभग एक घंटे तक सड़क किनारे चहलकदमी करता रहा। इस दौरान रोडवेज बस, प्राइवेट बसें और सैकड़ों यात्री जाम में फंसे रहे। बाद में हाथियों का झुंड धीरे-धीरे जंगल की ओर लौट गया, तब जाकर यातायात बहाल हो सका। स्थानीय लोगों ने इस पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर जानवरों की आवाजाही बढ़ जाने के चलते चेतावनी बोर्ड और तैनात वनकर्मी बढ़ाए जाएं, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। दुधवा में इस तरह हाथियों के सड़क पार करने की घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं। वन्यजीव प्रेमियों का कहना है कि यह वन्य जीव संरक्षण और जंगलों की स्वस्थ स्थिति का संकेत है।

पहले हम चलेंगे : दुधवा के रास्ते सड़क पर हाथियों का झुंड। ● अमृत विचार

दुधवा जंगल में उछल- कूद करता ऊदबिलाव का झुंड। ● अमृत विचार

वन विभाग ने की अपील

वन विभाग के अधिकारियों ने राहगीरों से अपील की है कि दुधवा क्षेत्र में सफर के दौरान सावधानी बरतें और जंगली जानवरों से पर्याप्त दूरी बनाए रखें। विभाग ने कहा कि यह क्षेत्र हाथियों का प्राकृतिक गलियारा है, इसलिए वाहनों को नियंत्रित गति से चलना चाहिए।

आकर्षण का केंद्र बना उछल-कूद करता ऊदबिलाव का झुंड

पलिया कलां। अपनी विविध जैव विविधता के लिए समूचे विश्व में प्रसिद्ध दुधवा टाइगर रिजर्व केवल बाघों के लिए ही अब नहीं, बल्कि अन्य अनेक दुर्लभ वन्य प्राणियों के लिए भी जाना जाता है। इनमें एक सींग वाले गैंडे, तेंदुये, जंगली हाथी, सुअर, भालू, छह प्रकार के हिरण और ऊदबिलाव आदि शामिल हैं। दुधवा में एक ओर जहां वन एवं वन्य जीवों की सुरक्षार्थ की जा रही पेट्रोलिंग एवं मॉनिटरिंग किए जाने से कैप्टिव एलीफेंट का प्रबंध है, वहीं यहां दो गैंडा पुनर्वास केंद्र भी स्थापित हैं, जिनमें 46 गैंडा हैं। इसके साथ ही वर्तमान में बच्चों सहित 6 गैंडा पुनर्वास केंद्र से बाहर स्वछंद विचरण करते नजर आते हैं। बाघ, जंगली हाथी, भालुओं के दीदार के चर्चे पहले भी यहां निरंतर सुर्खियों में रहते रहे हैं। इधर, शनिवार को क्षेत्रीय वन अधिकारी दक्षिण सोनारीपुर सुरेंद्र कुमार पेट्रोलिंग की मानीटरिंग के दौरान उभयचर वन्य जीव ऊदविलाव का झुंड खुलेआम मस्ती करता हुआ एकायक सामने दिखाई देने पर आकर्षण का केंद्र बन गया। जिस प्रकार यह वन्य जीव यहां स्वछंद क्रीड़ा करते हुए दिखाई दे रहे हैं वह इनके सुरक्षा के प्रति आश्वस्त होने एवं अन्य वन्य जीवों के साथ सह-अस्तित्व की कहानी स्वयं बयां कर रहे हैं। इसको लेकर दुधवा आने वाले पर्यटक एवं क्षेत्रीय वन्य प्रेमी बेहद खुश हैं

विधायक निधि की दूसरी किस्त आई, जिले को मिले 22.50 करोड़

आठ विधायक और एक एमएलसी कराएंगे विकास, विभिन्न परियोजनाओं को मिलेगी गति

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिले में विकास कार्यों को नया बजट मिल गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 की विधायक निधि की दूसरी किस्त मिल गई है। जिले में आठ विधायकों और एक एमएलसी के लिए 22.50 करोड़ रुपये की धनराशि मिली है। धनराशि जारी होने से अब विभिन्न विकास परियोजनाओं को गति मिलेगी और रुके कार्यों में फिर से जान आने की उम्मीद है।

प्रत्येक विधायक के लिए निर्धारित निधि का दूसरा हिस्सा जारी किया गया है। इस बजट का उपयोग ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सड़क निर्माण, नाली-खड़ंजा कार्य, सामुदायिक भवन, स्कूलों में सुविधाओं के विस्तार, स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने तथा पेयजल व बिजली व्यवस्था सुधारने जैसे कार्यों में किया जाएगा। इसके लिए ऑन लाइन प्रस्ताव मांगे गए हैं। सदर विधानसभा के विधायक योगेश वर्मा, मोहम्मदी के विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह, श्रीनगर की विधायक मंजू त्यागी, पलिया विधायक रोमी साहनी, धौरहरा के विनोद शंकर अवस्थी, कस्ता विधायक सौरभ सिंह सोनू, गोला विधायक अमन गिरि, निघासन विधायक शशांक वर्मा और एमएलसी अनूप गुप्ता को किस्त के रूप में ढाई-ढाई करोड़ रुपये भेजे गए हैं। इस बजट से शहर और गांवों में विकास कार्यों में तेजी आएगी।

विधायक अपनी निधि से शिक्षा और मरीजों के इलाज पर भी धनराशि खर्च कर सकते हैं। अधिकारियों का कहना है कि जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में प्रस्तावित योजनाओं और चल रहे परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। कई स्थानों पर पूर्व में स्वीकृत कार्य अधूरे थे, जिन्हें अब तेजी से पूरा किया जाएगा।

साथ ही जनप्रतिनिधियों से मिले नए प्रस्तावों को भी मंजूरी दी जाएगी। स्थानीय स्तर पर भी इस घोषणा का स्वागत किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कई जगहों पर सड़क और जल निकासी की समस्या लंबे समय से थी। निधि जारी होने से उम्मीद है कि जल्द ही इन समस्याओं से राहत मिलेगी।

जिला प्रशासन ने संबंधित विभागों को धनराशि का पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित करने तथा गुणवत्ता मानकों के अनुसार कार्य संपन्न कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग और समयबद्ध तरीके से पूरा कराने पर जोर दिया गया है।

विकास भवन।

विधायक बोले, विकास कार्यों को प्राथमिकता

सदर विधायक योगेश वर्मा, पलिया विधायक रोमी साहनी और मोहम्मदी विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह ने कहा है कि विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी और जनता की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए योजनाओं को लागू किया जाएगा।

ऑन लाइन प्रस्ताव मांगे गए

जिला ग्राम विकास अभिकरण (डीआरडीए) के परियोजना निदेशक (पीडी) सोभनाथ चौरसिया ने बताया कि अभी तक लेटर पैड पर प्रस्ताव भेजे जाते थे, लेकिन अब ऑनलाइन प्रस्ताव ही देने होंगे। पहली बार यह व्यवस्था लागू होने से जनप्रतिनिधियों को प्रस्ताव भेजने में समस्या आई थी, तब कुछ छूट मिल गई थी। इस बार ऑनलाइन प्रस्ताव ही स्वीकार किए जाएंगे। विधायकों को आईडी और पासवर्ड उपलब्ध करा दिए गए हैं।

अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचारः नगर के मोहल्ला कुम्हरान टोला निवासी शिवम सिंह पुत्र प्रदीप सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि उनके पिता बजाज हिंदुस्तान शुगर मिल में गन्ना कामदार थे। वह अलीगंज से सात नवंबर शुक्रवार को शाम 4 बजे ड्यूटी से वापस आ रहे थे।

प्रदीप सिंह।

अलीगंज रोड पर कुटी के पास भुड़वारा मोड के पास गलत दिशा में लापरवाही बाइक चलाते आ रहे बाइक चालक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गए। टक्कर मारकर वह मौके से बाइक समेत भाग निकला। मौके पर उनके परिचित राजकुमार अवस्थी ने घटना की सूचना बजाज चीनी मिल को दी। फैक्ट्री एंबुलेंस से उन्हें सीएचसी लाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार न होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के पुत्र की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

10 को चलेगी चीनी मिल, दो दिन पहले पहुंची ट्रालियां

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड की चीनी मिलें जहां किसानों का पिछले पेराई सत्र का गन्ना भुगतान नहीं कर रही हैं, वहीं गोला मिल का नया पेराई सत्र 10 नवंबर से शुरु होगा। लेकिन कई गन्ना किसानो ने दो दिन पहले ही अपनी गन्ना भरी ट्रालियां चीनी मिल गेट पर खड़ी कर दी हैं।

राष्ट्रीय किसान शक्ति संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पटेल श्रीकृष्ण वर्मा को चीनी मिल के समीप एक होटल कर्मचारी ने सूचना दी कि चीनी मिल गेट के सामने चार और यार्ड में तीन गन्ना भरी ट्रालियां खडी हुई हैं। सूचना मिलने पर पटेल श्रीकृष्ण वर्मा मौके पर गये तो बताया गया कि मिल गेट के सामने खड़ी चार ट्रालियां सात नवंबर को आ गई थीं, जबकि गन्ना लाइन में खड़ी तीन ट्रालियां आठ नवंबर को लाइन में लगी हैं।

पटेल श्रीकृष्ण वर्मा ने कहा कि बहुत से किसान बजाज मिल के बड़े हितैषी हैं, उन्हें गन्ना भुगतान होने की कोई फिक्र नहीं है। इस कारण छोटे गन्ना किसान भुगतान के लिए तरसते हैं। उन्होंने बताया कि गोला और खंभारखेडा मिल से संबंधित कई गन्ना किसान पांच नवंबर को उनके गांव मिलने पहुंचे। उन्होंने चीनी मिले बंद न करने का आग्रह किया तो पटेल श्रीकृष्ण वर्मा ने चीनी मिल बंद करने के बजाय पिछला गन्ना भुगतान करने और नया भुगतान 14 दिन में करने की बात कही।

उन्होंने बताया कि सात नवंबर को बजाज मिल के कर्मचारी उनके खेत पर चीनी मिल का नया पेराई सत्र शुरू होने का आमंत्रण लेकर पहुंचे तो उन्होंने आमंत्रण लेने से साफ मना कर दिया और कहा कि पिछला गन्ना भुगतान और नए पेराई सत्र का 14 दिन में भुगतान का नोटेरियल शपथ पत्र दिए बिना उन्हें आमंत्रण स्वीकार नहीं है।

गोला में बजाज मिल गेट पर खड़ी गन्ना भरी ट्रालियां।

● भुगतान नहीं लेकिन गन्ना आपूर्ति के लिए जुटे किसान

राजस्व विभाग ने चौपाला लगाकर बनाई फार्मर आईडी

संवाददाता, महंगापुर

● आईडी से किसान सम्मान निधि एवं सरकारी योजनाओं के साथ गन्ना सट्टा में मिलेगा लाभ

अमृत विचार: पलिया तहसील के दर्जनों ग्राम पंचायतों में पहुंचकर राजस्व विभाग की टीम ने किसानों की फार्मर आईडी बनाई, जिसका निरीक्षण नायब तहसीलदार हर्ष निशांत ने किया। साथ ही उन्होंने किसानों को जागरूक व कार्य में तेजी लाने के लिए लेखपालों से कहा।

एसडीएम पलिया डॉ. अवनीश कुमार के निर्देश पर किसानों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा दी जा रही सरकारी योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ दिलाए जाने के लिए किसानों की फार्मर आईडी ग्राम पंचायत स्तर पर पहुंचकर चौपाल लगाकर बनाई गईं।

पलिया तहसील के ग्राम परसपुर के लेखपाल कपिल वर्मा ने खुली चौपाल में किसानों को जागरूक करते हुए मौके पर ही 13 किसानों की सफार्मर आईडी बनाईं। इस प्रकार महंगापुर के लेखपाल आदित्य मिश्रा ने 10 किसानों की फार्मर आईडी बनाईं।

साथ सुमेरनगर, बमनगर, संपूर्णानगर, गोविंद, गद्दिनया सहित दर्जनों ग्राम पंचायतों में राजस्व विभाग की टीम ने दर्जनों किसानों की आईडी बनाई गई। नायब तहसीलदार हर्ष निशांत ने बताया कि आईडी से किसान सम्मान निधि, सरकारी योजनाओ के साथ गन्ना सट्टा आदि में इसका लाभ मिलेगा।

चाचा ने गोली मारकर भतीजे की कर दी हत्या

संवाददाता खमरिया

● हत्यारोपी चाचा फरार, तलाश में जुटी पुलिस

अमृत विचार: थाना व कस्बा खमरिया में शनिवार रात पारिवारिक विवाद के चलते चाचा ने अपने भतीजे को गोली मार दी। गोली लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना से कस्बे में सनसनी फैल गई।

कस्बा खमरिया निवासी योगेश अवस्थी उर्फ टिल्लू (45) का अपने चाचा सत्य प्रकाश अवस्थी से लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था। शनिवार रात करीब 8:30 बजे दोनों के बीच राम जानकी मंदिर के पास किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर सत्य प्रकाश अवस्थी ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से योगेश पर फायर कर दिया। गोली लगने से योगेश जमीन पर गिर पड़े और गंभीर घायल हो गए। सूचना मिलते ही परिवार के लोग और प्रभारी निरीक्षक ओम प्रकाश राय फोर्स के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। घायल योगेश को एंबुलेंस से सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

योगेश अवस्थी उर्फ टिल्लू।

मृतक के पिता प्रदीप अवस्थी ने बताया कि पारिवारिक रंजिश के चलते सत्य प्रकाश अवस्थी ने बेटे को गोली मारी है।घटना के बाद आरोपी फरार हो गया। उसकी तलाश कर रही है। प्रभारी निरीक्षक ओम प्रकाश राय ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर नामजद रिपोर्ट दर्ज की है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई है।

घटना स्थल का निरीक्षण कर जानकारी लेते सीओ धौरहरा शमशेर ● अमृत विचार

गांव में भारी पुलिस बल तैनात

घटना के बाद खमरिया कस्बे में तनाव का माहौल है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस ने मौके पर अतिरिक्त बल तैनात कर दिया है। मृतक के घर पर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस के मुताबिक दोनों पक्षों में संपत्ति को लेकर पहले से तनाव और आपसी मतभेद चल रहे थे।

दशहरा मेले में सीता हरण की लीला का मंचन

सिंगाही, अमृत विचार : कस्बे में चल रहे दशहरा मेले में सीता हरण लीला का मंचन किया। लीला में दिखाया कि पंचवटी में श्रीराम पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ कुटिया बनाकर रहते हैं। वहीं राक्षसी शूर्पणखा राम से विवाह प्रस्ताव रखती है, जिसे अस्वीकार करने पर लक्ष्मण उसकी नाक काट देते हैं। अपमानित शूर्पणखा भाई रावण के पास पहुंचती है और घटना बताती है। रावण क्रोधित होकर मामा मारीच के पास जाता है और उसे स्वर्ण मृग का रूप धारण करने को कहता है। मारीच हिरण का रूप धारण कर पंचवटी जाता है, जिसे देख माता सीता उसे लाने के लिए आग्रह करती हैं। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि रविवार को हनुमानजी की लंका यात्रा और अशोक वाटिका प्रसंग का मंचन किया जाएगा।

गांव मकनपुर में बाघ ने किया सांड़ का शिकार, वन विभाग ने लगाया पिंजड़ा

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार : क्षेत्र में बेखौफ घूम रहे एक बाघ ने गांव मकनपुर में रेलवे क्रॉसिंग से कुछ दूर एक आवारा सांड को बीती रात अपना शिकार बना लिया। इसकी जानकारी होते ही ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति आक्रोश और बढ़ गया है। उधर मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने निरीक्षण करने के बाद पिंजड़ा रखवाया है।

बसंतापुर ,अफीमी पुरवा, फरसैया, बुद्धा पुरवा आदि गांवों में कई दिनों से बाघ का आतंक फैला हुआ है। बाघ छह से अधिक पालतू व आवारा पशुओं को अपना निवाला बना चुका है। इससे परेशान ग्रामीणों ने गत दिवस मारे गए बछड़े के शव को लेकर दुधवा मुख्यालय का घेराव भी किया था, लेकिन इस से समस्या का कोई हल नहीं निकला।

शुक्रवार की रात वनकर्मी बसंतापुर की ओर हो- हल्ला कर रहे थे। माना जा रहा है कि तभी बाघ ने गांव मकनपुर से दुधवा रोड की ओर जाने वाले मार्ग पर रेलवे क्रॉसिंग के आगे कुआं और पेड़ के पास एक गन्ने के खेत में चर रहे आवारा सांड को शिकार बना लिया। इसकी जानकारी सुबह जब ग्रामीणों को लगी तो उनमें रोष और बढ़ गया। डिप्टी रेंजर पलिया शिव बाबू सरोज टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को घटनास्थल की ओर न जाने की सलाह देकर सतर्क रहने की बात कही । इसके बाद घटनास्थल पर बाघ पकड़ने वाला एक पिंजड़ा भी रखवा दिया है।

मौके का निरीक्षण करते डिप्टी रेंजर शिव बाबू सरोज। ● अमृत विचार

● ग्रामीणों में वन विभाग के विरुद्ध बढ़ रहा आक्रोश

तेंदुआ खींच ले गया बछड़ा को, खेत में मिला अधखाया शव

मझगई, अमृत विचार : वन रेंज मझगई क्षेत्र के गांव बौधिया कलां गांव में शुक्रवार देर रात तेंदुआ ने ग्रामीण के पशुबाड़े से बछड़े को उठा लिया। शनिवार सुबह गन्ने के खेत में बछड़े का अधखाया शव मिलने से पूरे गांव में दहशत फैल गई। बाघ और तेंदुए की दहशत इस कदर व्याप्त हो गई है कि लोगों ने खेतों में जाना बंग कर दिया है। सूरज ढलते ही घरों के दरवाजे भी बंद कर कैद हो रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार यह घटना शुक्रवार देर रात की है। शनिवार सुबह जब लोग खेतों की ओर गए, तो उन्हें गन्ने के खेत में शिवराज यादव के बछड़े का क्षत-विक्षत शव मिला। वह घर के बाहर बने पशु बाड़े में बंधा था। शव देखकर ग्रामीणों में भय का माहौल व्याप्त हो गया। जंगल के करीब स्थित होने के कारण बौधिया कलां और आसपास के गांवों में आए दिन जंगली जानवरों की आमद बनी रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में बाघ और तेंदुए का आतंक बढ़ता जा रहा है, जिससे अब लोग रात में बाहर निकलने और पशुओं को खुले में बांधने से भी डरने लगे हैं। घटना की सूचना ग्रामीणों ने वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वनकर्मी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। वन क्षेत्राधिकारी अंकित सिंह ने बताया कि मौके पर तेंदुए के पदचिह्न मिले हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है और स्थानीय लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। साथ ही, पशु मालिक को नियमानुसार मुआवजा दिलाने का आश्वासन भी दिया गया है। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि क्षेत्र में कैमरा ट्रैप लगाए जाएं और बाघ-तेंदुए की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाई जाए, ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

गैर इरादतन हत्या की नामजद रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● 20 रुपये की चाट-पकौड़ी को लेकर हुआ था विवाद

अमृत विचारः कोतवाली क्षेत्र के गांव भुसौरिया निवासी मृतक की मां ने चाट-पकौड़ी खाने में 20 रुपये के लेनदेन में हुए विवाद में मारपीट कर उसके बेटे को घायल करने एवं अस्पताल में मौत होने के चलते दुकानदार पर गैर इरादतन हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

कोतवाली क्षेत्र के गांव भुसौरिया निवासी बेवी पत्नी पप्पी सिंह ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि भुसौरिया चौराहे के निकट बढ़ईया खेड़ा निवासी जगन नारायन का होटल है, जिसमें काम कर रहे मनोज नाम के कारीगर ने उसके बेटे आलोक (19) को 27 अक्टूबर को उधार के पैसे के लिए रोक लिया और गाली गलौज कर उसे लात घूसों से पीटा कि वह गंभीर घायल हो गया। मृतक के मामा पंकज ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया। सुधार न होने पर उसे जिला अस्पताल लखीमपुर रेफर कर दिया, जहां छह नवंबर को उसकी मौत हो गई। शुक्रवार को शव घर आने पर परिजनों ने हाईवे पर शव रखकर रास्ता जाम कर दिया। पुलिस ने बलपूर्वक रास्ता साफ कराया। मृतक की मां पप्पी ने मनोज के नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है।

अमृत विचार

बरेली, रविवार,9 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

अखंड पाठ व विशाल भंडारा आयोजित

पलिया कलां, अमृत विचार : नगर निवासी समाजसेवी आलोक मिश्रा ने सर्व सुख- शांति के लिए अपने आवास पर श्री रामचरितमानस का अखंड पाठ बैठाया । जिसकी समाप्ति पर विशाल हवन व भंडारा आयोजित किया गया। हवन देवकली, गोला क्षेत्र के प्रमुख यज्ञाचार्य पंडित राजेश शास्त्री ने अपनी पूरी टीम के साथ विधि -विधान से कराया। जिसमें कई लोगों ने आहुतियां डालीं। कीर्तन - आरती कर विशाल भंडारे का प्रसाद वितरण किया गया।

बाइकों की भिड़ंत में गन्ना पर्यवेक्षक घायल

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : नगर की अलीगंज रोड कुटी के निकट भुड़वारा मोड़ के पास दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में कुम्हारन टोला निवासी गन्ना पर्यवेक्षक प्रदीप कुमार सिंह (55) पुत्र लालजी सिंह गंभीर घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें सीएचसी भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार न होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

सड़क दुर्घटना में दो घायल, एक रेफर

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र में अलग-अलग हुई सड़क दुर्घटना में दो लोग गंभीर घायल हो गए, जिनमें एक को जिला अस्पताल रेफर किया गया ।हरदोई जिला के थाना हरपालपुर क्षेत्र के गांव शेखापुर सगरिया निवासी गौरव (24) पुत्र पन्नालाल, माशूक अली (34) पुत्र आरिफ अली निवासी मुन्नूगंज सड़क दुर्घटना में गंभीर घायल हो गए, जिन्हें सीएचसी भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार न होने पर गौरव को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

चार जनरेटरों से अल्टीनेटर चोरी

मैगलगंज, अमृत विचार : कस्बा मैगलगंज निवासी टेंट व्यापारी शोभित मिश्रा ने बताया कि उनके चार जनरेटर खखरा मोड़ के पास एक मकान के बाहर खड़े थे। शुक्रवार की रात चोरों ने सभी जनरेटरों में लगे अल्टीनेटर खोल लिए और भाग निकले। व्यापारी ने चोरी होने की तहरीर पुलिस को दी है।

एक मैदान में फुटबाल तो दूसरे में क्रिकेट की मची धूम

खेल महोत्सवः उद्घाटन मैच में नीची भूड़ घोसियाना बी को पछाड़ कर आरएफसी ईदगाह विजयी

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

गोला में क्रिकेट टूर्नामेंट में विजयी खिलाड़ियों के साथ अतिथि। ● अमृत विचार

● नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने दीप प्रज्ज्वलित कर फुटबॉल टूर्नामेंट का किया आरंभ

अमृत विचार : युवा शक्ति के जोश, खेल मैदानों की गूंज और दर्शकों की तालियों के बीच शुक्रवार को गोला खेल महोत्सव का आठवां दिन रोमांच से भरपूर रहा। नगर पालिका परिषद की ओर से स्वच्छ भारत नगरीय अभियान के तहत आयोजित इस खेल महोत्सव में दो खेल मैदानों पर खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। स्व. राजेन्द्र गिरि स्टेडियम में फुटबॉल मुकाबले खेले गए, तो वहीं दूसरी ओर सीजीएन पीजी कॉलेज मैदान में क्रिकेट का रोमांच चरम पर रहा। दोनों ही जगह युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।

दर्शक भी बड़ी संख्या में पहुंचे और अपने पसंदीदा खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते नजर आए। अंत में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। स्व. राजेंद्र गिरि स्टेडियम में मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त बैंक प्रबंधक मधुसुदन गिरि, विशिष्ट अतिथि भूतपूर्व सुबेदार राजेश्वर सिंह, सभासद हरिओम वर्मा, रज्जन खान, जितेन्द्र सिंह, योगेश साहनी, उमाशंकर मिश्रा, खेल महोत्सव संयोजक श्याममूर्ति शुक्ला एवं नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने दीप प्रज्ज्वलित कर फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ किया।

नगर पालिकाध्यक्ष ने कहा कि खेल सामाजिक समरसता और गतिशीलता के प्रतीक है। मुख्य अतिथि मधुसुदन गिरि ने कहा कि गोला खेल महोत्सव से नगर को एक नयी पहचान मिलेगी। इसके आयोजक पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू को बधाई देता हूं। अतिथियों ने फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। उद्घाटन मैच आरएफसी ईदगाह और नीची भूड़ घोसियाना बी के मध्य खेला गया, जिसमें आरएफसी ईदगाह 1-0 से अंतिम समय में गोल कर विजयी रही।

फुटबॉल मैदान पर जोश, जज्बा और शानदार गोल

फुटबॉल टूनामेंट में खिलाड़ियों ने दमदार खेल का प्रदर्शन किया। मैदान पर तेज रफ्तार पासिंग, ड्रिब्लिंग और शानदार गोल ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। हर गोल पर स्टेडियम तालियों और जयकारों से गूंज उठा। फुटबॉल के रोमांचक मुकाबलों ने साबित किया कि इलाके में खेल प्रतिभा की कोई कमी नहीं है।

सीजीएन पीजी कॉलेज बना ओपन क्रिकेट का चैंपियन

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः सीजीएनपीजी कॉलेज के मैदान में क्रिकेट टूर्नामेंट में मुख्य अतिथि सह विभाग प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सीतापुर अविनाश और विकास शुक्ल, विशिष्ट अतिथि जिला प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शिव प्रकाश, सभासद मोहित कनौजिया, धर्मेंद्र तिवारी टीटू एवं पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार जताया। क्रिकेट टूर्नामेंट के तीसरे दिन ओपन वर्ग का पहला मैच नयागांव और चैम्पियन के मध्य 08 ओवर का खेला गया, जिसमें नयागांव पहले खेलते हुए 80 रन बनाए, जवाब में चैम्पियन क्लब 56 रन बना पाई, जिससे नयागांव 24 रन से विजयी हुई। दूसरा मैच सीजीएन और कुम्हारन टोला के मध्य 05 ओवर का खेला गया, जिसमें सीजीएन ने पहले खेलते हुए 79 रन बनाए। जबाब में कुम्हारन टोला 64 रन ही बना पाई और सीजीएन 15 रन से विजयी रहा। तीसरा मैच अरविन्द एकेडमी और सेंट जॉन्स के मध्य खेला गया, जिसमें अरविन्द एकेडमी ने पहले खेलते हुए 60 रन बनाए। जबाब में सेंट जॉन्स 36 रन ही बना पायी और अरविन्द एकेडमी 24 रन से विजयी रही। चौथा मैच सेमीफाइनल नयागांव और अरविन्द एकेडमी के मध्य खेला गया, जिसमें नयागांव ने पहले खेलते हुए 65 रन बनाए। जवाब में अरविन्द एकेडमी 46 ही बना पाई और नयागांव 19 रन से जीत कर फाइनल में प्रवेश कर गई। पांचवां मैच सेमीफाइनल सीजीएन और महाकाल के मध्य खेला गया, जिसमें महाकाल ने पहले खेलते हुए 28 रन बनाए और सीजीएन ने 07 विकेट से जीत कर फाइनल में प्रवेश किया। छठा फाइनल मैच सीजीएन और नयागांव के मध्य खेला गया, जिसमें नयागांव ने पहले खेलते हुए 06 ओवर में 44 रन बनाए। जवाब में सीजीएन ने 06 विकेट से फाइनल जीत लिया।

अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ हादसे की रिपोर्ट दर्ज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचारः कोतवाली क्षेत्र के गांव रामपुर जंगल निवासी महेश प्रसाद पुत्र रामऔतार वर्मा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि उनके चाचा पुत्तूलाल अपने भतीजे अवनीश कुमार वर्मा के साथ भाभी और भतीजे की अस्थियां विसर्जन करने के लिए गोमती नदी जा रहे थे।

नगर की मोहम्मदी रोड पर महेशपुर पुल के पास मंदिर के सामने एक ट्रक चालक ने लापरवाही से तेज चलाते हुए उनकी बाइक में जबरदस्त टक्कर मार दी, जिससे उनके चाचा पुत्तूलाल और भतीजा अवनीश गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया, जहां डॉक्टरों ने पुत्तूलाल को मृत घोषित कर दिया और अवनीश को प्राथमिक उपचार के देन के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया, जहां उसका भी इलाज चल रहा है। उसने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराकर कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

सिंगाही में आज शुरू होगा स्टेट फुटबॉल टूर्नामेंट

संवाददाता, सिंगाही

अमृत विचार: कस्बे के राजा प्रताप विक्रम शाह फुटबॉल ग्राउंड पर रविवार यानी आज से महारानी सुरथ कुमारी स्टेट फुटबॉल टूर्नामेंट शुरू होगा। टूर्नामेंट की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

महामंत्री शिखर तिवारी।

टीमों के ठहरने के लिए शिव कुमार शाह पब्लिक स्कूल और राजा प्रताप विक्रम शाह इंटर कॉलेज को चयनित किया गया है। मैदान में तंबू, कनात और पंडाल सजाने का काम भी पूरा हो चुका है। टूर्नामेंट के महामंत्री शिखर तिवारी ने बताया कि सभी व्यवस्थाएं आवास, सुरक्षा और मैदान की सजावट का कार्य पूरा करा लिया गया है। बहराइच की टीम पहुंच चुकी है और पहला मुकाबला बहराइच बनाम सिंगाही भेड़ौरा के बीच खेला जाएगा। अन्य टीमें भी शनिवार शाम तक पहुंच जाएंगी। कार्यक्रम का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक शशांक वर्मा करेंगे, जबकि शिव कुमार शाह पब्लिक स्कूल के छात्र स्वागत गीत प्रस्तुत करेंगे। इस आयोजन को लेकर कस्बे और आसपास के ग्रामीण इलाकों में जबरदस्त उत्साह है। खेल प्रेमी और स्थानीय नागरिक मैचों का आनंद लेने के लिए अभी से तैयारियों में जुट गए हैं।

न्याय पंचायत स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिताएं हुईं आयोजित

केशवापुर, अमृत विचारः ब्लॉक सदर की न्याय पंचायत भल्लिया बुजुर्ग में शनिवार सुबह बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन पूर्व माध्यमिक विद्यालय सेमरई में आयोजित किया गया, जिसमें भल्लिया बुजुर्ग, खम्हौल, सेमरई, सकेथू, शेरपुर, कोडरी, राजेपुर, अगौना, तुसौरा, बिजौरिया, बेहड़ा, रजौरा के प्राथमिक और जूनियर वर्ग के खिलाड़ियों ने भाग लिया। सेमरई स्कूल में हुईं बाल प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं की विभिन्न प्रकार के खेलों 50 मीटर दौड़, खो-खो, ऊंची कूद, लम्बी कूद, कबड्डी आदि का आयोजन किया। कई राउंड में खेली गईं प्रतियोगिता की विजेता टीमों को पुरस्कार देकर हौसला बढ़ाया गया। इस प्रतियोगिता से चयनित बच्चों को ब्लाक स्तरीय प्रतियोगिता में भेजा जाएगा।

थाना फरधान में डीएम-एसपी ने सुनी समस्याएं

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

थाना फरधान में शिकायतें सुनतीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एसपी संकल्प शर्मा।

● थाना समाधान दिवस : आपसी सामंजस्य से मामले निस्तारण कराने के दिए निर्देश

अमृत विचार: जिले के सभी थानों में शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इसमें पुलिस और भूमि विवाद से जुड़े मामलों की सुनवाई हुई। पुलिस, प्रशासनिक अफसरों ने शिकायत सुनकर निस्तारण कराया। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एसपी संकल्प शर्मा ने थाना फरधान में आयोजित थाना समाधान दिवस में पहुंचे, जहां उन्होंने फरियादियों से रूबरू होकर समस्याएं सुनी।

समाधान दिवस में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि राजस्व-पुलिस से सम्बन्धित शिकायतें का निस्तारण आपसी सामंजस्य से सुनिश्चित कराए। इसमें किसी भी स्तर पर हीलाहवाली क्षम्य नही होगी। पीड़ितों की समस्याओं को खुद समझ कर दूर करें। फोर्स के साथ राजस्वकर्मी मौके पर जाकर विवादित मामलों का निस्तारण करें। अगर मामला गंभीर है तो तत्काल एसडीएम, तहसीलदार को अवगत कराएं, ताकि अधिकारी मौके पर जाकर समाधान करें। डीएम-एसपी ने फरियादियों की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर जनशिकायतों की निष्पक्ष जांच करके विधिक निस्तारण करने के निर्देश दिए।

थाना समाधान दिवस में प्राप्त प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध रूप से निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान नायब तहसीलदार सुनील कुमार, प्रभारी निरीक्षक सहित राजस्व एवं पुलिस के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

छह शिकायतों में दो का किया निस्तारण

मैलानी, अमृत विचार :थाना समाधान दिवस पर शिकायतकर्ताओं की आई छह शिकायतों में दो शिकायतों का निस्तारण किया जा सका। थाना परिसर में एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी की अध्यक्षता में हुये थाना दिवस में कुल 6 शिकायतें आईं, जिनमें से दो का निस्तारण किया गया। अन्य शिकायतों के निस्तारण के लिये संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए। लोगों का कहना है कि समस्याओं का समाधान न होने से शिकायतकर्ताओं का थाना समाधान दिवस पर पहुंचना कम होता जा रहा है, न ही थाने से कोई सूचना दी जाती है। थाना समाधान दिवस पर पुलिस क्षेत्राधिकारी रमेश कुमार तिवार, प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार मौर्य, नायब तहसीलदार, लेखपाल सहित शिकायत कर्ता मौजूद रहे।

रोडवेज बस चालक की मौत की रिपोर्ट

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचारः पिपरा फार्म निवासी पूर्व सैनिक कश्मीर सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि उनका पुत्र हरविंदर सिंह गोला रोडवेज डिपो में चालक था। 23 अक्टूबर को ड्यूटी के बाद बाइक से घर जाते समय सुबह 10 बजे गोला सिकंदराबाद रोड पर अलियापुर हनुमान मंदिर के पास अज्ञात वाहन चालक ने उनके पुत्र की बाइक में टक्कर मार दी, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। लखनऊ ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। उन्होंने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है।

बिना मान्यता प्राप्त स्कूलों में अंधकार में बच्चों का भविष्य

भानपुर, संवाददाता

● शिक्षा विभाग की अनदेखी से खुलेआम चल रहा शिक्षा का खेल

अमृत विचार: ब्लॉक बिजुआ क्षेत्र में शिक्षा विभाग की लापरवाही के चलते कई निजी विद्यालय बिना मान्यता के संचालित हो रहे हैं। इन विद्यालयों में आठवीं से बारहवीं तक की कक्षाएं चल रही हैं, जबकि विभागीय रजिस्टर में उनकी मान्यता शून्य है।

गांवों में खुले इन फर्जी स्कूलों में नए सत्र के समय अभिभावकों से मोटी रकम वसूली जाती है। परीक्षा किसी अन्य मान्यता प्राप्त विद्यालय के नाम से कराई जाती है और वहीं की ट्रांसफर सर्टिफिकेट (टीसी) भी दी जाती है। क्षेत्र के बरम बाबा, भानपुर, ढकिया कला, इटकुटी सहित कई गांवों में स्कूल छप्परों के नीचे संचालित हो रहे हैं। इन स्कूलों में न तो बाउंड्री वॉल है, न शौचालय की व्यवस्था। ढकिया गांव में संचालित सरस्वती बाल विद्या मंदिर इसका उदाहरण है, जो गांव के किनारे छप्परों में चल रहा है। वहीं कई स्कूल ऐसे हैं जिनकी मान्यता केवल कक्षा 5 या 8 तक है, लेकिन वे 10वीं और 12वीं तक पढ़ाई करा रहे हैं।

शिक्षा विभाग की उदासीनता से इन विद्यालयों में बच्चों की पढ़ाई और भविष्य दोनों से खिलवाड़ हो रहा है। खंड शिक्षा अधिकारी बिजुआ नागेंद्र चौधरी ने बताया कि बिना मान्यता के संचालित स्कूलों को नोटिस दिए गए थे और बंद भी कराए थे, लेकिन बीच में कुछ स्कूलों ने फिर से संचालन शुरू कर दिया है। जल्द ही इन पर दोबारा कार्रवाई की जाएगी।

ढकिया कला में छप्परों में संचालित बिना मान्यता प्राप्त स्कूल। ● अमृत विचार

बाल क्रीड़ा प्रतियोगिताएं की गई आयोजित

केशवापुर, अमृत विचारः ब्लॉक सदर की न्याय पंचायत भल्लिया बुजुर्ग में शनिवार सुबह बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन पूर्व माध्यमिक विद्यालय सेमरई में किया गया, जिसमें भल्लिया बुजुर्ग, खम्हौल, सेमरई, सकेथू, शेरपुर, कोडरी, राजेपुर, अगौना, तुसौरा, बिजौरिया, बेहड़ा, रजौरा के प्राथमिक और जूनियर वर्ग के खिलाड़ियों ने भाग लिया। सेमरई स्कूल में हुईं बाल प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं की 50 मीटर दौड़, खो-खो, ऊंची कूद, लम्बी कूद, कबड्डी आदि आयोजित किए गए। विजेता टीमों को पुरस्कार देकर हौसला बढ़ाया गया। प्रतियोगिता से चयनित बच्चों को ब्लॉक स्तरीय खेलों में भेजा जाएगा।

बाइक चोर गैंग के आगे पुलिस बेबस

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● ताबड़तोड़ वारदातों से वाहन स्वामियों में खौफ

● एफआईआर दर्ज न कर आंकड़ों में कर रही खेल

बाइक चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए प्रभारी निरीक्षक सदर को निर्देशित किया गया है। कुछ बाइकें बरामद भी हुई हैं, जो बाइकें बरामद नहीं हुई हैं उनकी जल्द ही बरामदगी की जाएगी। -विवेक तिवारी, सीओ सिटी।

अमृत विचार: शहर में बढ़ती बाइक चोरी की घटनाओं ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बदमाशों को मुठभेड़ में गोली मारकर घायल करने में दक्ष कही जाने वाली सदर कोतवाली पुलिस, अब बाइक चोर गैंग के आगे नतमस्तक नजर आ रही है। पुलिस न तो गिरोह तक पहुंच पा रही है और न ही चोरी गई बाइकों को बरामद कर सकी है। आंकड़ों में सुधार दिखाने के लिए थानों में देर-सबेर रिपोर्ट दर्ज कर खानापूर्ति की जा रही है।

शहर के कई अस्पतालों, कचहरी, सरकारी दफ्तरों, मोहल्लों और बाजारों से रोजाना दो से तीन बाइक चोरी हो रही हैं। इसके बावजूद न तो थानों की पुलिस हरकत में है, न ही उच्च अधिकारी कोई ठोस रणनीति बना पा रहे हैं। कई घटनाएं तो सीसीटीवी कैमरों में कैद हुईं। पुलिस बाइक स्वामियों के फुटेज उपलब्ध कराने के बाद हरकत में आई और आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर पल्ला झाड़ लिया, लेकिन पुलिस गिरोह के सरगना और उनके अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए कोई प्रयास नहीं किए।

शुक्रवार को चोर एलआरपी पुलिस चौकी के पास से ही एक बाइक चोरी कर ले गए। लगातार हो रही चोरी की वारदातों से वाहन स्वामियों में दहशत है। लोग अब घर, दफ्तर या बाजार कहीं भी अपनी बाइक पार्क करने से पहले कई बार सोचने लगे हैं।

वाहन चोरी की सूचना पर भी नहीं पहुंचती पुलिस

बाइक चोरी की सूचना मिलने पर पीड़ित अक्सर यूपी 112 और संबंधित थाने को सूचना देते हैं। इस सूचना को जिले के सभी थानों और चौकियों को प्रसारित की जाती है, लेकिन बावजूद इसके न तो पुलिस तत्काल मौके पर पहुंचती है और न ही वाहनों की चेकिंग होती है। सूचना थाने तक पहुंचने के बाद भी पुलिस थानों और चौकी से बाहर नहीं निकलती। ऐसे में चोर बड़ी आसानी से एक थाना क्षेत्र से दूसरे थाना क्षेत्र तक बाइक ले जाकर सुरक्षित निकाल लेते हैं। यदि सूचना के बाद तुरंत चेकिंग अभियान चलाया जाए तो चोरी रोकना मुश्किल नहीं है, लेकिन उदासीन रवैया पुलिस की सक्रियता पर सवाल खड़ा कर रहा है।

बाइक चोरी पर अधिकारियों की भी नहीं नजर

एसपी से लेकर सीओ स्तर तक अपराध समीक्षा बैठकें हर माह होती हैं, लेकिन बाइक चोरी पर किसी भी स्तर पर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही। अपराध समीक्षा में केवल आंकड़ों का आदान-प्रदान हो रहा है, जमीनी स्तर पर रोकथाम की कोई ठोस रणनीति नहीं बन पाई है। शहर में अपराध नियंत्रण के लिए सदर कोतवाली में सिपाहियों की एक स्पेशल टीम गठित की है। यह टीम सट्टेबाजी, चोरी और अन्य अपराधों की रोकथाम के लिए बनाई गई थी, लेकिन बाइक चोरी के मामलों में यह टीम पूरी तरह फेल साबित हो रही है। टीम के कुछ सदस्य स्थानीय दलाल किस्म के लोगों से सांठगांठ कर मामलों को दबा देते हैं, जिससे चोर बेखौफ होकर सक्रिय हैं।

बवासीर भगन्दर
ऑपरेशन से बचें दर्द रहित उपचार
डॉ. एस.के. गुप्ता
(गुप्त रोग चिकित्सक)
बवासीर भगन्दर रोग विशेषज्ञ
ऑपरेशन से बचें # दर्द रहित उपचार
सैक्स
रोगियों का यूनानी आयुर्वेदिक इलाज
बवासीर को अनदेखा करना घातक हो सकता है
● मस्से होना ● सूजन होना
● जलन होना ● उठाने-बैठने में तकलीफ होना
● खूनी बवासीर होना
धात, स्वप्नदोष, सुस्ती, कमजोरी, शीघ्र पतन होना, जोश में कमी, रूकावट, बवासीर, भगन्दर, ल्यूकोरिया, महावारी का न होना, शुक्राणुओं की कमी, निःसन्तान रोगी (नशा छुड़वायें), सोराइसिस, नलों का बंद होना, कैंसर, शुगर, इन्द्री का लंबापन, मोटापन, 50 साल से ऊपर वाले मर्दों का सैक्स पावर खत्म होना, गुर्दे का क्रीटानीन, प्रोस्टेट, अल्सर, योनि का ढीलापन, पेशाब बार-बार आना, पेशाब में खून आना।
नशा छुड़ाए? नशे से कुछ ही दिनों में छुटकारा पायें।
नोटः- हर जगह से निराश रोगी एक बार अवश्य मिलें।
सुबह 10:30 से 2:30 तक, शाम 6:30 से 8:30 तक
रविवार 10:30 से 2:30 तक
डॉ. सी.पी. गुप्ता क्लीनिक
स्थापित 1960
माध्यमिक शिक्षा परिषद बोर्ड आफिस के सामने, चौपुला से कुतुबखाना रोड, बरेली।
मो. 9259082174

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404
Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines
● Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
● Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
● Faculty of Pharmacy
● Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)
● Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
● Humanities and Journalism English
● Faculty of Management
Application Fee
■ For Indian Candidate Rs. 2000/-
■ NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD
Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025
Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

न्यूज ब्रीफ

किशोर ने फंदा लगाकर दी जान

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : शहर के मोहल्ला गोविंदनगर निवासी एक किशोर ने अज्ञात कारणों के चलते अपने ही घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इससे उसके परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मोहल्ला गोविंद नगर निवासी जमशेद के 15 वर्षीय बेटे साहिल ने अज्ञात कारणों के चलते शुक्रवार की देर रात घर के अंदर फंदे से लटककर जान दे दी। वह सुबह जब कमरे से बाहर नहीं निकला तो परिवार वालों को घटना की जानकारी हुई। उसका शव फंदे से लटका देख उनमें चीख पुकार मच गई। चीख पुकार मचने पर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। आत्महत्या के कारणों को लेकर परिजन कुछ भी नहीं बता पा रहे हैं। पुलिस जांच कर रही है।

चार के नामजद रिपोर्ट दर्ज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव अलियापुर निवासी पीड़ित ने गांव के ही चार लोगों के नामजद मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज करा दी है। अलियापुर निवासी अनिल कुमार पुत्र कढ़िले ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि पांच नवंबर को शाम सात बजे गांव के सुभाष, अवधेश, अनिकेत ने उन्हें दरवाजे पर बुलाकर अश्लील गालियां देते हुए लाठी डंडों से मारा पीटा, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आई हैं। उन लोगों ने जान से मारने की धमकी भी दी है। उसने रिपोर्ट दर्ज कराकर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

सीएमएस की हालत में सुधार

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. आरके कोली की हालत में तेजी से सुधार हुआ है। उनका उपचार लखनऊ में चल रहा है। शुक्रवार को सीएमएस डॉ. आरके कोली को हार्ट अटैक हुआ था। उन्हें आनन-फानन में लखनऊ ले जाया गया था। सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने बताया कि सीएमएस की हालत में काफी तेजी से सुधार हुआ है। अब वह खतरे से बाहर हैं।

गायत्री परिवार ने चलाया देव स्थापना अभियान

नारी उत्कर्ष समारोह में तीसरे दिन विशेष आयोजन, परिवारों में की प्रेरक साहित्य की स्थापना

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा लखीमपुर के मीरपुर रसौरा तिराहा रामापुर रोड पर आयोजित विराट नारी उत्कर्ष समारोह आयोजन के तीसरे दिन घर-घर देव स्थापना अभियान चलाया गया।

कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से आईं गायत्री परिवार की महिला कार्यकर्ताओं को प्रातः काल शांतिकुंज हरिद्वार से आई टोली नायक श्यामा राठौर व उनकी सहायक ब्रह्मवादिनी बहनों द्वारा तिलक अभिनन्दन करके घर-घर देव स्थापना अभियान के लिए रवाना किया गया। गायत्री परिवार प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ प्रतिनिधि जयप्रकाश वर्मा ने बताया गायत्री परिवार द्वारा वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा की जन्म शताब्दी पर एक करोड़

घर-घर देव स्थापना के लिए गायत्री परिवार द्वारा तैयार की गई देव स्थापना किट।

लखीमपुर में घर-घर देव स्थापना कराने जातीं गायत्री परिवार महिला मंडल की सदस्य।

● घरों में लगाई देव परिवार गायत्री परिवार नाम की पट्टिका

देव परिवार बनाने का संकल्प लिया गया है। शहर में पहली बार घर-घर देव स्थापना की गई है। इसके लिए शहर में तीन महीने से अधिक समय से पंजीकरण चल रहे थे।

आयोजन मंडल के उदय सिंह ने बताया देवस्थापना अभियान के लिए 71 टोलियां बनाई गईं। प्रत्येक टोली में देव स्थापना किट के साथ दो महिला कार्यकर्ताओं को शामिल किया। इन टोलियों को गायत्री परिवार की मोटीवेटर बहनें अपने मोहल्लों में लेकर गईं, जहां पूर्व चयनित घरों में टोली की बहनों द्वारा देव स्थापना कराई गई। देव स्थापना के साथ परिवारों को परिवार निर्माण के लिए उपयोगी साहित्य का सेट, पीतवर्णी धर्म पताका, युग निर्माण सत्संकल्प पत्रक और घर के बाहर द्वार पर चस्पा करने के लिए गायत्री परिवार देव परिवार पट्टिकाएं भी दी गईं। मीडिया प्रभारी अनुराग मौर्य ने बताया के आयोजन के दूसरे दिन संध्याकाल सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी भूपेंद्र पाठक के संयोजन में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए जिसमें सीतापुर, आगरा सहित कई जनपदों की 150 कन्याओं ने प्रेरक प्रस्तुतियां दीं। इस दौरान प्रभाकर सक्सेना, मान सिंह, जगराम, आर एस पाल, सुनील जायसवाल, सियाराम जायसवाल, घनश्याम, ओम बिंदु मौर्य, बालकराम, अजीत, गंगासागर वर्मा, राम खेलावन निषाद, जगदीश शरण मौर्य, नंद किशोर गुप्ता आदि जनपदीय और प्रांतीय प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कौन बनेगा टॉपर कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: लोकप्रिय टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति की तर्ज पर सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में कौन बनेगा टॉपर कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सामान्य ज्ञान, विज्ञान, कंप्यूटर एवं सामयिक विषयों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उच्च स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभावशाली प्रयोग किया गया, जिससे प्रतियोगिता को आधुनिक, पारदर्शी और तकनीकी रूप से सशक्त बनाया गया। कार्यक्रम का संचालन कक्षा 10 की छात्रा आराध्या यादव ने प्रभावशाली और आत्म विश्वास पूर्ण शैली में किया। प्रतियोगिता के अंत में कक्षा 5 के छात्र हिमालय गुप्ता ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम विजेता का स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य राजकुमार

कॉलेज में टॉपर को पुरस्कृत करते प्रधानाचार्य राजकुमार कनौजिया।

● छात्रों को सामान्य ज्ञान, विज्ञान, कंप्यूटर ज्ञान के लिए किया प्रेरित

कनौजिया ने विजेता छात्र को पुरस्कृत कर कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में ज्ञान, तर्कशक्ति एवं तकनीकी समझ का विकास करते हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि आगामी केबीटी प्रतियोगिता नगर स्तर पर आयोजित की जाएगी, ताकि अन्य विद्यालयों के छात्र भी इस नवाचारपूर्ण प्रतियोगिता में भाग ले सकें।

रिटायर्ड पुलिस इंस्पेक्टर से मारपीट, 10 नामजद

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● एक नाली बंदूक, जेवर, चेन छीनने व महिलाओं से अभद्रता का आरोप

अमृत विचार: थाना फरधान क्षेत्र के गांव निवासी पीड़ित ने हथियार लेकर घर में घुसकर एकनाली बंदूक, जेवर उठा ले जाने, रिटायर्ड पुलिस इंस्पेक्टर से मारपीट कर चेन छीनने, महिलाओं से अभद्रता करने की 10 लोगों के नामजद और 20-25 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

थाना फरधान क्षेत्र के गांव रुकनापुरवा निवासी एडवोकेट शैलेंद्र कुमार पांडेय ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि पांच नवंबर की रात नौ बजे कुशभरिया गांव निवासी राजेंद्र प्रसाद शुक्ला, बजरंगी उर्फ अभय, रतन, बदलू, सटलू, शहक, राजकुमार, राजेश, राममूर्ति और सूरज सहित 20-25 अज्ञात लोग तमंचा, भाली, लाठी, डंडा, हंसिया, बांका लेकर घर में घुसकर मारपीट करने लगे। उनके पिता की एकनाली बंदूक, घर में रखे लाखों रुपयों के जेवर, नकदी ले गए और घर में रखे सामान को इधर उधर फैला दिया। महिलाओं के विरोध करने पर उनके साथ अभद्रता की। शोरगुल सुनकर आए उनके चचेरे भाई रिटायर्ड पुलिस इंस्पेक्टर रमेश चंद्र पांडेय को भी मारापीटा और उनकी सोने की चेन छीन कर धमकी देते हुए गांव में रह रहे सटलू के यहां फायर करते हुए चले गए। हमलावरों ने जान से मारने की धमकी भी दी। इन सब ने उनके यहां एक राय होकर जान से मारने की नीयत से मारापीटा और डकैती डाली है। उन्होंने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि यह सब दबंग और बदमाश किस्म के लोग हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खेत पर गए युवक का नदी किनारे मिला शव

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: खेत देखने के लिए गए थाना पढुआ क्षेत्र के गांव मझरा पूरब निवासी एक युवक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। उसका शव सुहेली नदी के किनारे बरामद हुआ है। शव मिलने से परिवार में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थाना पढुआ क्षेत्र के गांव मझरा पूरब निवासी 45 वर्षीय शारदा प्रसाद शुक्रवार की देर शाम घर से अपने खेत पर काम करने की बात कह कर गए थे।

देर रात तक जब वह घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की, लेकिन उनका कहीं कोई पता नहीं चला। मृतक के बहनोई गया प्रसाद ने बताया कि तलाश के दौरान शनिवार की सुबह गांव से करी सौ मीटर की दूरी पर स्थित सुहेली नदी के किनारे उनका शव बरामद हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दुर्घटना में दो की मौत, तीन घायल

संवाददाता, निघासन/सिंगाही

अमृत विचार: थाना सिंगाही क्षेत्र में शनिवार की शाम बड़ा हादसा हो गया। कस्बे से सिंगाही की ओर जा रहे ओवरलोड मार्बल से भरे टेंपो से दो बाइक टकरा गईं, जिसमें दो लोगों की मौके पर मौत हो गई और बच्चे घायल हो गए। घायलों की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल भेजा गया है।

हादसा शाम करीब सात बजे हुआ। थाना सिंगाही के गांव तकिया पुरवा निवासी दीपू (30) अपने पांच वर्षीय बेटे अवि, सात वर्षीय बेटी प्रियंका और भतीजी चांदनी (12) के साथ सिंगाही मेला देखने जा रहे थे। उनके पीछे इसी गांव के करदहिया निवासी 22 वर्षीय धीरज भी बाइक से जा रहा था। निघासन-बेलरायां स्टेट हाइवे पर सिंगाही थाना क्षेत्र में स्थित श्मशान घाट के पास ओवरलोड मार्बल लदे टेंपो से धीरज की बाइक टकरा गई, जिससे धीरज की मौके पर मौत हो गई। उसके पीछे आ रहे दीपू की बाइक भी टैंपो से टकरा गई और दीपू की भी मौके पर मौत हो गई। इस हादसे में अवि, प्रियंका और चांदनी घायल हो गए। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अमनदीप सिंह ने घायलों को पिकअप से सीएचसी भेजा, जहां से हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने सभी को लखीमपुर जिला अस्पताल रेफर किया है। घटना के बाद टैंपो चालक मौके से फरार हो गया। बाइक चालकों ने हेलमेट नहीं पहना था। परिवार वालों का आरोप है कि टैंपो में पीछे की लाइट नहीं जल रही थी, जिसके कारण यह हादसा हुआ। हादसे में मौत होने की जानकारी मिलते ही दोनों मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया।

सीएचसी में हादसे की जानकारी लेती पुलिस। ● अमृत विचार

धीरज।

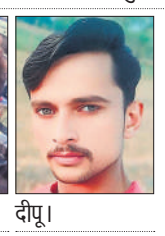
दीपू।

रोते-बिलखते परिवार के लोग तमाम ग्रामीणों के साथ सीएचसी पहुंच गए। शवों को देख उनमें चीख पुकार मच गई। पुलिस ने दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे हैं।

जिला पंचायत कॉलेज गेट के पास जलभराव, परेशानी

भीरा, अमृत विचार: कस्बे के जिला पंचायत इंटर कॉलेज गेट के पास नाली में जलभराव और उसमें से उठने वाली दुर्गंध से छात्र-छात्राएं परेशान हैं। उनका कक्षाओं में बैठ पाना भी मुश्किल हो रहा है। वहीं संक्रामक बीमारियों के फैलने की भी आशंका बनी हुई है।

प्रधानाचार्य डॉ. मधुसूदन शशांक ने बताया कि नाली की सफाई के लिए उन्होंने नगर पंचायत ईओ को एक पत्र दिया था और साफ-सफाई कराए जाने की मांग की थी। साथ ही कहा कि दुर्गंध के कारण छात्र-छात्राओं का क्लास में बैठना मुश्किल है। ईओ डीके शुक्ला ने बताया कि नालियों की साफ सफाई के निर्देश कर्मचारियों को दिए गए हैं।

हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने पकड़ी मांस भरी पिकअप

थाने पर मौजूद हिंदू युवा वाहिनी और आरएसएस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, उचौलिया

● गोमांस की आशंका पर जांच को भेजा सैंपल

अमृत विचार: हिंदू युवा वाहिनी के अध्यक्ष सूरज तिवारी और उनकी टीम ने लखनऊ-दिल्ली नेशनल हाईवे पर उचौलिया से लगभग एक किमी दूर गुरुद्वारा के पास मांस भरी पिकअप पकड़कर पुलिस को सौंपा है। गोमांस होने की आशंका के चलते मांस का सैंपल जांच के लिए भेजा गया है।

हिंदू युवा वाहिनी के अध्यक्ष सूरज तिवारी ने बताया कि उन्हें शनिवार की रात ढाई बजे सूचना मिली कि नेशनल हाईवे पर बरेली की तरफ से मांस भरकर एक गाड़ी आ रही है। उन्होंने अपनी टीम के साथ उसे उचौलिया से एक किमी दूर गुरुद्वारा के निकट उसे पकड़ा। उन्होंने बताया कि पिकप चालक ने उस पर गाड़ी चढ़ाने का भी प्रयास किया और बचाव में वह चोटिल भी हो गये। पकड़ने के बाद रात में ही गाड़ी उचौलिया थाने पर खड़ी हो गई। सूरज ने गोमांस होने की आशंका जताई।

पसगवां के पशु चिकित्साधिकारी डा राहुल सिंह ने मांस का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा है। शनिवार की सुबह रिपोर्ट दर्ज करने को लेकर काफी मशक्कत करनी पड़ी। थाने पर हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता आ गये। आरएसएस के खण्ड कार्यवाह दीपेंद्र दीक्षित भी पहुंचे। यहां तक कि सीओ मोहम्मदी अरुण कुमार सिंह को भी आना पड़ा। काफी बातचीत होने के बाद मामले की रिपोर्ट दर्ज हो सकी। पकड़े गए आरोपी अशफाक उर्फ भोला कोरकोना कोतवाली सीतापुर और इकरार सदर बाजार कोतवाली सीतापुर के निवासी हैं। पुलिस छानबीन कर रही है।

बार संघ के पदाधिकारियों में हाथापाई, क्रॉस रिपोर्ट

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: गोला सेंट्रल बार एसोसिएशन की वरिष्ठ कमेटी के सदस्यों और वर्तमान तहसील बार संघ के महामंत्री के मध्य शुक्रवार को हुई गाली गलौज, हाथापाई के मामले में दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस ने क्रॉस रिपोर्ट दर्ज कर ली है। तहसील परिसर में शुक्रवार को बार संघ की कार्यकारिणी के पदाधिकारियों और वरिष्ठ कमेटी के मध्य बिना सदन की अनुमति के पंजीकृत संस्था से रुपए निकाल कर धन का दुरुपयोग करने, फिजूलखर्ची करने को लेकर विवाद हो गया, जिसमें गलीगलौज, हाथापाई की नौबत आ गई। शुक्रवार शाम कोतवाली में वरिष्ठ कमेटी के सुरेश कुमार गुप्ता ने बार संघ अध्यक्ष केके शुक्ला, महामंत्री अनूप कुमार वर्मा और एक अन्य अश्वनी कुमार वर्मा के खिलाफ रिपोर्ट रिपोर्ट दर्ज करा दी। दूसरी ओर बार संघ के महामंत्री अनूप कुमार वर्मा ने शुक्रवार को तहसील परिसर में उनसे अधिवक्ताओं की पंजीकृत संस्था के रुपयों का हिसाब मांगने, मारपीट कर घायल करने, जान से मारने की धमकी देने की वरिष्ठ कमेटी के नरेश सिंह तोमर, विनोद कुमार वर्मा, संतकुमार भारती, राजेश गिरि, रामजी लाल दीक्षित, नीरज मिश्रा, प्रमोद कुमार गुप्ता, नरेंद्र शुक्ला और प्रेमकिशोर मिश्रा के नामजद रिपोर्ट दर्ज कराकर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। पंलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर दोनों पक्षों की जांच शुरू कर दी है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पासपोर्ट में मेरे पुत्र का नाम भूलवश हरपपित्तर सिंह दर्ज हो गया है जोकि गलत है जबकि उसका वास्तविक नाम हरपवित्तर सिंह है। भविष्य में उसे हरपवित्तर सिंह के नाम से ही जाना व पहचाना जाये। **नवज्योति कौर पत्नी जोगराज सिंह निवासी ककरौआ जप्ती थाना पुवायां शाहजहांपुर।**

सूचना

मैं भारतीय सेना की 56 आरआर मराठा लाई बटालियन में नायक के पद पर तैनात हूं। मेरा आर्मी नम्बर 21017282L है। मेरी माता का वास्तविक नाम श्रीमती कौसर जहाँ KAUSAR JAHAN है जो आधार कार्ड सं0 614799271721 में अंकित है। उक्त पद का आवेदन करते समय मेरी माता का नाम गलती से कौसर जहाँ KAUSAR JAHAN के स्थान पर कैसर जहाँ QAISAR JAHAN अंकित कर दिया है। जो कि गलत है। उक्त सही नाम को मेरे आर्मी रिकॉर्ड में संशोधित किया जाये। **मो. शाहरूख पुत्र शराफत अली निवासी- 208, मो. हाथीथान हाफिज मियां की मजार के पीछे, सदर जिला शाहजहांपुर**

सूचना

मैंने अपने पुत्र मोहित दीक्षित व उसकी पत्नी बबिता को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल- अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **रामकुमार पुत्र ऋषि निवासी राजापुर मण्डी थाना कोतवाली सदर जिला खीरी**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र करन आयु 24 साल गलत संगत में पड़ गया है जिस कारण उसे मैंने अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर अपने सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी कार्य के लिए मेरा कोई उत्तरदायित्व नहीं होगा। **सावित्री देवी पत्नी ओमकार निवासी मो. गणेश नगर, बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल उ.प्र. बोर्ड इलाहाबाद परीक्षा वर्ष 1991 का अंकपत्र व प्रमाण पत्र वास्तव में खो गया है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिला है। **सुशीला कुमारी बम पुत्री रामसिंह बम निवासी एयरफोर्स गेट, आलोक नगर, इज्जतनगर, बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम विवाह पूर्व सुशीला कुमारी बम था जो विवाह उपरान्त बदलकर किरन कैलाश चन्द्र हो गया है। अतः मुझे नये परिवर्तित नाम से जाना जाये। **किरन कैलाश चन्द्र पत्नी कैलाश मदन चन्द निवासी आलोक नगर, एयरफोर्स गेट, बरेली।**

REQUIREMENT

Bushra Convent Inter College Jagatpur Old City, Bareilly required English, Hindi, Maths, Bio, Sanskrit, PTI, Music Teacher for Class VI to XII. Mo. No. / Whatsapp- 9997381145, & mail id
bushraconventschool@gmail.com
Manager
Bushra Convent Inter College

आवश्यकता

कम्प्यूटर आपरेटर महिला की जिसे Excel & Internet की जानकारी हो। बरेली निवासी ही सम्पर्क करें।
2nd Floor भगवती काम्पलैक्स एक्सटेंशन सर्किट हाउस चौराहा, बरेली।
मो. 9808632631, 9568644404

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा घर का नाम श्रीमती सारिका रस्तोगी है तथा मेरे आधार व पैन कार्ड में मेरा नाम श्रीमती संजू रस्तोगी है। श्रीमती सारिका रस्तोगी व श्रीमती संजू रस्तोगी एक ही व्यक्ति है। मैंने एक मकान नं. 286 क्षेत्रफल 67.00 व.गज स्थित पुल काजी मारूफ गढ़ैया, बरेली को राजेन्द्र कुमार रस्तोगी आदि के द्वारा बैनामा दिनांक 29.9.2006 क्रमांक 7551 को श्रीमती सारिका रस्तोगी के नाम से क्रय किया है। **श्रीमती सारिका रस्तोगी उर्फ श्रीमती संजू रस्तोगी पत्नी श्री संजय रस्तोगी निवासी 286 गढ़ैया, बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

फ्री राशन वितरण शुरू 25 तक चलेगा अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में निःशुल्क राशन वितरण का विशेष अभियान शनिवार से शुरू हो गया है, जो 25 नवंबर तक चलेगा। खाद्य एवं रसद विभाग ने इस संबंध में सभी जिलों के आपूर्ति अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि वितरण पूरी तरह ई-पास मशीन के माध्यम से दर्ज किया जाएगा, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और किसी पात्र कार्डधारक को राशन से वंचित न रहना पड़े। फ्री राशन वितरण योजना के तहत पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 2 किलो गेहूं और 3 किलो चावल, यानी कुल 5 किलो अनाज प्रति सदस्य निःशुल्क दिया जाएगा। वहीं, अंत्योदय कार्डधारकों को 14 किलो गेहूं और 21 किलो चावल, यानी कुल 35 किलो राशन फ्री मिलेगा।

वंदे भारत ट्रेनों से यूपी में पर्यटन को नई उड़ान

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बनारस से चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन ट्रेनों से राज्य में पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को नई दिशा मिलेगी। शुरू होने वाली इन ट्रेनों में बनारस-खजुराहो और लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें भी शामिल हैं। पर्यटन मंत्री ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त वंदे भारत ट्रेनें यात्रियों को न केवल तेज, आरामदायक और सुरक्षित यात्रा का अनुभव देंगी, बल्कि काशी, प्रयागराज, लखनऊ, सहारनपुर और बुंदेलखंड जैसे प्रमुख पर्यटन क्षेत्रों तक पहुंच को आसान बनाएंगी।

भारत पर्व में प्रतिभाग करेंगे प्रदेश के कलाकार

अमृत विचार, लखनऊ : संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि भारत पर्व 2025 में भाग लेने के लिए संस्कृति विभाग उप्र. के चयनित सांस्कृतिक दल केवड़िया (गुजरात) के लिए प्रस्थान करेगा। यह पहल उप्र. की कला और संस्कृति को "संरक्षण से संवर्धन" की दिशा में एक बड़ा कदम है। इससे प्रदेश की संस्कृति को भारत की आत्मा के रूप में पहचाना जाएगा और "एक भारत श्रेष्ठ भारत" की भावना जीवंत होगी। पर्यटन मंत्री ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि विभाग द्वारा चयनित सांस्कृतिक दल में प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए श्रेष्ठ कलाकार शामिल हैं, जो प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सशक्त रूप से प्रदर्शित करेंगे।

प्रधानमंत्री को सिर्फ उद्योगपतियों की चिंता

अमृत विचार, लखनऊ : बिहार में चुनावी सभाओं में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि बिहार में इंडिया गठबंधन की सरकार बन रही है। मै तेजस्वी

यादव से कहूंगा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद बिहार के मेधावी छात्र-छात्राओं को लैपटॉप देकर उनको आगे की पढ़ाई के लिए मदद करेंगे। सपा प्रमुख ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि दिल्ली से जो आते हैं, वे प्रधानमंत्री नहीं उद्योगपति हैं। उन्हें गरीबों की चिंता नहीं है। उन्होंने महंगाई चरम पर पहुंचा दिया है। गैस सिलेंडर के दाम बढ़ा दिए। डीजल-पेट्रोल के दाम बढ़ा दिये। उन्हें गरीबों नहीं सिर्फ उद्योगपतियों की चिंता है। उन्होंने बताया कि भाजपाई उद्योगपतियों को बैंकों से पैसा दिलाते हैं। उद्योगपतियों को बढ़ाते हैं। पिछले दस साल में अपने करीबी उद्योगपतियों को बैंकों में जमा जनता का पैसा दिलाकर बहुत आगे बढ़ा दिया है। जनता भाजपा के धोखा और झूठ को समझ गयी है।

चुनाव आयोग जिम्मेदारी नहीं निभा रहा : आराधना

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा ने शनिवार को कहा कि चुनाव आयोग अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रहा है। वह भाजपा के इशारे पर काम कर

रहा है। वह कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। उन्होंने कहा कि ईसीआई आधार कार्ड को आईडी नहीं मान रहा है, तो पीएम नरेंद्र मोदी खुद जवाब दें। क्योंकि वे लगातार आधार का ही बखान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान में एसआईआर का कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए संविधान बचाने के लिए हस्ताक्षर अभियान शुरू हो रहा है। इसका हर हाल में विरोध किया जाएगा। राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा जाएगा। इसे रोकने की मांग की जाएगी। इस मौके पर पूर्व सांसद पीएल पुनिया, सांसद उज्ज्वल रमन सिंह, किशोरी लाल शर्मा आदि मौजूद रहे।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर में यूपीएएसआई कॉन-2025 का आयोजन

बीआईयू के कुलाधिपति डॉ. केशव अग्रवाल को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार : जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर के सर्जरी विभाग द्वारा बिठूर स्थित थीम पार्क में आयोजित यूपीएएसआई कॉन-2025 के दूसरे दिन शनिवार को सम्मेलन में देशभर से आए विशेषज्ञ शामिल हुए।

इस अवसर पर बरेली इंटरेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. केशव अग्रवाल को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के सर्जरी के विभागाध्यक्ष डॉ. जीडी यादव, डॉ. आर के मौर्या व डॉ विकास कटियार ने उन्हें अवार्ड दिया। सम्मेलन में वरिष्ठ चिकित्सकों ने सर्जरी की आधुनिक पद्धतियों, जटिल रोग प्रबंधन, रोबोटिक हस्तक्षेप, न्यूनतम इनवेसिव विधियों और अत्याधुनिक तकनीकी समागम के साथ एक ऐतिहासिक छाप छोड़ी। सुश्रुत सभागार, धन्वंतरि मंच और प्रो.तारा सिंह गोल्डन रुबेली हॉल में समानांतर रूप से आयोजित वैज्ञानिक सत्रों में देश के सर्जन, शिक्षाविदों और विशेषज्ञों ने अपने गहन अनुभव व प्रमाण आधारित जानकारी साझा की। साथ मिलकर वरिष्ठ डॉक्टरों ने अपनी पुरानी यादें ताजा कीं। इस अवसर पर जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. संजय काला, हैलट अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डॉ.आरके सिंह, डॉ.विकास कटियार, डॉ. प्रेमशंकर, डॉ. आरके मौर्य, डॉ.गोविंद त्रिवेदी, डॉ.प्रियेश शुक्ला, डॉ.युक्तेश्वर मिश्रा, डॉ.अंजली मिश्रा, डॉ. अमित अग्रवाल, डॉ.आनंद मिश्रा, डॉ. शालीन अग्रवाल, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. अंकुर बंसल , डॉ.अवनीश कुमार, डॉ.हारित चतुर्वेदी, डॉ.मुकुल खेतान, डॉ.एएस सेंगर आदि मौजूद रहे।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला और वरिष्ठ चिकित्सकों के साथ वार्ता करते बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. केशव अग्रवाल।

लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड के साथ बरेली इंटरेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. केशव अग्रवाल।

वरिष्ठ चिकित्सकों ने साझा की जानकारी

सम्मेलन में बीएचयू के डायरेक्टर डॉ.एसएन संखवार ने बताया कि बच्चों में जंक फूड व फास्ट फूड का सेवन का चलन काफी बढ़ गया है। शारीरिक गतिविधियां कम है और खानपान सही नहीं होने की वजह से प्रोटीन व फाइबर की कमी देखने को मिल रही है। डॉ. मो .असलम ने बताया कि अत्यधिक शराब टेस्टोस्टेरोन के स्तर को कम करती है, शुक्राणु उत्पादन को नुकसान पहुंचाती है और डीएनए को नुकसान पहुंचा सकती है। ड्रग्स शुक्राणु उत्पादन और गुणवत्ता को खराब कर सकते हैं। डॉ .राजीव खन्ना ने बताया कि कई बार हर्निया में आंत के फंसने से आंत का वह हिस्सा बाहर निकल आता है, जो वापस नहीं जा पाता है। यह जानलेवा हो सकता है और तुरंत आपातकालीन सर्जरी की आवश्यकता होती है। यूपीएएसआई के अध्यक्ष डॉ. निखिल सिंह ने बताया कि प्रेसिडेंशियल ओरेशन ट्रॉमा, इमरजेंसी व क्रिटिकल केयर का मुख्य उद्देश्य गंभीर रूप से बीमार और गंभीर चोटों वाले मरीजों के लिए उन्नत, जीवन रक्षक देखभाल प्रदान करना है।

---

15 तक सभी जिलों में गणना प्रपत्र करें वितरित

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की एसआईआर की समीक्षा बैठक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

नवदीप रिणवा

- मतदाता सूची में पारदर्शिता सुनिश्चित करें: रिणवा
- कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो
- अधिकांश जिलों में गणना प्रपत्र की छपाई लगभग पूरी

अमृत विचार : मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी हो। कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो और सभी पात्र नागरिकों के नाम अवश्य जोड़े जाएं।

वे शनिवार को प्रदेशभर के जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रगति को लेकर वर्चुअल बैठक कर रहे थे। उन्होंने बताया कि सभी जिलों में राजनीतिक दलों के साथ बैठक कर उन्हें एसआईआर की प्रक्रिया और आयोग के निर्देशों से अवगत करा दिया है। राजनीतिक दलों से बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने का अनुरोध किया गया है, जो बीएलओ का सहयोग करेंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने समीक्षा में पाया कि अधिकांश जिलों में गणना प्रपत्र की छपाई लगभग पूर्ण हो चुकी है। हालांकि प्रयागराज, मेरठ, हरदोई, बहराइच, वाराणसी, बलरामपुर, सोनभद्र, गाजीपुर, देवरिया, अमरोहा, जौनपुर, फतेहपुर, गाजियाबाद, शाहजहांपुर, गोरखपुर, कासगंज, आगरा, उन्नाव, बदायूं, बांदा और हापुड़ में वितरण की गति धीमी पाई गई। इन जिलों को 15 नवंबर तक शत-प्रतिशत वितरण पूरा करने के निर्देश दिए गए।

रिणवा ने कहा कि सभी बीएलओ एडवांस वर्जन 8.7 वाले बीएलओ को प्ले स्टोर से डाउनलोड करें और जिन मतदाताओं को गणना प्रपत्र दिए जा रहे हैं, उन्हें ऐप पर मार्क करते रहें, ताकि वितरण की प्रगति ऑनलाइन अपडेट हो सके। मतदाता स्वयं भी voters.eci.gov.in पोर्टल पर जाकर अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर के माध्यम से गणना प्रपत्र ऑनलाइन भर सकते हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची से वर्तमान सूची की मैपिंग का कार्य दो दिनों में पूर्ण किया जाए। मतदाताओं की सुविधा के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने "बुक ए कॉल विद बीएलओ" सुविधा भी प्रारंभ की है, जिसके अंतर्गत कोई भी मतदाता पोर्टल पर आवेदन कर अपने बीएलओ से बात करने की रिक्वेस्ट कर सकता है।

मतदाताओं को फोन कर हो रहा समाधान

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि इस सुविधा का वोटर हेल्पलाइन 1950 की तरह प्रचार-प्रसार हो। सभी जिलों में जिला संपर्क केंद्र (डीसीसी) संचालित कर दिए गए हैं, जहां मतदाताओं की कॉल दर्ज कर समाधान किया जा रहा है। किसी भी जिले में डीसीसी से संपर्क के लिए उस जिले के एसटीडी कोड के साथ 1950 डायल करना होगा।

सोशल मीडिया पर साझा होगी दैनिक प्रगति

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि एसआईआर की दैनिक प्रगति मीडिया और सोशल मीडिया पर साझा की जाए और किसी भी भ्रामक पोस्ट का तथ्यपरक उत्तर तत्काल दिया जाए। बीएलओ को मानदेय समय से प्रदान करने के निर्देश दिए गए।

टेंडर में कम रेट डालने पर देनी होगी डेढ़ गुना सिक्योरिटी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने को लोक निर्माण विभाग ने तैयार किया प्रस्ताव
- मुख्यमंत्री की मंजूरी के बाद कैबिनेट में होगा पेश, ठेकेदारों पर बढ़ेगा वित्तीय अनुशासन

अमृत विचार : सरकारी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। इसी मकसद से लोक निर्माण विभाग ने टेंडर प्रक्रिया के नियमों में बड़ा बदलाव करने की तैयारी की है। अब अगर कोई ठेकेदार विभागीय लागत से बहुत कम दर पर टेंडर भरेगा, तो उसे 50 से 150 प्रतिशत तक अतिरिक्त परफार्मेंस सिक्योरिटी जमा करनी होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंजूरी के बाद प्रस्ताव राज्य कैबिनेट में अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा।

लोक निर्माण विभाग का मानना है कि बेहद कम रेट पर बोली लगाने से कार्य की गुणवत्ता प्रभावित होती है, इसलिए ठेकेदारों को सोच-समझकर रेट भरने की दिशा में यह बड़ा कदम है। अभी तक के नियमों के अनुसार, यदि ठेकेदार विभागीय लागत से कम दर लगाता है तो उतने प्रतिशत का परफार्मेंस सिक्योरिटी जमा करना होता है, पर नई व्यवस्था में यह काफी सख्त की गई है।

प्रस्ताव के मुताबिक, यदि किसी ठेकेदार या निर्माण एजेंसी ने टेंडर में विभाग द्वारा आगणित लागत से 10 प्रतिशत तक कम रेट भरा है, तो उसे कोई अतिरिक्त परफार्मेंस सिक्योरिटी नहीं देनी होगी। 10 से 15 प्रतिशत कम रेट डालने पर लागत के अंतर का 50 प्रतिशत परफार्मेंस सिक्योरिटी के रूप में जमा कराना होगा।15 से 20 प्रतिशत कम रेट पर यह सिक्योरिटी 100 प्रतिशत होगी। 20 प्रतिशत से अधिक कम रेट डालने वालों को लागत के अंतर का 150 प्रतिशत तक परफार्मेंस सिक्योरिटी जमा करनी होगी।

हर टेंडर पर लागू होगा नया नियम

प्रस्ताव के अनुसार, यह प्रावधान सड़कों, पुलों, पुलियों, भवनों सहित सभी प्रकार के सरकारी निर्माण कार्यों के टेंडरों पर लागू होगा। विभाग का तर्क है कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता बनाए रखने के लिए ठेकेदारों की वित्तीय जवाबदेही और जोखिम दोनों बढ़ाने होंगे। नया प्रावधान ठेकेदारों को कम दरों की अनावश्यक होड़ से रोकेगा। जो भी कार्य होंगे, वे गुणवत्ता के मानकों पर खरे उतरेंगे। इसका उद्देश्य किसी पर बोझ डालना नहीं बल्कि निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की मजबूती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- भाजपा का मतदाता पुनरीक्षण अभियान संगठन के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता का विषय : धर्मपाल

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रमाणिक मतदाता सूची सशक्त लोकतंत्र की बुनियाद है। हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में जुड़ना और किसी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में शामिल न होना, यही सच्चे लोकतांत्रिक समाज की पहचान है।

उन्होंने कहा कि जिला व विधानसभा स्तर पर वॉर रूम बनेगा। वह शनिवार को चंदौसी और गाजीपुर में आयोजित बैठक में मंडल अध्यक्षों, विधानसभा संयोजकों और पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से पार्टी हर गांव, हर गली और हर घर तक पहुंचेगी ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रह जाए।

चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया के तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि हर पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल हो और बोगस मतदाताओं के नाम हटाए जाएं।

अलीगढ़ में एसआईआर पर लगाई जाए रोक : सपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 2003 की मतदाता सूची से एसआईआर कराने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार: सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने उप्र. के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि 76-अलीगढ़ विधानसभा क्षेत्र में जारी स्पेशल इन्टेंसिव रीविजन प्रक्रिया पर तत्काल प्रभाव से रोक लगायी जाए और निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुरूप 2003 की मतदाता सूची के आधार पर एसआईआर कराई जाए।

प्रदेश अध्यक्ष ने शनिवार को ज्ञापन की जानकारी देते हुए बताया कि अलीगढ़ के 76-अलीगढ़ विधानसभा क्षेत्र के 383 पोलिंग स्टेशनों की 2003 की मतदाता सूची न तो निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है, न ही जिला निर्वाचन कार्यालय या बीएलओ के पास। ऐसी स्थिति में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा 2002 की मतदाता सूची के आधार पर एसआईआर शुरू कराई जा रही है, जबकि करीब 150 पोलिंग स्टेशनों के बीएलओ. के पास 2002 की सूची भी नहीं है। उन्होंने बताया कि 2003 की सूची उपलब्ध न होने की स्थिति में बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हट सकते हैं, जो लोकतंत्र की हत्या के समान होगा।

प्रदेशभर में भाजपा निकालेगी एकता पदयात्राएं, तैयारी शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने की तैयारियों की समीक्षा

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री व सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान के राष्ट्रीय संयोजक सुनील बंसल ने शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी के साथ अभियान की तैयारियों को लेकर वर्चुअल बैठक सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। यह आयोजन 10 से 20 नवंबर के बीच प्रदेश की सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में यूनिटी मार्च पदयात्राएं निकाली जाएंगी। ये यात्राएं राष्ट्रीय एकता के संदेश के साथ गांव, गली और शहरों तक पहुंचेंगी।

बंसल ने कहा कि प्रत्येक पदयात्रा लगभग 8 से 10 किलोमीटर मार्ग तय करेगी। यात्रा मार्ग पहले से निर्धारित कर तैयारी बैठकें की जाएंगी। पदयात्रा की शुरुआत किसी बड़े कार्यक्रम से होगी, मार्ग में पौधरोपण, सांस्कृतिक आयोजन तथा समापन स्थल पर सभा आयोजित की जाएगी। बंसल ने बताया कि यात्राओं का नेतृत्व प्रभारी मंत्री, सांसद, विधायक करेंगे।

छापेमारी में मिले 43 लाख नकद और दस्तावेज

मोनाड यूनिवर्सिटी से जुड़े फर्जी डिग्री घोटाले मामले में कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गुरुवार को यूपी, दिल्ली व हरियाणा के 15 ठिकानों पर एक साथ हुई थी छापेमारी

अमृत विचार: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश, दिल्ली व हरियाणा के 15 ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी की यह कार्रवाई मोनाड यूनिवर्सिटी से जुड़े फर्जी डिग्री घोटाले की जांच के दौरान की गई। छापेमारी के दौरान टीम को 43 लाख रुपये नकदी, अहम दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य मिले।

प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने छापेमारी के संबंध में शुक्रवार देर रात को सूचना जारी की। साथ ही अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर जानकारी दी। ईडी के अधिकारी के मुताबिक, गुरुवार की छापेमारी के दौरान 43 लाख रुपये, कई गोपनीय दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य जब्त किये गये हैं। सारे दस्तावेज फर्जी डिग्रियों की बिक्री और कथित धनशोधन से जुड़े बताए जा रहे हैं।

प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा में एक साथ 15 ठिकानों पर छापेमारी की। एजेंसी की टीमें नोएडा, लखनऊ, गाजियाबाद, दिल्ली और गुरुग्राम सहित कई स्थानों पर पहुंचीं और संदिग्ध लोगों के आवासों व कार्यालयों की तलाशी ली। इस दौरान डिजिटल डेटा, ट्रांजैक्शन रिकॉर्ड और फर्जी डिग्री से जुड़ी कई अहम जानकारियां सामने आई हैं।

यह था मामला

यूपी एसटीएफ ने 18 मई को मोनाड विश्वविद्यालय में छापा मारा था। छापेमारी के दौरान बड़ी संख्या में जाली शैक्षणिक दस्तावेज बरामद हुए। जिसमें अंकपत्र, डिग्री, प्रोविजनल सर्टिफिकेट व माइग्रेशन सर्टिफिकेट शामिल थे। ये सारे मोनाड विश्वविद्यालय पिलखुआ हापुड़ द्वारा जारी किये गये थे। आरोपियों ने हजारों रुपये लेकर ये सारे दस्तावेज बेचे थे। इस मामले में एसटीएफ ने तत्काल दस आरोपियों को गिरफ्तार किया था। उनके खिलाफ पिलखुआ थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। जांच में सामने आया कि विजेंद्र सिंह उर्फ विजेंद्र सिंह हुड्डा इस संगठित गिरोह का मास्टरमाइंड और सरगना है। वह मोनाड विश्वविद्यालय का कुलाधिपति और नियंत्रक अधिकारी है। साथ ही इसकी जानकारी हुई कि वह सरस्वती मेडिकल कॉलेज, उन्नाव का सचिव भी है। इस मामले में एसटीएफ 11 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दिया है।

अपने क्षेत्र में फर्जी वोटर पहचानें और शिकायत करें : ब्रजेश पाठक

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि वोटर लिस्ट का अध्ययन करें। अपने क्षेत्र के फर्जी वोटरों को पहचानें और उनकी शिकायत करें। व्यापक स्तर पर विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान आयोजित किया जा रहा है। उप्र. विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ता अभी से तैयारियों में जुट जाएं। प्रदेश में मतदाता सूची को त्रुटि-मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चल रहा है। बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर मतदाताओं का विवरण ले रहे हैं। उप मुख्यमंत्री, शनिवार को कैंट विधानसभा क्षेत्र के बीएलए एवं बूथ अध्यक्षों की कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

खुलासा — नौ दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड पर चल रही पूछताछ, उगले कई राज

युवकों को जिहाद के लिए तैयार कर रहा था बिलाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एटीएस की गिरफ्त में है एक्यूएएस संगठन का सक्रिय सदस्य

अमृत विचार: सहारनपुर का रहने वाला बिलाल खान जिस आतंकी संगठन अलकायदा इन इंडियन सब कॉन्टिनेंट (एक्यूएएस) का सक्रिय सदस्य है। उसका गठन तीन सितंबर 2014 को अलकायदा ने किया था। इसके माध्यम से भारत में आतंकी गतिविधियों और हिंसात्मक जिहाद करने की साजिश रची जाने लगी। बिलाल ने इसके लिए जम्मू-कश्मीर से लेकर उत्तर भारत के कई राज्यों में नेटवर्क खड़े करने लगा। युवकों से सीधा संपर्क कर उनको हिंसात्मक जिहाद के लिए तैयार करने लगा। इसके लिए वह ऑपरेशन सिंदूर में मारे गये आतंकियों को बिलाल खान ने शहीद बताया। एटीएस की जांच में खुलासा हुआ कि वह हिंसात्मक जिहाद से जुड़े हजारों लोगों की सूची भी तैयार कर रखा था। जिनके मोबाइल पर उसने भड़काऊ वीडियो भी भेजे हैं।

एटीएस की जांच में सामने आया कि बिलाल पाकिस्तान के 4 हजार नंबरों से लगातार संपर्क में था। वह ओसामा, अल जवाहरी व मसूद अजहर की तरह बन कट्टरवाद को पूरी दुनिया में फैलाना चाहता था। उसके निशाने पर भारत के प्रमुख राज्य, धार्मिक स्थल और धर्मगुरु निशाने पर थे। एटीएस को जब इसकी जानकारी हुई जांच शुरू की और 15 सितंबर को रिपोर्ट दर्ज कर बिलाल को गिरफ्तार कर लिया। एटीएस की अर्जी पर कोर्ट ने 4 नवंबर से 12 नवंबर तक की नौ दिन की रिमांड मंजूर की है। अलकायदा इंडियन सबकॉन्टिनेंट का सक्रिय सदस्य था। बिलाल द्वारा अपने पाकिस्तानी हैंडलर के जरिये ऑर्गेनाइजेशन से ज्वाइन करने के बाद सामने आई । यह लगातार पाकिस्तानी हैंडलर से बात करता और उनके माध्यम से एक्यूआईएस की गतिविधि अंजाम देने के लिए निर्देश मिलते थे।

एटीएस की पूछताछ व बिलाल के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से कई अहम राज सामने आये। बिलाल ने एक्यूआईएस की बयत (निष्ठा की शपथ) अपने पाकिस्तनी हैंडलर से ले रखी थी। एटीएस बिलाल व उसके साथियों से पिछले पांच दिन से पूछताछ कर रही है। कुछ अहम सुराग मिले हैं। जिसके आधार पर अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

पाकिस्तान से करता था मॉड्यूल का संचालन

तीन सितंबर 2014 को अलकायदा ने अपने इंडियन सब कांटीनेंट माड्यूल (एक्यूआइएस) का गठन किया था और भारत में इसकी गतिविधियों को बढ़ाने की जिम्मेदारी अलकायदा के चीफ रहे खूंखार आतंकी अल जवाहिरी को सौंपी गई थी। अल जवाहिरी की अफगानिस्तान में मौत हो गई थी। उसके बाद मौलाना असिफ उमर को इंडियन माड्यूल को आगे बढ़ाने का जिम्मा सौंपा गया था। मूलरूप से उत्तर प्रदेश के संभल का निवासी असिम उमर पाकिस्तान चला गया था और वहीं से इस माड्यूल का संचालन कर रहा था। पाकिस्तान में रहकर वह भारत में आतंकियों की नर्सरी तैयार करने में जुटा था।

बिजली बिल समय से चुकाएं सरकारी संस्थान : गोयल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य सरकार ने सभी राजकीय एवं अर्द्धराजकीय संस्थानों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने विद्युत बिलों का भुगतान समय पर करें, ताकि विलंब भुगतान अधिभार(अर्थदंड) से बचा जा सके। शासन ने स्पष्ट किया है कि विद्युत बिलों का भुगतान अब केंद्रीयकृत रूप से उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) द्वारा किया जाना निर्धारित है, बावजूद पंचायती राज विभाग के अधीन संस्थान, जल निगम (नगरीय एवं ग्रामीण) आदि अभी भी स्थानीय स्तर पर भुगतान कर रहे हैं।

मुख्य सचिव एसपी गोयल ने राज्य के सरकारी व अर्द्धसरकारी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव व प्रभारियों को निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि शासनादेश संख्या 1/2022/ई-099/22/2022, 05 मई 2022 के अनुसार यह व्यवस्था लागू की गई थी, ताकि सभी सरकारी उपभोक्ता समय से बिल चुका सकें। परंतु कुछ संस्थाओं द्वारा भुगतान में देरी के कारण यूपीपीसीएच को उत्पादकों को भुगतान करने में कठिनाई हो रही है, जिससे पावर कॉरपोरेशन को या तो राज्य सरकार से अतिरिक्त धनराशि मांगनी पड़ती है या फिर ऊंची ब्याज दर पर लोन लेना पड़ता है।

विज्ञान, कला व क्राफ्ट प्रदर्शनी हुई आयोजित

संवाददाता, भानपुर

अमृत विचार: विवेकानंद एकेडमी में शनिवार को विज्ञान, कला एवं क्राफ्ट एग्जीबिशन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या जयप्रीत कौर ने विद्यार्थियों को सृजनात्मकता और नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया।

इसके बाद विद्यार्थियों ने स्वागत गीत पर सुंदर नृत्य की प्रस्तुति किया, जिसने सभी अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में विद्यालय के चेयरमैन नसीब सिंह ने फीता काटकर एग्ज़ीबिशन का शुभारंभ किया। इस दौरान विद्यालय प्रबंधक अमनदीप सिंह, शिक्षक और अभिभावक मौजूद रहे। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने बनाए गए ऐतिहासिक इमारतों के मॉडल, विज्ञान प्रयोगों और आकर्षक कलाकृतियों का प्रदर्शन किया। विद्यालय प्रबंधन ने छात्रों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में सृजनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आत्मविश्वास को बढ़ावा देते हैं।

स्ट्रीट लाइटों को तत्काल लगवाएं और ठीक कराएं

मंडलायुक्त ने की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: एनएचएआई के सदस्य, प्रशासन विशाल चौहान और मंडलायुक्त भूपेंद्र एस चौधरी ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मंडल में चल रहीं राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा की। बैठक में बरेली-सितारगंज फोरलेन निर्माण कार्यों की धीमी गति पर नाराजगी जताई।

विशाल चौहान ने कहा कि कई स्थानों पर स्ट्रीट लाइटें न लगने या खराब होने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं, इसलिए स्ट्रीट लाइटों को तत्काल लगवाने और खराब लाइटों को ठीक कराने का आदेश दिया।

- चारों जिलों के डीएम को सप्ताह में एक बार प्रगति समीक्षा बैठक करने के दिए निर्देश

अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि मंडल में जिन राष्ट्रीय मार्गों पर निर्माण कार्य लंबित हैं, उन्हें बारिश शुरू होने से से पहले हर हाल में पूरा करा लिया जाए। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि निर्माण की गुणवत्ता से समझौता किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में बरेली-पीलीभीत मार्ग पर पेड़ों के न हटने से काम लटके रहने का मुद्दा प्रमुखता से उठा। इस पर सदस्य विशाल चौहान ने डीएम पीलीभीत को शीघ्र वृक्षों की कटान कर सड़क निर्माण कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए। सभी जिलाधिकारियों से कहा कि जहां सड़क निर्माण पूर्ण हो चुका है, वहां संबंधित भूमि का म्यूटेशन कार्य अविलंब कराया जाए, जिससे सड़क विधिवत हस्तांतरित होकर सुचारू रूप से उपयोग में लाई जा सके। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को सप्ताह में एक बार प्रगति समीक्षा बैठक करने के निर्देश दिए, ताकि लंबित कार्यों की स्थिति स्पष्ट बनी रहे और समय पर सुधार कराया जा सके। बैठक में डीएम बरेली अविनाश सिंह, डीएम पीलीभीत ज्ञानेन्द्र सिंह, डीएम बदायूं अवनीश राय, डीएम शाहजहांपुर धर्मेन्द्र प्रताप सिंह आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

दशहरा मेले में सीता हरण की लीला का मंचन

सिंगाही, अमृत विचार : कस्बे में चल रहे दशहरा मेले में सीता हरण लीला का मंचन हुआ। मंचन के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे और खूब तालियां बजाईं।

लीला में दिखाया गया कि पंचवटी में भगवान राम अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ कुटिया बनाकर रहते हैं। वहीं राक्षसी शूर्पणखा भगवान राम से विवाह प्रस्ताव रखती है, जिसे अस्वीकार करने पर लक्ष्मण उसकी नाक काट देते हैं। अपमानित शूर्पणखा अपने भाई रावण के पास पहुंचती है और पूरी घटना बताती है। रावण क्रोधित होकर अपने मामा मारीच के पास जाता है और उसे स्वर्ण मृग का रूप धारण करने को कहता है। मारीच हिरण का रूप धारण कर पंचवटी जाता है, जिसे देखने के बाद माता सीता उसे लाने के लिए आग्रह करती हैं। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि रविवार को हनुमानजी की लंका यात्रा और अशोक वाटिका प्रसंग का मंचन किया जाएगा।

हादसे में महिला की मौत मासूम समेत दो घायल

संवाददाता, केशवापुर

मृतका मोनी देवी।

घायल बच्चा।

अमृत विचार: हैदराबाद थाना की अजान पुलिस चौकी क्षेत्र के गांव बगहा चौराहे पर शुक्रवार शाम करीब 6 बजे एक हादसा हुआ है, जहां एक स्कूटी चालक ने दो महिलाओं व दो साल के बच्चे को टक्कर मार दी। हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि दूसरी महिला और बच्चा गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें लखनऊ रेफर किया गया।

कोतवाली मोहम्मदी क्षेत्र के गांव राजगढ़ निवासी मोनी देवी श्रीवास्तव (24) पत्नी धर्मेन्द्र कुमार अपने दो साल के पुत्र के साथ बगहा में फूफा ओमप्रकाश श्रीवास्तव के बेटे की शादी में शामिल होने आई थीं। वह शाम करीब छह बजे अपने पुत्र रिशभ (2) को लेकर अपनी बुआ अनारा (48) के साथ पैदल रोड क्रॉस कर रही थीं। तभी अजान की तरफ से आ रही तेज रफ्तार स्कूटी ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे तीनों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गये। घटना की जानकारी होने पर ग्रामीण एकत्र हो गए और पुलिस को सूचना दी, लेकिन पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। ग्रामीणों ने निजी वाहन से तीनों घायलों को गोला सीएचसी पहुंचाया, जहां मोनी देवी को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। अनारा देवी की हालत में सुधार न होने पर डाक्टर ने उन्हें और दो वर्षीय रिशभ को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया, जहां से उन्हें लखनऊ केजीएमयू भेजा गया है।

- घायल महिला और दो साल के बच्चे की हालत गंभीर

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर

पत्रांक : 4509/12ए दिनांक: 03/11/2025

ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 शाहजहाँपुर के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑनलाइन ई–निविदा दिनांक 10.11.2025 से दिनांक 25.11.2025 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 25.11.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्रम सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0)	बिड सिक्युरिटी (लाख रू0)	टेण्डर फीस व स्टेशनरी चार्ज+जी0एस0टी0	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	लिपुलेक भिण्ड मार्ग से ढकिया तिवारी उदारा होते हुए निगोही मार्ग अ0जि0मा0 पर स्थित ग्राम छतेनी के आबादी भाग में सी0सी0 एवं नाली निर्माण का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	32.00	3.20	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
2	वर्ष 2025–26 में विशेष मरम्मत के अन्तर्गत बमियाना सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सीसी मार्ग एवं नाली निर्माण का कार्य।	32.00	3.20	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
3	वर्ष 2025–26 में विशेष मरम्मत के अन्तर्गत भूरखेड़ा सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सीसी मार्ग एवं नाली निर्माण का कार्य।	33.00	3.30	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
4	वर्ष 2025–26 में विशेष मरम्मत के अन्तर्गत मझिला ढकिया रघा मार्ग से नवादा ता हरदेनी मार्ग के आबादी भाग में सीसी मार्ग एवं नाली निर्माण का कार्य।	31.00	3.10	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
5	वर्ष 2025–26 में विशेष मरम्मत के अन्तर्गत वर्ष 2024 में भारी वर्षा एवं बाढ़ के कारण कटरा खुदागंज से खिरिया के क्षतिग्रस्त भागों की मरम्मत का कार्य।	27.00	2.70	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
6	अनावा चौराहे से पसियाखेड़ा सम्पर्क मार्ग के पसियाखेड़ा आबादी भाग में सीसी एवं नाली निर्माण का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	31.00	3.10	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
7	एलबी मार्ग से अंजनिया सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सीसी एवं नाली निर्माण का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	5.00	0.50	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
8	एलबी मार्ग से अजीजपुर सम्पर्क मार्ग के ग्राम बजीरपुर सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सीसी एवं नाली निर्माण का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	20.00	2.00	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
9	कलन्दरगंज सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सीसी एवं नाली निर्माण का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	32.00	3.20	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
10	कोटावारी से खण्डसार सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सीसी एवं नाली निर्माण का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	33.00	3.30	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
11	चककन्हउ सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सीसी नाली सहित विशेष मरम्मत का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	33.00	3.30	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
12	निगोही मार्ग से भटेला (छूटा भाग) सम्पर्क मार्ग की विशेष मरम्मत का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	14.00	1.40	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
13	पचपेड़ा मार्ग से महमूदापुर सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सीसी नाली सहित विशेष मरम्मत का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	29.00	2.90	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
14	पीएसएचएल किमी–78 से महानन्दपुर सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सीसी निर्माण का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	33.00	3.30	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
15	बरौरा से अख्यारपुर सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सी०सी० एवं नाली निर्माण का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	32.00	3.20	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
16	मैनी सम्पर्क मार्ग (सिंधौली बाजार) के आबादी भाग में सीसी एवं नाली निर्माण का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	27.00	2.70	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
17	विरसिंहपुर से हजरतपुर नवियापुर सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सीसी एवं नाली निर्माण का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	18.00	1.80	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
18	बीरमपुर से कबरा हुसैनपुर सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सीसी एवं नाली निर्माण का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	33.00	3.30	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
19	एन0एच0–24 खानपुर तिराहे से गोपालपुर सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	15.00	1.50	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
20	कटिया मुण्डी से दिलावरगंज मार्ग के आबादी भाग में सीसी का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	28.00	2.80	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
21	धन्यौरा कैनाल पटरी से पिंगरा पिंगरी सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सीसी एवं नाली निर्माण का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	14.00	1.40	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
22	बख्त्यारपुर गोबरसण्डा मार्ग से परासिन सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सीसी एवं नाली निर्माण का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	27.00	2.70	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
23	कन्नापुर जेवा सम्पर्क मार्ग की आबादी भाग में सीसी नाली सहित विशेष मरम्मत का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	32.00	3.20	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
24	खाड़ेपुर मडरिया के विशेष मरम्मत का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	7.00	0.70	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
25	खुटार सेहरामऊ मैलानी मार्ग किमी–7 सरॉय सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सीसी एवं नाली निर्माण का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	21.00	2.10	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
26	जारमानों सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सीसी का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	12.00	1.20	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
27	धर्मगंद से भाभी पुल तक सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	23.00	2.30	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
28	पडरी दलेलपुर से पूर्व नकहा नाला पर लघु सेतु व अतिरिक्त पहुँच मार्ग पर विशेष मरम्मत का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	21.00	2.10	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
29	पुवायां नाहिल मार्ग से जिगनिया मुमजप्ता मार्ग के आबादी भाग में सी०सी० एवं नाली निर्माण का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	20.00	2.00	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
30	बलरामपुर से रायटांडा सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	27.00	2.70	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
31	मदनापुर सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सीसी नाली सहित विशेष मरम्मत का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	24.00	2.40	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
32	महमूदपुर सहजनिया सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सीसी नाली सहित विशेष मरम्मत का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	16.00	1.60	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
33	लक्ष्मीपुर से भीमपुर सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	14.00	1.40	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
34	सिरखिड़ी सम्पर्क मार्ग की विशेष मरम्मत का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	10.00	1.00	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
35	सिल्हुआ गांव के तिराहे से पिपरिया भागवन्त सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सीसी एवं नाली निर्माण सहित विशेष मरम्मत का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	19.00	1.90	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
36	एल0बी0 मार्ग से बलेली सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सीसी नाली सहित विशेष मरम्मत का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	15.00	1.50	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
37	कैन्ट वासक मार्ग के आबादी भाग में सीसी का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	28.00	2.80	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
38	पीएस0एच0एल0 मार्ग से ग्राम आदमपुर सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सीसी एवं नाली सहित मरम्मत का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	20.00	2.00	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
39	रेलवे क्रासिंग से महोलिया खाड़े सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सीसी एवं नाली का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	22.00	2.20	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(महेन्द्र कुमार पाल)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
शाहजहांपुर

UP-240100 दिनांक 07.11.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अनुष्का और आयुष बने संयुक्त विजेता

मैगलगंज, अमृत विचार : कस्बे में स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में शनिवार को बाल सभा के तहत बाल गीत प्रतियोगिता हुई। कार्यक्रम का संचालन छात्र सांसद प्रमुख आचार्य आशीष कुमार के मार्गदर्शन में हुआ, जिसमें कुल 18 प्रतिभागियों ने भाग लिया। निर्णायक मंडल के मूल्यांकन में बहन अनुष्का तिवारी (कक्षा 7) और भैया आयुष गुप्ता (कक्षा 7) ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। द्वितीय स्थान पर आदेश कुमार (कक्षा 8) और इशिका (कक्षा 8) रहे, जबकि तृतीय स्थान अजरा परवीन (कक्षा 8) और पूजा मिश्रा (कक्षा 7) ने प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में उदय शुक्ला, आशुतोष मिश्रा, संजीव कुमार गुप्ता और अनंत देव शुक्ला शामिल रहे, जिन्होंने सभी प्रस्तुतियों की सराहना की।

THARU SHILP PRODUCER COMPANY LIMITED

Ref. No. TSPCL/1/8/11/25 Date.: 8/11/2025

ई–निविदा सूचना

कार्यालय विकास आयुक्त हस्तशिल्प मंत्रालाय भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा संचालित नेशनल हैन्डीक्राफ्ट डेवलपमेन्ट (NHDP) के अन्तर्गत थारू इम्ब्राडरी क्राफ्ट में 100 नग टूल किट की आपूर्ति हेतु जी.एस.टी. में पंजीकृत इकाईयां से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 10.11.2025 से 10.12.2025 तक कार्यालय थारू शिल्प प्रॉडूसर कम्पनी लिमिटेड ग्राम पोस्ट पलिया परसिया खीरी लखीमपुर उत्तर प्रदेश 26 (रजि.) लखीमपुर में वांछित प्रमाणपत्रों व सीलबन्द के साथ 10.12.2025 सायं 05 बजे तक जमा किया जा सकता है। निविदा चयन समिति के सम्मुख 11.12.2025 को खोली जायेगी। विस्तृत जानकारी एवं निविदा प्रपत्र के लिए कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

DIRECTOR
THARU SHILP PRODUCER COMPANY LIMITED

पांच घंटे समझाने के बाद माने परिजन

संवाददाता, धौरहरा

अमृत विचार : लखीमपुर शहर में चाकू से हुई युवक की हत्या के बाद शुक्रवार रात धौरहरा इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। मृतक रंजीत कुमार के परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार करने से इंकार कर दिया और सरकार से 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग की। पुलिस अधिकारियों के पांच घंटे के समझाने के बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए।

धौरहरा कोतवाली क्षेत्र के किशोरपुरवा मजरा जंगलवाली निवासी रंजीत कुमार की गुरुवार की रात सदर क्षेत्र के हाथीपुर उत्तरी मोहल्ले में चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। शुक्रवार रात जब रंजीत का शव पोस्टमार्टम के बाद गांव पहुंचा, तो परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो उठे। इस दौरान भीम आर्मी के जिला महासचिव दीपक जाटव और आजाद समाज पार्टी के जिला प्रभारी सिद्धार्थ भारती अपने कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने मांग की कि पीड़ित परिवार को सरकार की ओर से 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए और डीएम खीरी की ओर से तत्काल पांच लाख रुपये की मदद मिले। जब तक यह नहीं होता, तब तक शव का अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा। करीब पांच घंटे तक चले विवाद के बाद प्रभारी निरीक्षक शिवाजी दुबे ने परिजनों व राजनीतिक प्रतिनिधियों को समझाया कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि आर्थिक सहायता के लिए प्रतिनिधि जिलाधिकारी से मिलें। इसके बाद परिजन राजी हो गए और पुलिस की मौजूदगी में शव को दफनाया गया।

मृतक की मां और भीम आर्मी को समझाती पुलिस।

- भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी ने की 50 लाख मुआवजे की मांग

मृतक के सीने पर लिखा था लड़की का नाम पुलिस करेगी जांच

धौरहरा। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक रंजीत कुमार के सीने पर एक लड़की का नाम लिखा मिला है। इस पर ग्रामीणों ने पुलिस का ध्यान आकृष्ट किया। प्रभारी निरीक्षक शिवाजी दुबे ने बताया कि इस पहलू पर भी जांच की जाएगी और संबंधित वीडियो फुटेज जांच टीम को सौंपे जाएंगे।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : /141सी0(ई0टेण्डर)–3/25 दिनांक: .11.2025

ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन–लाइन ई–निविदा दिनांक 10.11.2025 से दिनांक 25.11.2025 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 25.11.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	सिविल कार्य की लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी (मार्ग कार्य हेतु)
1	2	3	4	7	8	9	10
1	जनपद शाहजहाँपुर में भाम्भी सम्पर्क मार्ग पर 2 गुणा 3 मीटर स्पान के बाक्स सेल का निर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0 शाहजहाँपुर	56.00	4.80	2725.00	04 माह	'ए' 'बी' 'सी' (सेतु कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP – 240101 दिनांक: 07/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(महेन्द्र कुमार पाल)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
शाहजहाँपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0,
बरेली

माता उन्मुखीकरण कार्यक्रम में नियमित उपस्थिति जरूरी

ममरी, अमृत विचार: विकास क्षेत्र बांकेगंज के संविलियन विद्यालय महाराजनगर में माता उनमुखीकरण कार्यक्रम में शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, शिक्षा की गुणवत्ता एवं विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों पर बच्चों की माताओं से चर्चा की गई।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं कार्यक्रम संचालक मुकेश वर्मा ने माताओं को बच्चों की शिक्षा में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु प्रेरित कर कहा कि माता-पिता का सहयोग ही बच्चों की सफलता की कुंजी है। उन माताओं को विशेष रूप से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया जिनके बच्चे नियमित रूप से विद्यालय आते हैं और अध्ययन में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। कार्यक्रम में शिक्षक कलीमुद्दीन, मुकेश वर्मा, पूनम देवी, प्रियंका वर्मा, निकुंज वर्मा, अभिभावक तथा ग्रामवासी मौजूद रहे।

पौराणिक शिव मंदिर का मुख्य प्रवेश द्वार बंद

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: छोटी काशी शिव मंदिर कॉरिडोर सौंदर्यीकरण के कराए जा रहे निर्माण कार्यों का विधायक ने निरीक्षण कर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। स्टेशन रोड पर बन रहे मुख्य प्रवेश द्वार के निर्माण कार्य के चलते पौराणिक शिव मंदिर जाने वाले मुख्य प्रवेश द्वार पर टीन लगाकर अस्थायी रूप से रास्ता बंद किया गया है।

शिव मंदिर कॉरिडोर में हो रहे निर्माण कार्यों का विधायक अमन गिरि ने अवलोकन कर कार्य की रफ्तार और गुणवत्ता देखी। उन्होंने पौराणिक शिव मंदिर के पीछे कराई जा रहे निर्माण कार्य, गोकर्ण तीर्थ के दक्षिण बन रही तीन मंजिला यात्री विश्राम शेड, स्टेशन रोड पर बन रहे मुख्य प्रवेश द्वार, रिटेनिंग वॉल सहित तीर्थ परिसर में कराए जा रहे विभिन्न कार्यों का गहनता से निरीक्षण कर कार्यदाई संस्था यूपीपीसीएल के जेई नितिन सिंह को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा कि निर्माण कार्य में मानक विहीन सामग्री का प्रयोग कतई न हो। उन्होंने कहा कि यह परियोजना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल है। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस परियोजना में मंदिर के दक्षिण द्वार के सामने आठ मीटर चौड़ी वीआईपी सड़क बनना है, जिसके लिए मिल डायवर्जन रोड पर तीर्थ की ओर लोग स्वयं ही अतिक्रमण हटाने में लगे हैं। विधायक के परिवार के कुछ मकान का हिस्सा भी आ रहा है, जिसको परिवार के सदस्यों द्वारा पहले ही तुड़वाया जा चुका है।

पौराणिक शिव मंदिर के दक्षिण द्वार के ठीक सामने बना विधायक के पारिवारीजनों का मकान भी जद में आने पर उन्होंने स्वयं ही तुड़वाना शुरू करा दिया है। जेई ने बताया कि पौराणिक शिव मंदिर जाने वाले प्रमुख मार्ग पर स्टेशन रोड पर बन रहे मुख्य प्रवेश द्वार के निर्माण कार्य के चलते श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो इसके लिए कार्य में तेजी लाने के लिए, कोई व्यवधान न हो इस मार्ग को टीन लगाकर फिलहाल अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। विधायक के निरीक्षण के समय ब्लॉक प्रमुख विमल वर्मा, अवधेश मिश्रा, आनंद किशोर उर्फ भोली गिरि, सचिन सिंह आदि मौजूद रहे।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–शाहजहाँपुर।
कार्यालय का पता– द्वितीय तल, विकास भवन, शाहजहाँपुर

पत्रांक :– 1100/ग्र0अ0वि0/निविदा/2025–26 दिनांक 31.10.25

निविदा सूचना
ई–प्रोक्योरमेन्ट नोटिस (द्वितीय/तृतीय आमंत्रण)

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–शाहजहाँपुर के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए0,बी0,सी0 एवं डी0 श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिये निविदा दे सकता है :–

01– कार्य से सम्बन्धित विवरण निम्नवत् है :–

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख मे)	धरोहर धनराशि (विड सिक्योरिटी) (रूपये मे)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जी0एस0टी0 मूल्य सहित रूपये मे)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	6	7
		विधायक निधि क्षेत्र शाहजहाँपुर।				
1	शाहजहाँपुर	ग्राम दौलतपुर विकास खण्ड भावलखेड़ा में एक बारात घर/उत्सव भवन निर्माण कार्य।	14.39	28800.00	854.00	04 माह
2	शाहजहाँपुर	ग्राम सुन्दरनगर विकास खण्ड भावलखेड़ा में एक बारात घर/उत्सव भवन निर्माण कार्य।	14.39	28800.00	854.00	04 माह
3	शाहजहाँपुर	मो0 हुसैनपुरा में कामिनी कटियार के मकान से राम आश्रम तक 200 मी0 सी0सी0 सड़क निर्माण।	12.14	24300.00	854.00	04 माह
4	शाहजहाँपुर	मो0 बिजलीपुरा में श्री नितिन राठौर के मकान से डा0 राजा बंगाली के मकान तक 340 मी0 सी0सी0 रोड निर्माण।	21.62	43300.00	2354.00	04 माह
5	शाहजहाँपुर	ग्राम भटेला विकास खण्ड ददरौल में 02 प्लेटफार्म वाला एक शवदाह गृह का निर्माण	13.170	26400.00	854.00	04 माह
6	शाहजहाँपुर	मो0 कैलाशनगर कालोनी में श्रीराम खन्ना के भट्टे के आगे से रामलडैते यादव के घर तक 168.00 मी0 सी0सी0/नाली निर्माण	14.95	29900.00	854.00	04 माह
7	शाहजहाँपुर	ग्राम बिलरिया वि0ख0 भावलखेडा में एक रैन बसेरा का निर्माण कार्य	14.50	29000.00	854.00	04 माह
		मा0 सदस्य विधान परिषद नोडल जनपद– शाहजहाँपुर।				
8	शाहजहाँपुर	ग्राम धन्यौरा वि0ख0 ददरौल में पंचायतघर से पप्पू वर्मा के मकान से होते हुए जदुवीर सिंह के घर तक 422.00 मी0 इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य	24.999	50000.00	2354.00	04 माह

02–बेव साइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि :– 10.11.2025 को दोपहर 12.00 बजे से।
03–विड डाक्यूमेन्ट डाउनलोडिंग प्रारम्भ करने की तिथि एवं समय 10.11.2025 को प्रातः 12.00 बजे से।
04–ई–निविदा के माध्यम से निविदा डालने की प्रारम्भ तिथि/समय 10.11.2025 को प्रातः 12.00 बजे से।
05–ई–निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिये अन्तिम तिथि/समय 25.11.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक।
06–ई0–निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 25.11.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे।
07–टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई भी शपथ पत्र मान्य नहीं होगा।
08–निविदा की ऑन लाईन वेब साइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगा एवं उसी साइट पर डाला जायेगा।
09–निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लाज के अनुसार पृविष्टि/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है, जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नही किया जायेगा। सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।अधिक जानकारी के लिये कृपया वेब साइट https://etender.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें, सभी सम्भावित निविदादाता को सलाह है कि वह बिड सब्मिट करने से पूर्व बिड डाक्यूमेन्ट को भली भांति पढ लें।

UP – 239995 दिनांक: 07/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(इं0 सतीश चन्द्र राघवेन्द्रम)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग
प्रखण्ड–शाहजहाँपुर
राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 10822/141सी0(ई0टेण्डर)–3/25 दिनांक: 30.10.2025

ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन–लाइन ई–निविदा दिनांक 10.11.2025 से दिनांक 25.11.2025 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 25.11.25 को अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	सिविल कार्य की लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी (मार्ग कार्य हेतु)
1	2	3	4	7	8	9	10
1	महमूदपुर सहजजानिया सम्पर्क मार्ग के किमी–3 से ग्राम नत्थापुर सम्पर्क मार्ग पर 3 गुणा 2 मीटर स्पान के बाक्स सेल का निर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0 शाहजहाँपुर	161.00	10.05	2725.00	12 माह	'ए' 'बी' (सेतु कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP – 240102 दिनांक: 07/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(महेन्द्र कुमार पाल)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
शाहजहाँपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0,
बरेली

20 हजार लेने का आरोप

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय के एक छात्रनेता पर पास कराने के लिए 20 हजार रुपये मांगने का आरोप लगा है। छात्रनेता ने कुछ रुपये ले भी लिए। छात्रा के चचेरे भाई ने चीफ प्रॉक्टर प्रो. रावेंद्र सिंह से शिकायत की। चीफ प्रॉक्टर ने मामले में जांच के बाद कार्रवाई की बात कही है।

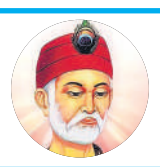

मेरा मुझ में कुछ नहीं, जो कुछ है सो तेरा।
तेरा तुझकौं सौंपता, क्या लागै है मेरा॥

कबीरदास जी कहते हैं, मेरे पास मेरा अपना कुछ भी नहीं है। मेरा यश, मेरी धन-संपत्ति सब कुछ तुम्हारा ही है। जब मेरा कुछ भी नहीं है, तो उसके प्रति मोह कैसा? इसमें मेरा कुछ भी नुकसान नहीं है, क्योंकि मैं तेरी दी हुई चीजें, तुझे ही समर्पित करता हूं।

वंदे मातरम् : राष्ट्रीय पुनर्जागरण का बीज मंत्र

शब्दों के घटक अक्षर और अक्षर की घटक ध्वनि। ध्वनियों के कुशल संयोजक राग गढ़ते हैं। कोई शब्द अपनी अक्षर शक्ति से मंत्र बन जाते हैं। ऐसा अक्सर नहीं होता। ऐसा तभी होता है, जब दिक्काल शुभ मुहूर्त की रचना करे। ऐसी मुहूर्त में उत्पन्न होता है शक्तिशाली शब्द, जिसका पुरुश्चरण होता रहता है। वंदे मातरम् बंकिम चन्द्र के उपन्यास 'आनंद मठ' का हिस्सा है। राष्ट्रीय आंदोलन में भारत के अवनि अंबर वंदे मातरम् के घोष से आपूरित रहे हैं। वंदे मातरम् राष्ट्रीय पुनर्जागरण का बीज मंत्र है। अभी तीन दिन पहले इसकी 150 वीं जन्म जयंती मनाई गई। दुनिया के किसी भी देश में घर-घर पहुंचने वाली ऐसी काव्य रचना नहीं मिलती।

> प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा (25 अगस्त, 1948) में बताया, "संयुक्त राष्ट्र जनरल असेंबली (1947) में हमारे प्रतिनिधि से राष्ट्रगान की मांग की गई। हमारे पास राष्ट्रगान की कोई रिकार्डिंग नहीं थी, जिसे हम विदेश भेज सकते। प्रतिनिधि के पास 'जन गण मन' का रिकार्ड था। इसे बजाया गया तो अनेक देशों के प्रतिनिधियों को बहुत पसंद आया। तब से यही हमारी सेना, विदेशी दूतावासों आदि में जरूरी अवसरों पर बजाया जाता है।"

'वंदे मातरम्' मंत्र का अवतरण वैदिक ऋचाओं की ही तरह 7 नवंबर, 1875 को हुआ। अंग्रेजी राज के विरुद्ध देश की सांस्कृतिक राष्ट्र भावाभिव्यक्ति वंदे मातरम् में प्रकट हुई। वंदे मातरम् 'आनंद मठ' (1882) में छपा। कांग्रेस 1885 में बनी। एक वर्ष बाद कलकत्ता में हुए अधिवेशन (1886) में हेमेन्द्र बाबू ने वंदे मातरम् गाया। अध्यक्ष मो. रहमत उल्लाह सयानी ने कोई प्रतिवाद नहीं किया। 1896 के कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने इसे देशराग एक ताल में गाया। ब्रिटिश सत्ता वंदे मातरम् से डर गई। सरकार ने बंगाल विभाजन की घोषणा की। विरोध शुरू हो गया। बंगभंग 16 अक्टूबर, 1905 के दिन लागू होना था। बंगाल धधक उठा। भारत के अवनि-अंबर में वंदे मातरम् था। 8 नवंबर, 1905 को वंदे मातरम् प्रतिबंधित हो गया। विश्वविख्यात चिंतक विल डूरेन्ट ने बाद में कहा-"इट वाज 1905, देन दैट इंडियन रिवोल्यूशन बिगैन।" वाराणसी के कांग्रेस अधिवेशन (1905) में फिर से वंदे मातरम् गूंजा। पूर्वी बंगाल में कांग्रेस ने शोभायात्रा (1906) निकाली। सेना ने लाठीचार्ज किया। कांग्रेसी नेता अब्दुल रसूल सहित सबने वंदे मातरम् का जयकारा लगाया। कांग्रेस के राष्ट्रवादी नेता विपिन चन्द्र पाल के अखबार 'वंदे मातरम्' पर वंदे मातरम् की प्रशंसा लिखने पर मुकदमा (26.8.1907) चला। विपिन पाल ने "वंदे मातरम् के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को राष्ट्रद्रोह" बताया। उन्हें 6 माह की सजा की घोषणा हुई। अदालत के बाहर वंदे मातरम् का जयघोष हुआ। भयंकर लाठीचार्ज में दूर बैठा 15 वर्षीय शिशु सुशील कुमार भी पीटा गया। उसने प्रतिवाद किया। उसे 15 बेतों की सजा सुनाई गई। बेंत की हर मार पर उसने 'वंदे मातरम्' कहा। 1905-06 वंदे मातरम् के उत्ताप का कालखंड है। वंदे मातरम् देश के सभी क्षेत्रों में भारत भक्ति का स्वाभिमान बना।

भारत के अनेक भाषा भाषी कवियों ने 'वंदे मातरम्' अनुवाद किया। विश्वविख्यात कवि सुब्रमण्यम भारती ने तमिल में वंदे मातरम् गाया। फिर ल.न. पंतलु ने तेलगु में वंदे मातरम् की भावाभिव्यक्ति दी। भाषाएं अनेक, भारत माता और वंदे मातरम् एक का आसेतु हिमाचल प्रवाह था। 2005 में आरिफ मोहम्मद खान (सम्प्रति राज्यपाल) ने इसका एक और उर्दू अनुवाद किया है। समाज के सभी वर्गों में वंदे मातरम् की लोकप्रियता थी, लेकिन इसी मंत्र के माध्यम से सत्ता में आई कांग्रेस का इतिहास समझौतावादी ही रहा। काकीनाडा कांग्रेस अधिवेशन (1923) हुआ। पं. विष्णु दिगंबर पुलस्कर के वंदे मातरम् गायन के समय अध्यक्ष मो. अली ने प्रतिकार किया। पुलस्कार गाते रहे, वे चले गए। वंदे मातरम् समाज के प्रत्येक हिस्से में था, लेकिन कांग्रेस कार्यकारिणी (कलकत्ता 28.10.1937) ने इसमें काट छांट की और प्रथम दो चरण ही गाए जाने का प्रस्ताव किया। मो. अली जिन्ना के 11 सूत्री मांग पत्र में एक सूत्र 'वंदे मातरम्' को खारिज किए जाने का भी था।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

भारतीय स्वाधीनता (15 अगस्त, 1947) के सुप्रभात पर श्रीमती सुचेता कृपलानी ने वंदे मातरम् गाया। आकाशवाणी के निदेशक ने संगीताचार्य पं. ओंकारनाथ ठाकुर से वंदे मातरम् गायन का न्योता देते हुए कहा-"सरदार पटेल ने आपको बुलाया है।" ठाकुर ने कहा-"हम आएंगे तो 'पूरा' गाएंगे।" दिल्ली ने 'हां' किया। आकाशवाणी से वंदे मातरम् का पूरा प्रसारण हुआ, लेकिन आजादी के 1 वर्ष बाद ही राष्ट्रगान 'जन गण मन' आ गया। क्यों आ गया?

प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा (25 अगस्त, 1948) में बताया, "संयुक्त राष्ट्र जनरल असेंबली (1947) में हमारे प्रतिनिधि से राष्ट्रगान की मांग की गई। हमारे पास राष्ट्रगान की कोई रिकार्डिंग नहीं थी, जिसे हम विदेश भेज सकते। प्रतिनिधि के पास 'जन गण मन' का रिकार्ड था। इसे बजाया गया तो अनेक देशों के प्रतिनिधियों को बहुत पसंद आया। तब से यही हमारी सेना, विदेशी दूतावासों आदि में जरूरी अवसरों पर बजाया जाता है।" पंडित जी के तर्क दिलचस्प हैं। उनके तर्क और स्पष्टीकरण गले नहीं उतरते। पंडित नेहरू ने कहा, "देश के पास राष्ट्रगान की उपयुक्त रिकार्डिंग नहीं थी।" विदेशी प्रतिनिधियों को जन गण मन भा गया। पंडित जी ने आगे कहा-"मैंने प्रदेशों के राज्यपालों से इस पर राय भेजने हेतु पत्र लिखा है। मंत्रिमंडल का फैसला है कि संविधान सभा में अंतिम निर्णय होने तक 'जन गण मन' ही राष्ट्रगान के रूप में गाया जाएगा।" (वही-संविधान सभा) पंडित जी ने मुख्यमंत्रियों के बजाय राज्यपालों से ही क्यों मशविरा मांगा? क्या राज्यपाल केन्द्र के आज्ञापालक थे? मद्रास के तत्कालीन राज्यपाल आर्ची वालग्ड एडवर्ड, उड़ीसा के आसफ अली, बंबई के धर्मांतरित ईसाई महाराज सिंह, असम के सर अकबर हैदरी आदि नेहरू विचार से भिन्न राय क्यों देते? बेशक पं. बंगाल के मुख्यमंत्री ने वंदे मातरम् पर आग्रही रुख अपनाया।

पंडित जी ने जन गण मन और वंदे मातरम् विवाद को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा-"राष्ट्रगान के रूप में वंदे मातरम् और जन गण मन में एक विवाद-सा उत्पन हो गया है। वंदे मातरम् की महान ऐतिहासिक परंपरा है। कोई दूसरा गीत इसे विस्थापित नहीं कर सकता। जहां तक राष्ट्रगान की धुन का सवाल है, शब्दों के अर्थ की बनिस्पत धुन ज्यादा आवश्यक है। यह धुन ऐसी कि भारतीय संगीत और पाश्चात्य संगीत दोनों का प्रतिनिधित्व करती हो, जिससे इसके आर्केस्ट्रा और बैंड संगीत दोनों में सरलता से विदेश में उपयोग हेतु बजाया जा सके।" (संविधान सभा वही, 25.8.1948)

पंडित जी ने बैंड, आर्केस्ट्रा राग आदि का बहाना बनाया। जबकि यदुनाथ भट्ट ने वन्दे मातरम् को 'राग मल्हार' में गाया। नोपाल चन्द्रधर ने 'देश मल्हार' में और हीराबाई बड़ोदकर ने 'तिलक कामोद' में गाया। वि.दे. अभ्यंकर ने राग 'खंभावती' व कृष्ण राव ने 'राग झिझोटी' में गाया। पुलस्कर ने कई राग मिलाकर गाए, गंगूबाई हंगल व ओंकारनाथ ठाकुर ने इसी के लिए नया रागः बनाया। लता मंगेश्कर ने इसे परवान चढ़ाया। ए. आर. रहमान को संगीत प्रस्तुतिकरण को सबने सराहा पर कांग्रेस ने हमेशा 'तुष्टीकरण राग' में ही गाया। संविधान सभाध्यक्ष ने जन गण मन को राष्ट्रगान और वंदे मातरम् को राष्ट्रगीत घोषित (24 जनवरी, 1950) कर दिया। राष्ट्र ने संविधान सभा का निर्देश शिरोधार्य किया पर अलगाववादी तत्वों ने 'वंदे मातरम्' को हिकारत से ही देखा। विवादों से 'वंदे मातरम्' और राष्ट्रभाव का सम्मान बढ़ा है। कांग्रेस और अलगाववादी बेपर्दो ही गए। बंगाली वामपंथी भी अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञ नहीं रहे, पर इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मार्क्सवादी चितक डॉ. रामविलास शर्मा ने (स्वाधीनता संग्राम, पृ. 72) लिखा था-"बंगाल और भारत के नवजागरण (इतिहास) में 'वंदे मातरम्' को स्थान देना न देना इतिहास विवेचकों के हाथ में नहीं है। इतिहास निर्माताओं ने अपने कार्यों से इसे 'राष्ट्रीयता का मंत्र' बना दिया है।"

'व्यापारी ट्रंप' की नीतियों का शुरू हुआ विरोध

पिछले सप्ताह ट्रंप की अपनी ही रिपब्लिकन पार्टी के कुछ सीनेटरों सहित कई दूसरे सीनेटरों ने अनेक प्रस्ताव पारित करके उनकी टैरिफ रणनीतियों का विरोध किया है। दूसरी ओर, राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन के साथ अपनी व्यापार वार्ता को एक जीत बताया है और अपने चीनी समकक्ष शी जिनपिंग से मुलाकात को अद्भुत बताकर 10 में से 12 नंबर दिए हैं। दोनों शीर्ष नेताओं की यह मुलाकात एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के दौरान दक्षिण कोरिया में हुई थी। ट्रंप के लगातार भाषणों, बयानों पर दृष्टिपात किया जाए तो वे 'व्यापार सर्वोपरि' की नीति पर काम कर रहे हैं।

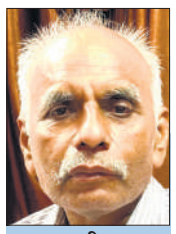

प्रकाश श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

दक्षिण कोरिया में एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान ट्रंप और शी जिनपिंग ने व्यापार समझौते पर सहमति जताई है। दुनिया की 45 फीसद अर्थव्यवस्था वाले देश के राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन पर आयात टैरिफ 57 फीसद से घटाकर 47 फीसद कर दिया है। ट्रंप ने पहले दुर्लभ मृदा तत्वों पर नियंत्रण के कारण पहली नवंबर से चीन पर 100 फीसद शुल्क लगाने की धमकी दी थी। रेयर अर्थ यानी दुर्लभ मृदा तत्वों को लेकर विवाद कम हुआ है। यह वही मुद्दा था, जिससे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापक व्यापार युद्ध छिड़ने का खतरा पैदा हो गया था। दोनों नेता व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने पर भी सहमत हो गए हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार ट्रंप ने भले ही सुर्खियां बटोर ली हों, लेकिन जिनपिंग विजेता रहे हैं। शी ने ट्रंप के अहंकार को शांत किया है और अपने हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की है। यह वही ट्रंप हैं जिन्होंने अपने 2017 के एशियाई दौरे के दौरान रूस के साथ-साथ चीन को भी रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी के रूप में पेश किया था। अपने पहले कार्यकाल में उन्होंने बीजिंग के साथ संबंधों पर चार दशकों से चली आ रही सहमति को तोड़ दिया था। टकराव की खुली नीति शुरू की थी और बीजिंग की हठधर्मिता पर लगाम लगाने के लिए क्वाड जैसे नए गठबंधनों को बढ़ावा दिया था।

> पिछले सप्ताह ट्रंप की अपनी ही रिपब्लिकन पार्टी के कुछ सीनेटरों सहित कई दूसरे सीनेटरों ने अनेक प्रस्ताव पारित करके ट्रंप की टैरिफ रणनीतियों का विरोध किया है। ट्रंप के लगातार भाषणों, बयानों पर दृष्टिपात किया जाए तो वे 'व्यापार सर्वोपरि' की नीति पर काम कर रहे हैं।

एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, अमेरिकी सांसदों के एक समूह ने ट्रंप से एक संयुक्त अपील की है, जिसमें एच-1बी वीजा आवेदनों पर नए प्रतिबंध और 1,00,000 अमेरिकी डॉलर का शुल्क लगाने वाली घोषणा को वापस लेने का आग्रह किया है। इन सांसदों ने चेतावनी दी है कि इस कदम से अमेरिका-भारत संबंधों में तनाव आ सकता है और अमेरिका का प्रौद्योगिकी नेतृत्व कमजोर हो सकता है। उन्होंने आगाह भी किया है कि इस फैसले से अमेरिकी नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र और भारत के साथ रणनीतिक संबंधों, दोनों को नुकसान होगा। दो राय नहीं कि ट्रंप की विदेश नीति के केंद्र में व्यापार है और इसका उद्देश्य उन सभी देशों और सहयोगियों के साथ आर्थिक रिश्तों को फिर से स्थापित करना है, जिनसे अमेरिकी बाजारों का हित सधता हो।

महिला पत्रकार व डिजिटल हिंसा

पत्रकारिता का मकसद होता है सच को सामने लाना और पीड़ितों की आवाज को ताकत देना, लेकिन जब वही पत्रकार खुद हिंसा और डर का शिकार बनने लगें तो इसे केवल पत्रकारिता के लिए ही नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए खतरे की घंटी माना जाना चाहिए। पूरी दुनिया में महिलाओं को डिजिटल हिंसा का शिकार बनाया जा रहा है, लेकिन अब वह महिला पत्रकार सबसे ज्यादा निशाने पर हैं, जो सामान्य महिलाओं की आवाज उठाती हैं। संयुक्त राष्ट्र की संस्था संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की हाल में आई रिपोर्ट में इस खतरे की गंभीरता को उजागर किया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में तीन-चौथाई महिला पत्रकारों को ऑनलाइन हिंसा का सामना करना पड़ा है। हर चार में से एक महिला पत्रकार को शारीरिक हमले या जान से मारने की धमकी मिली है। अब यह हिंसा केवल ट्रोलिंग या गालियों तक सीमित नहीं रही। एआई के जरिए डीपफेक, डॉक्सिंग और लैंगिक दुष्प्रचार जैसे नए हथियारों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

जाहिर है, इसका उद्देश्य महिला पत्रकारों को डराना, चुप कराना और उनकी साख को खत्म करना है। ऐसे लोग चाहते हैं कि महिला पत्रकारों को इस तरह भयभीत और हतोत्साहित कर दिया जाए, जिससे वह अपना काम ठीक से न कर पाएं। वह आम महिलाओं की आवाज को बुलंद कर पाएं। यूनेस्को ने चेताया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शुरू होने वाली यह हिंसा अब वास्तविक दुनिया में भी दिखने लगी है। हाल के एक अध्ययन में पाया गया है कि 14 प्रतिशत महिला पत्रकारों को ऑनलाइन धमकियों के परिणामस्वरूप असली जीवन में हिंसा झेलनी पड़ी है।

बड़ा सवाल है कि आखिर महिला पत्रकार ही क्यों निशाने पर हैं? दरअसल, महिला पत्रकार ही आम महिलाओं पर होने वाले अन्याय, उनके साथ हो रही घरेलू, सार्वजनिक और डिजिटल हिंसा के मामले उजागर करती हैं। पीड़ित महिलाएं भी पुरुषों के बजाय महिला पत्रकारों के समक्ष अपनी बात को खुलकर कह पाती हैं। महिला पत्रकार लैंगिक हिंसा, सत्ता के दुरुपयोग या असमानता जैसे मुद्दों पर जब स्टोरी करती हैं, तो यह न केवल पीड़ित महिलाओं की आवाज को बुलंद करती हैं, बल्कि वह उन फासीवादी ताकतों को भी ललकारती हैं, जो महिलाओं को सीमाओं में बंधे देखना चाहती हैं। इसी कारण महिला पत्रकारों को डराने और बदनाम करने की कोशिशें की जा रही हैं।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता सम्मेलन 2020 के दौरान प्रकाशित एक स्नैपशॉट रिपोर्ट में भी यह सब उजागर हुआ था। स्नैपशॉट रिपोर्ट के अनुसार एक सर्वेक्षण में उत्तर देने वाली 73 प्रतिशत महिला पत्रकारों ने अपने कार्य के दौरान ऑनलाइन हिंसा का अनुभव किया। 25 प्रतिशत को शारीरिक हिंसा की धमकियां मिलीं। 18 प्रतिशत को यौन हिंसा की धमकी दी गई, जबकि 20 प्रतिशत महिला पत्रकारों के साथ ऑनलाइन हिंसा के संबंध में ऑफलाइन हमला किया गया। इसी प्रकार यूक्रेन में किए गए सर्वे के मुताबिक 81 प्रतिशत महिला पत्रकारों ने ऑनलाइन हिंसा का सामना किया, जबकि जिम्बाब्वे में यह संख्या 63 प्रतिशत रही।

रिपोर्ट: भूख और पोषण का गणित

सभ्यता के आरंभ में जब मनुष्य ने पहला बीज मिट्टी में दबाया, तो उसने केवल अन्न नहीं बोया था, उसने भरोसा बोया था। उसने धरती से एक वादा किया था कि दोनों एक-दूसरे की भूख नहीं, जीवन पूरा करेंगे। रोटी तब जीवन का प्रतीक थी और आज भी है। बस संदर्भ बदल गया है। अब सवाल सिर्फ अन्न के उत्पादन का नहीं, बल्कि उसके न्यायपूर्ण वितरण और पोषणीय संतुलन का है।

> राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के आंकड़े भारत की पोषण-स्थिति पर एक सख्त सच्चाई उजागर करते हैं। देश में पांच वर्ष से कम आयु के 35 .5 प्रतिशत बच्चे अपेक्षाकृत लंबाई के नहीं है। 19 .3 प्रतिशत दुबले हैं और 32 .1 प्रतिशत कम वजन के हैं।

जब 1945 में संयुक्त राष्ट्र की संस्था खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) की स्थापना हुई थी। उस दौर में, विश्व युद्ध के बाद, जब भुखमरी, खाद्य संकट और कृषि अव्यवस्था ने मानवता की जड़ों को हिला दिया था, तब इस संगठन का लक्ष्य तय किया गया, 'दुनिया के हर व्यक्ति को पर्याप्त, सुरक्षित और पोषक भोजन उपलब्ध कराना' तथा कृषि को टिकाऊ और वैज्ञानिक दिशा देना। भारत ने 1945 में ही, स्वतंत्रता प्राप्त करने से पहले, खाद्य एवं कृषि संगठन की सदस्यता ग्रहण की थी। यह उस युग का भारत था, जो भले ही राजनीतिक रूप से स्वतंत्र न हुआ हो, लेकिन उसने भूख और पोषण के प्रश्न को अपनी सभ्यता की जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार किया था। आज वही भारत खाद्य एवं कृषि संगठन के सबसे सक्रिय सदस्य देशों में है और 'श्रीअन्न' (मिलेट्स) को वैश्विक पहचान दिलाने में उसकी भूमिका निर्णायक रही है।

जय प्रकाश पांडेय
लेखक

खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने हाल ही में अपनी वार्षिक रिपोर्ट 'विश्व खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति-2025' का विमोचन नई दिल्ली में किया। यह केवल एक वैश्विक दस्तावेज नहीं, बल्कि उस दिशा में उठाया गया विचारात्मक कदम है, जहां भोजन को केवल अस्तित्व की आवश्यकता नहीं, बल्कि मानव गरिमा का अधिकार माना गया है। रिपोर्ट के विमोचन अवसर पर एफएओ के प्रतिनिधियों ने यह स्पष्ट रूप से कहा कि दक्षिण एशिया में भूख और कुपोषण में आई गिरावट का सबसे बड़ा श्रेय भारत की नीतिगत और सामाजिक प्रगति को जाता है।

भारत अब उस स्थिति में है, जहां उसका हर कदम न केवल अपने नागरिकों के जीवन को प्रभावित करता है, बल्कि पूरे क्षेत्र की खाद्य और पोषण नीतियों की दिशा तय करता है। एफएओ की रिपोर्ट 'विश्व खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति-2025' यह दर्शाती है कि भारत ने भूख घटाने के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। रिपोर्ट के अनुसार, 2021–23 की अवधि में भारत में कुपोषण की दर घटकर 13.7 प्रतिशत रह गई है, जबकि 2014–16 में यह 16.6 प्रतिशत थी। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि भारत की नीतिगत तत्परता जैसे प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम पोषण अभियान, मिड-डे मील योजना और आईसीडीएस आज खाद्य सुरक्षा को व्यवहारिक धरातल पर लाने का उदाहरण हैं। इन पहलों ने न केवल करोड़ों लोगों तक भोजन की पहुंच सुनिश्चित की है, बल्कि भूख संकेतकों में सुधार लाकर दक्षिण एशिया को वैश्विक औसत से ऊपर खड़ा किया है।

रिपोर्ट यह चेतावनी भी देती है कि भारत की खाद्य यात्रा अभी अधूरी है। शहरी गरीबी, आदिवासी क्षेत्रों की पोषण-वंचना और जलवायु-प्रभावित इलाकों में खाद्य असुरक्षा जैसी चुनौतियां आज भी मौजूद हैं। इनके पीछे केवल संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि पोषण-संवेदनशील नीतियों की स्थायित्व की परीक्षा भी निहित है। यदि इन्हीं आंकड़ों को गहराई से देखा जाए, तो इनके भीतर एक असमान और चिंताजनक परत भी स्पष्ट होती है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की 55.6 प्रतिशत आबादी आज भी स्वस्थ आहार वहन करने में असमर्थ है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के आंकड़े भारत की पोषण-स्थिति पर एक सख्त सच्चाई उजागर करते हैं। देश में पांच वर्ष से कम आयु के 35.5 प्रतिशत बच्चे अपेक्षाकृत लंबाई के नहीं हैं। 19.3 प्रतिशत दुबले हैं और 32.1 प्रतिशत कम वजन के हैं।

यद्यपि ये आंकड़े पिछले सर्वेक्षण की तुलना में मामूली सुधार दर्शाते हैं, फिर भी यह स्पष्ट करते हैं कि भारत में कुपोषण का बोझ अब भी गहराई से मौजूद है। बाल-पोषण सुधार की दिशा में सरकार ने कई कार्यक्रम संचालित किए हैं, लेकिन इन योजनाओं का असर समान रूप से हर वर्ग तक नहीं पहुंच पाया है। सामाजिक-आर्थिक असमानता, मातृ-शिक्षा में अंतर, आय स्तर की विषमता और शहरी-ग्रामीण खाई, ये सभी कारक इस सफलता को सीमित कर देते हैं।

माता-पिता और गुरु के साथ ही मित्र भी होते हैं देवता

जीवन में यदि कोई अचानक संकट आ जाए और उसका समाधान नहीं समझ में आ रहा। हताशा, कुंठा और मन में व्यग्रता है, उस बीच कोई मित्र आकर इतना भर कह दे, 'घबराओ नहीं, मैं हूं न?' तो जैसे मरते हुए व्यक्ति को किसी ने अमृत पिलाकर स्वस्थ कर दिया हो, ठीक वही स्थिति संकटग्रस्त व्यक्ति की भी होती है।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

मित्रता का काफी प्रभाव जीवन में पड़ता है, इसलिए मित्रता करें, तो इस कदर करें कि संकट आने पर मित्र डट कर खड़ा हो जाए। सनातन संस्कृति में माता, पिता, गुरु के साथ मित्र को भी देवता की संज्ञा दी गई है। मित्र से कभी छल-कपट न करने का भी मनीषियों ने जिक्र किया है।

मित्रता की व्याख्या करते हुए गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस में उद्धृत किया है कि मित्रता दूध और पानी की तरह होनी चाहिए। आग पर दूध चढ़ाया जाता है, तो एक समय स्थिति ऐसी आ जाती है कि दूध गर्म होकर उबलने लगता है और आग में जाकर जलने लगता है, लेकिन उसी समय पानी की कुछ बूंदें दूध में डाल दी जाती हैं, तो मित्र को पाकर फिर दूध का उबाल कम हो जाता है और जो दूध आग में खुदकुशी करने जा रहा था, वह फिर शांत हो जाता है। मित्र पानी को पाकर दूध का वजन भी बढ़ जाता है।

इस तरह सुग्रीव और वानरी सेना से मित्रता के बल पर मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने महाबली रावण का संहार किया। श्री हनुमान जी भी जब पहली बार लंका में गए तो विभीषण से उनकी मित्रता हुई। ऐसी स्थिति में जिस लंका में राक्षसों का प्रभाव था, उस लंका को जलाने में विभीषण की मित्रता ही काम आई।

मित्रता का बेहतरीन उदाहरण महाभारत युद्ध के दौरान भी मिलता है। अर्जुन को श्रीकृष्ण ने मित्र की तरह विषादग्रस्त स्थिति से बाहर किया और युद्ध के लिए तैयार किया, वरना अर्जुन ने स्वजनों के मोह में युद्ध के मैदान से पीछे हटने का मन बना लिया था। महाभारत में ही कर्ण की दुर्योधन से मित्रता का प्रसंग आता है। यह जानते हुए कि दुर्योधन की पराजय निश्चित है, फिर भी कर्ण ने दुर्योधन का साथ नहीं छोड़ा। अतः हर इंसान को चाहिए कि वह मित्र के साथ वफादारी करे।

इतिहास है दिल्ली की बदतर आबो-हवा का

दिल्ली और आसपास के 200 मील के रेडियस में धरती से एक किलोमीटर की ऊंचाई तक हवा में प्रदूषण की कहानी सन् 1911 से ही शुरू हो गई थी, जब अंग्रेजों ने इसे देश की राजधानी घोषित किया था। नवनिर्माण के लिए पत्थर और ईंटों की जरूरत थी। पत्थर को धौलपुर, भरतपुर और जोधपुर से लाया गया, जबकि ईंटो का निर्माण दिल्ली के आसपास उत्तर प्रदेश और हरयाणा, खासतौर से बादली गुलिया चौबीसा के गांवों में बड़े पैमाने पर होने लगा। सन् 1933 तक तो हवा इतनी जहरीली नहीं थी, जितनी कि यह अब है, लेकिन सन् 1955 के बाद से हवा में सस्पेंडेड पार्टिकुलेट मैटर की मात्रा धीरे-धीरे बढ़ने लगी।

सरकारी नौकरों के लिए रामकृष्ण पुरम, लक्ष्मीबाई नगर, सरोजिनी नगर और बाद में कुछ और कॉलोनियां बनीं। डीडीए ने दिल्ली देहात की जमीनें जिस दाम में खरीदीं, वह कुछ रुपये गज के हिसाब से था। किसी किसान को एक एकड़ के लिए 1000-1500 रुपये से अधिक न मिला था। एक तरह से गांवों को बर्बाद करने का यह दीर्घकालीन प्रोग्राम साबित हुआ। इनकी जीवनशैली तबाह हो गई। मुगल शासन काल में गांव उजाड़ने जैसा कोई काम नहीं किया गया था। शुरुआती दौर में अंग्रेजों ने भी ऐसा काम कम ही किया।

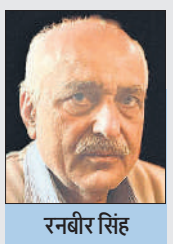

रनबीर सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

गांव और शहरों का आर्गेनिक ग्रोथ अपनी गति और जरूरत से होता गया, लेकिन आजादी के बाद जब पंजाब से विस्थापित होकर अनेक लोग दिल्ली और अन्य शहरों में आ गए, तो बहुत बड़ी संख्या में कॉलोनीज बसने लगीं और गांवों की जमीन पर दबाव पढ़ा। इस प्रक्रिया में करीब 100 से अधिक गांव तबाह हुए। बड़े पैमाने पर होने वाली निर्माण गतिविधि ने निश्चय ही हवा में धूल कणों की मात्रा बढ़ा दी, परंतु इससे इतना नुक्सान नहीं हुआ, जितना कि पश्चिमी दिशा में हजारों की संख्या में लगाए गए उन ईंट भट्ठों की चिमनी से निकले हुए धुएं ने किया, जिसमें कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड्स मिले होते हैं। यह मात्रा सन् 2000 तक बढ़ती रही और इसके बाद इसका स्तर ऊपर-नीचे होता रहा।

एयर क्वालिटी मॉनीटरिंग का काम भारत मौसम विभाग का है। इसके पास सब तरह का डाटा है। सन् 1969-1975 के बीच समस्या की गंभीरता महसूस होने लगी थी। दिल्ली में वाहन ट्रैफिक में बेशुमार बढ़ोतरी हुई और सन् 1975 के बाद अब तक प्रदूषण कारकों की मात्रा शायद 500 गुना बढ़ चुकी थी। जब भी पछवा हवा नहीं चलती या विंड स्पीड 15 किलोमीटर प्रतिघंटा से कम हो जाती है, दिल्ली में हवा जहरीली हो जाती है। वर्षा के कुछ दिनों को छोड़कर करीब 150 दिन दिल्ली में हवा जहरीली बनी रहती है।

प्रदूषण के मामले में पॉलिटिक्स को अगर हम छोड़ कर साइंस के अनुसार बात करें, तो दिल्ली में क्वालिटी ऑफ लाइफ बेहद खराब है। हैवीली वुडेड एरियाज अथवा पेड़ों की अधिक संख्या वाले कुछेक इलाकों जैसे कि रिज, नयी दिल्ली का क्षेत्र, लोदी गार्डन क्षेत्र और साउथ दिल्ली की कुछ पॉकेट्स के अलावा बाकी दिल्ली नरक समान है। दिल्ली भारत की साइंटिफिक मैनेज मैनेजमेंट कैपिटल भी है। भारत में वैज्ञानिक लोग हवा और पानी में प्रदूषण की मात्रा तो बता सकते हैं, लेकिन वे प्रदूषण फैलाने वाले मानव के सामाजिक व्यवहार और तकनीकी और बैंकिंग नीतियों में सुधार नहीं कर सकते, जिनकी वजह से क्रमशः कूड़े के निपटान, ट्रेवल मोड, वाहनों के लिए सस्ता कर्ज आदि उन कारकों को बढ़ाते हैं, जिनसे प्रदूषण बढ़ता है। राज्य स्तर पर या नगर निगमों के स्तर पर जो लोग काम करते हैं, उनका प्रदूषण संबंधी साइंस और इसे दूर करने के साइंटिफिक मेथड्स से कोई लेना-देना नहीं होता। नगर स्वच्छता के लिए नियुक्त अफसर-कर्मचारी इस मामले में बिलकुल ज्ञान शून्य होते हैं। क्लाउड सीडिंग से बरसात करवाने का तजुर्बा भी कामयाब नहीं हुआ। प्रदूषण को कुदरती और व्यापक बरसात ही कम करती है। दिल्ली ही क्यों, भारत के सभी नगरों में वायु और जल स्रोत में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए हर नागरिक को व्यवहार बदलना होगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

पॉप के बादशाह की बायोपिक 'माइकल' में नजर आएंगे उनके भतीजे जाफर जैक्सन

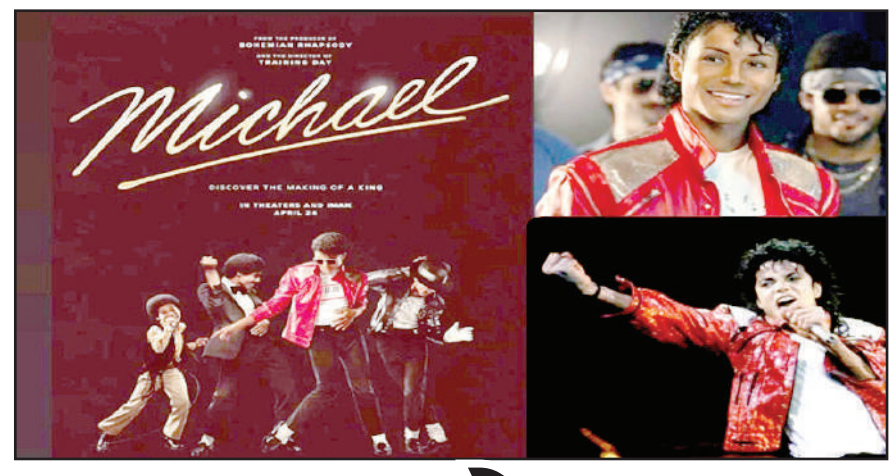

माइकल जैक्सन को दुनिया भर में 'पॉप का बादशाह' कहा जाता है। उन्होंने संगीत, नृत्य और मनोरंजन की दुनिया में ऐसा क्रांतिकारी योगदान दिया, जिसे नई परिभाषा देने का श्रेय भी उन्हीं को जाता है। उनके आइकॉनिक एल्बम- 'थ्रिलर', 'बैड' और 'डेंजरस' ने पॉप संगीत के इतिहास की दिशा बदल दी। उनकी विशिष्ट कलात्मकता, रिदमिक संगीत, नवोन्मेषी वीडियो और मूनवॉक जैसा दिग्गज डांस मूव पॉप संस्कृति को नई ऊंचाई तक ले गए। इसी महान कलाकार की जिंदगी पर आधारित बायोपिक 'माइकल' का टीजर हाल ही में जारी किया गया है। 6 नवंबर को जारी किए गए इस एक मिनट के टीजर में माइकल जैक्सन का किरदार उनके सगे भतीजे जाफर जैक्सन निभाते नजर आ रहे हैं। फिल्म में कोलमैन डोमिंगो, निया लॉन्ग और माइल्स टेलर जैसे प्रसिद्ध कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

टीजर में माइकल की दुनिया की झलक

टीजर की शुरुआत स्टूडियो में जाफर जैक्सन द्वारा निभाए गए माइकल के किरदार से होती है, जहां वे हेडफोन लगाकर रिकॉर्डिंग की तैयारी करते दिखते हैं। इसके बाद स्टूडियो से सीधे दृश्य एक भरे हुए स्टेडियम पर कट होते हैं, जहां माइकल की लोकप्रियता की भव्य झलक दिखाई देती है। एक मिनट के टीजर में माइकल की दुनिया की झलक नजर आई। टीजर में माइकल के पेट के हिस्से के क्लोज़-अप शॉट्स और एक बोर्ड पर चिपके नोट्स नज़र आते हैं, जिन पर 'Beat It' और 'Billie Jean' लिखा है। गौरतलब है कि 1983 में रिलीज हुआ 'Beat It' माइकल जैक्सन की डिस्कोग्राफी में एक ऐतिहासिक पड़ाव माना जाता है। इसने उन्हें वैश्विक सितारा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और 80 के दशक के संगीत का चेहरा बदल दिया। इसी दौरान टीजर में यह भी दिखाया गया है कि कैसे जाफर जैक्सन मंच पर माइकल जैसी जादुई नृत्य ऊर्जा के साथ परफॉर्म करते हैं और उनकी आवाज भी एक पल को दर्शकों को भ्रमित कर देती है कि यह माइकल ही हैं। जाफर की अदाकारी देखकर फैंस हैरान हैं और लगातार इसकी तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया- "इस ट्रेलर को ऑस्कर मिलना चाहिए।" दूसरे ने लिखा- "जाफर को माइकल का किरदार निभाते देख बेहद खुशी हो रही है। इस फिल्म से बहुत उम्मीदें हैं।" तीसरे ने कहा- "उनकी आवाज बिल्कुल अपने चाचा जैसी है।"

अगले साल अप्रैल में रिलीज होगी फिल्म

यह फिल्म दुनिया के सबसे लोकप्रिय और रहस्यमय कलाकारों में से एक की जिंदगी के उन पहलुओं को सामने लाने का वादा करती है, जिन्हें कम लोगों ने जाना है। यह बताएगी कि माइकल जैक्सन कैसे एक अद्वितीय परफॉर्मर बने और उनकी प्रसिद्धि के पीछे कितनी मेहनत और संघर्ष छिपा था। फिल्म 24 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ईरान की निडर आवाज़ एक्ट्रेस तारानेह अलीदूस्ती

तारानेह अलीदूस्ती, एक ऐसा नाम है, जो ईरानी सिनेमा के साथ-साथ वहां के सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य में भी एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। 12 जनवरी 1984 को तेहरान में जन्मी तारानेह एक अभिनेत्री और सामाजिक कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने अपनी कला और साहस दोनों से दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

अभिनय की शुरुआत और ऑस्कर तक का सफर

अलीदूस्ती ने बहुत कम उम्र में ही अभिनय की दुनिया में कदम रख दिया था। 17 साल की उम्र में उनकी पहली फिल्म 'आई एम तारानेह, 15' (2002) रिलीज हुई, जिसमें उनके अभिनय को खूब सराहा गया और उन्होंने कई पुरस्कार जीते। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी सबसे बड़ी अंतर्राष्ट्रीय सफलता 2016 में आई फिल्म 'द सेल्समैन' थी, जिसे असगर फरहादी ने निर्देशित किया था। इस फिल्म ने 89 वें अकादमी पुरस्कारों (ऑस्कर) में सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा की फिल्म का पुरस्कार जीता। इस फिल्म के माध्यम से उन्हें वैश्विक पहचान मिली। हालांकि उन्होंने तत्कालीन अमेरिकी यात्रा प्रतिबंधों के विरोध में ऑस्कर समारोह का बहिष्कार किया था, जो उनके राजनीतिक रुख का पहला बड़ा संकेत था।

सामाजिक सक्रियता और जेल यात्रा

तारानेह अलीदूस्ती की प्रसिद्धि सिर्फ उनके अभिनय तक ही सीमित नहीं है। वह ईरान में महिलाओं के अधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की एक मुखर समर्थक रही हैं। 2022 में महसा अमीनी की मौत के बाद ईरान में हुए राष्ट्रव्यापी प्रदर्शनों के दौरान, वह प्रदर्शनकारियों के समर्थन में खुलकर सामने आईं। दिसंबर 2022 में, उन्होंने सोशल मीडिया पर हिजाब के बिना अपनी एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने प्रदर्शनकारियों के समर्थन में एक बैनर पकड़ा हुआ था। इस साहसिक कदम के बाद ईरानी अधिकारियों ने उन्हें 'झूठ फैलाने' और 'देश विरोधी प्रचार' के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। 18 दिनों तक जेल में रहने के बाद, उन्हें जनवरी 2023 में जमानत पर रिहा कर दिया गया। उनकी गिरफ्तारी ने दुनियाभर में मानवाधिकार संगठनों का ध्यान खींचा और उनकी रिहाई के लिए व्यापक अभियान चलाए गए।

एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व

तारानेह अलीदूस्ती आज सिर्फ एक ऑस्कर विजेता अभिनेत्री नहीं हैं, बल्कि वह ईरान में बदलाव की एक प्रतीक बन गई हैं। उन्होंने साबित कर दिया है कि कला और सामाजिक जिम्मेदारी एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। उनका जीवन और संघर्ष उन सभी लोगों के लिए एक प्रेरणा है, जो दमनकारी व्यवस्था के खिलाफ खड़े होने का साहस करते हैं।

मॉडल आफ द वीक

नाम: चिंकी सिंह

टाउन: कानपुर

एजूकेशन: स्नातक की पढ़ाई जारी

अचीवमेंट: शान-ए-कानपुर का खिताब

ड्रीम: प्रोफेशनल मॉडलिंग, एक्टर

जिंदगी का सफर

क्लासिक वहीदा

वहीदा रहमान भारतीय सिनेमा की महत्वपूर्ण अभिनेत्री हैं, जिन्हें उनकी सुंदरता, गरिमा और अभिनय क्षमता के लिए जाना जाता है। वहीदा रहमान का जन्म 3 फरवरी 1938 को तमिलनाडु के चेंगलपट्टू में एक तमिल मुस्लिम परिवार में हुआ था। वह बचपन से ही एक प्रशिक्षित भरतनाट्यम नर्तकी थीं। अपने परिवार की आर्थिक मदद के लिए, उन्होंने डॉक्टर बनने का अपना सपना छोड़ और फिल्मों में प्रवेश किया। उन्होंने सबसे पहले तेलुगु और तमिल फिल्मों में काम करना शुरू किया।

उनकी प्रतिभा को हिंदी सिनेमा में फिल्म निर्माता गुरु दत्त ने पहचाना, जिन्होंने उन्हें अपनी फिल्म 'सी.आई.डी.' (1956) से हिंदी फिल्मों में लॉन्च किया। गुरु दत्त के साथ उनकी साझेदारी ने भारतीय सिनेमा को कई क्लासिक फिल्में दीं, जिनमें 'प्यासा' (1957), 'कागज के फूल' (1959) और 'साहिब बीबी और गुलाम' (1962) शामिल हैं।

1960 के दशक के मध्य में वहीदा रहमान ने शीर्ष अभिनेत्री के रूप में अपनी जगह बनाई। उनकी सबसे यादगार भूमिकाओं में से एक 'गाइड' (1965) में 'रोजी' की थी, जिसने उन्हें व्यापक पहचान और पहला फिल्मफेयर पुरस्कार दिलाया। इसके बाद, उन्होंने 'तीसरी कसम' (1966), 'नील कमल' (1968) और 'खामोशी' (1969) जैसी कई सफल फिल्में दीं।

1974 में अभिनेता शशि रेखी (कमलजीत) से शादी करने के बाद, उन्होंने अभिनय से ब्रेक ले लिया और बंगलुरु चली गईं। 2000 में अपने पति की मृत्यु के बाद, वह मुंबई लौट आईं और सहायक भूमिकाओं में वापसी की। उन्होंने 'वाटर' (2005), 'रंग दे बसंती' (2006) और 'दिल्ली 6' (2009) जैसी फिल्मों में काम किया। भारतीय सिनेमा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें कई पुरस्कारों से नवाजा गया है। उन्हें 1972 में पद्मश्री और 2011 में पद्मभूषण से सम्मानित किया गया। 2023 में, उन्हें भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान दादा साहब फाल्के पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। वहीदा रहमान आज भी भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक अनमोल विरासत बनी हुई हैं।

मछुआरों के लिए केंद्र ने जारी किए नए नियम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश के विशेष आर्थिक क्षेत्र में गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के लिए नए नियम अधिसूचित किए हैं। इनका मुख्य उद्देश्य मछुआरों, सहकारी समितियों और छोटे मछुआरों को सशक्त बनाना है और विदेशी जहाजों को भारतीय जल में मछली पकड़ने से रोकना है। ये नियम चार नवंबर को अधिसूचित किए गए। ये नियम बजट 2025-26 की घोषणा के अनुरूप हैं और इनसे भारत के समुद्री मत्स्य पालन क्षेत्र में नए अवसर खुलने की उम्मीद है।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 9 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

जेएसडब्ल्यू सीमेंट का लाभ 75.36 करोड़ रहा

नई दिल्ली। विविध क्षेत्रों में कार्यरत जेएसडब्ल्यू समूह की इकाई जेएसडब्ल्यू सीमेंट लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 75.36 करोड़ का शुद्ध लाभ कमाया। 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 1,436.43 करोड़ रुपये रही, जो गत वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,223.71 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी का कुल व्यय 1,348.72 करोड़ रुपये रहा। जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने अलग दी सूचना में बताया कि निदेशक मंडल ने बैठक में कैप्टिव संयंत्र से सौर ऊर्जा की खरीद के लिए जेएसडब्ल्यू ग्रीन एनर्जी फिफ्टीन लिमिटेड के साथ बिजली खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर करने को मंजूरी दे दी।

पैनासोनिक इंडिया के चेयरमैन का इस्तीफा

नई दिल्ली। पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस इंडिया के चेयरमैन मनीष शर्मा ने एक दशक से अधिक समय तक उपकरण और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद विनिर्माता कंपनी का नेतृत्व करने के बाद कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। शर्मा को 2012 में पैनासोनिक इंडिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) और सीईओ के रूप में पदोन्नत किया गया था और वह तब से कंपनी का नेतृत्व कर रहे हैं। वह इस साल के अंत तक अपने पद पर बने रहेंगे। शर्मा ने कहा, यह एक निजी और सोच-समझकर किया गया फैसला है, और मैं देश के विनिर्माण क्षेत्र को आगे बढ़ाने में योगदान देता रहूंगा।

थिंक ने फिजिक्सवाला में निवेश किए 136 करोड़

नई दिल्ली। वैश्विक निवेश फर्म थिंक इन्वेस्टमेंट्स ने शिक्षा प्रौद्योगिकी स्टार्टअप फिजिक्सवाला में 136 करोड़ से थोड़ा अधिक का निवेश किया है। यह निवेश ऐसे समय में हुआ है, जब कंपनी अगले सप्ताह अपने आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की तैयारी कर रही है। इस निवेश के तहत थिंक इन्वेस्टमेंट्स ने शिक्षा प्रौद्योगिकी फर्म के 14 कर्मचारियों से फिजिक्सवाला में 1.07 करोड़ इक्विटी शेयर खरीदे, जो 0.37% हिस्सेदारी के बराबर है। ये शेयर 127 रुपये प्रति शेयर की दर से खरीदे गए, जो निर्गम मूल्य से 17% अधिक है।

डिजिटल सेवाओं को बेहतर बना रहा डिजीलॉकर

पहचान पत्र, प्रमाण-पत्र और जरूरी सूचनाओं को डिजिटल रूप में सुरक्षित रखने में सक्षम

नई दिल्ली, एजेंसी

पहचान पत्र, प्रमाण-पत्र और जरूरी सूचनाओं को डिजिटल रूप में सुरक्षित रखने की डिजलॉकर सुविधा पर हुए सम्मेलन में कागजरहित कामकाज, समावेशी शिक्षा और सुरक्षित डिजिटल सेवाओं को सुविधाजनक बनाने में इस की परिवर्तनकारी भूमिका को रेखांकित किया गया। सम्मेलन में कहा गया है कि डिजीलॉकर ने डिजिटल व्यवस्था के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ाने में बड़ा योगदान किया है और यह देश में डिजिटल ट्रस्ट क्रांति में महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

'डिजीलॉकर-सभी के लिए पेपरलेस एक्सेस को सक्षम बनाना' विषय पर भारत मंडपम में आयोजित सम्मेलन में डिजीलॉकर को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय योगदान करने वाले राज्यों को सम्मानित भी किया गया। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की शनिवार को जारी एक

- कागजरहित काम, समावेशी शिक्षा और डिजिटल सेवाओं को बना रहा सुविधाजनक

विज्ञप्ति के अनुसार मंत्रालय के नेशनल ई-गवर्नेंस डिवीजन (नेजीडी) द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य इस बात पर चर्चा करना और यह दर्शाना था कि डिजीलॉकर कैसे एक साधारण सुरक्षित दस्तावेज़ भंडारण सुविधा से सरकार, शिक्षा और उद्योग क्षेत्रों में विश्वास, सुविधा और दक्षता की आधारशिला के रूप में विकसित हो रहा है।

डिजिटल इंडिया के मुख्य स्तंभ के रूप में हो रहा विकसित

नेजीडी के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी नंद कुमारम ने डिजीलॉकर के सुरक्षित डॉक्यूमेंट स्टोरेज प्लेटफॉर्म से डिजिटल इंडिया के मुख्य स्तंभ के रूप में विकसित होने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डिजीलॉकर नागरिकों को पहचान पत्र (आईडी), वित्तीय क्षमता के परिचय और प्रमाण-पत्रों को सुरक्षित रूप से हासिल करने, पुष्टि करने और शेयर करने में सक्षम बनाता है। सम्मेलन में वित्त विभाग में प्रधान सचिव (ए एंड टी) डॉ. ऋचा बागला ने महाराष्ट्र में पेंशन और ट्रेजरी सिस्टम के साथ डिजिलॉकर के इंटीग्रेशन पर प्रस्तुति दी। असम के प्रधान सचिव (आईटी) केएस गोपीनाथ ने राज्य में सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से 500 से ज़्यादा सेवाओं में डिजिलॉकर के समन्वय पर प्रस्तुति दी। सम्मेलन में डिजिलॉकर अपनाने में राज्यों की खास उपलब्धियों के लिए उन्हें 'डिजिलॉकर एक्सेलरेटर' के तौर सम्मानित किया गया। असम को बेहतर सुरक्षा और पारदर्शिता के लिए अलग-अलग सेवाओं में डिजिलॉकर के बड़े पैमाने पर इम्प्लीमेंटेशन के लिए 'इंटीग्रेशन एक्सीलेंस' सम्मान प्रदान किया गया। हिमाचल प्रदेश और मध्य प्रदेश दोनों को अपने राज्यों में सबसे बड़े डिजिटल पहचान से जुड़ी नागरिक पहलों को बनाने में डिजिलॉकर का इस्तेमाल करने के लिए पीपल फर्स्ट इंटीग्रेशन सम्मान मिला। मेघालय को डिजिलॉकर और एंटिटीलॉकर दोनों प्लेटफॉर्म को इंटीग्रेट करने के लिए डुअल प्लेटफॉर्म अचीवर सम्मान, केरल को डिजिलॉकर के ज़रिए पेपरलेस गवर्नेंस शुरू करने में नवाचार के लिए तथा महाराष्ट्र को तेज़ी से डिजिलॉकर अपनाने के लिए फास्ट ट्रैक इंटीग्रेशन सम्मान मिला। मिजोरम को सबसे ज़्यादा रिक्वेस्ट मॉडल इंटीग्रेशन हासिल करने के लिए सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय डिजीलॉकर सम्मेलन की अध्यक्षता करते मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन ने कहा कि डिजीलॉकर नागरिकों, मंत्रालयों और विभागों को जोड़ने वाली ट्रस्ट लेयर (विश्वास की परत) के रूप में काम करता है - जो सुरक्षित, इंटरऑपरेबल और जवाबदेह डिजिटल गवर्नेंस को सक्षम बनाता है। डिजिटल कनेक्टिविटी (सम्पर्क सुविधा) से क्षमता बढ़ी है, सर्विस डिलीवरी से आत्मनिर्भरता आ रही और अब डिजिटलीकरण से भरोसा बढ़ रहा है। डिजिटल सम्पर्क सुविधा व्यवस्था चलाने की नई अवसंरचना है। हमारा विजन ऐसा भविष्य है जहां हर डिजिटल संपर्क भरोसेमंद हो, हर नागरिक सशक्त हो, और हर संस्थान जवाबदेह हो। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अपर सचिव अभिषेक सिंह ने टेक्नोलॉजी-आधारित गवर्नेंस में भारत की यात्रा को डिजिटल ट्रस्ट क्रांति बताया। उन्होंने गवर्नेंस सिस्टम में विश्वास बनाने में डिजीलॉकर की भूमिका पर बल दिया।

विदेश की कंपनियां भारत में तलाशेंगी संभावनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

- सिंगापुर-कनाडा की स्टार्टअप कंपनियां विस्तार को उत्सुक

सिंगापुर और कनाडा की कई अंतर्राष्ट्रीय स्टार्टअप कंपनियों ने भारत में अपने कारोबार का विस्तार करने में रुचि दिखाई है। स्टार्टअप कंपनियों ने हांगकांग साइंस एंड टेक्नोलॉजी पार्क्स कॉरपोरेशन (एचकेएसटीपी) द्वारा आयोजित वैश्विक पिच प्रतियोगिता ईपीआईसी 2025 के दौरान भारत में अपने कदम बढ़ाने की इच्छा जताई।

पिच एक ऐसी प्रतियोगिता है जहां उद्यमी अपने व्यावसायिक विचारों को निर्णायकों और निवेशकों के सामने प्रस्तुत करते हैं। प्रतियोगिता के दौरान 70 से अधिक देशों से आए 1,200 स्टार्टअप में से 100 को तीन श्रेणियों डिजिटल स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी, वित्त प्रौद्योगिकी और हरित प्रौद्योगिकी में चुना गया। इनमें भारत के दो स्टार्टअप भी शामिल हैं। यह वार्षिक कार्यक्रम संस्थापकों को वैश्विक निवेशकों, कॉरपोरेट सहयोगियों और उभरते बाजारों से जोड़ने का अवसर देता है।

एचकेएसटीपी के चेयरमैन सनी चाई ने कहा, हम हांगकांग की कनेक्टिविटी को गति दे रहे हैं, जिससे विचारों को सीमाओं के पार ले जाने और विस्तार करने में मदद मिल रही है। सिंगापुर की कंपनी एनईयू बैटरी मैटेरियल्स के संस्थापक और सीईओ ब्रायन ओह ने कहा, हमारी प्राथमिकता सिंगापुर से परे अपने व्यवसाय को बढ़ाना है, क्योंकि बैटरी पुनर्चक्रण केवल सिंगापुर या हांगकांग की समस्या नहीं है, यह एक वैश्विक समस्या है।

नालको ने दर्ज की 35 प्रतिशत की वृद्धि

भुवनेश्वर, एजेंसी

- दूसरी तिमाही में नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम की कंपनी का लाभ बढ़कर 1,433 करोड़ रुपये पहुंचा
- खान मंत्रालय के नियंत्रण वाली कंपनी ने बैठक में तिमाही वित्तीय रिपोर्ट को दी मंजूरी

केंद्र सरकार के नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, नेशनल एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (नालको) ने चालू वित्त वर्ष में सितंबर में समाप्त तिमाही में उल्लेखनीय 35 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,433 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया। पिछले वित्त वर्ष की तिमाही में शुद्ध लाभ 1,062 करोड़ रुपये था। खान मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करने वाली इस कंपनी के निदेशक मंडल ने शुक्रवार को भुवनेश्वर में बैठक में तिमाही वित्तीय रिपोर्ट को मंजूरी दी।

इसके अनुसार आलोच्य तिमाही में नाल्को की कुल परिचालन 4,292 करोड़ रुपये रही, वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही की तुलना में 7.2% वृद्धि दर्शाती है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) के दौरान, नालको ने 50.15% की वृद्धि दर्ज करते हुए 2,497 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 1,663 करोड़ रुपये था। उत्पादन के मोर्चे पर, कंपनी ने वर्ष की पहली छमाही के दौरान एल्युमिना हाइड्रेट, कैल्साइन्ड एल्युमिना और एल्युमिनियम कास्ट मेटल उत्पादन में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हासिल किया। एल्युमिना हाइड्रेट उत्पादन रिकॉर्ड 11,53,000 टन तक पहुंच गया, जबकि एल्युमिनियम कास्ट मेटल उत्पादन 2,34,148 टन रहा। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में

कंपनी ने 6,99,913 टन एल्युमिना की बिक्री की जो वर्ष 2013-14 की इसी तिमाही के 6,56,480 टन बिक्री के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। कंपनी ने इसी अवधि के दौरान 2,25,675 टन धातु की अपनी सर्वोच्च घरेलू बिक्री भी हासिल की। नालको के बोर्ड ने 2025-26 के लिए 80% की दर से 4 रुपये प्रति इक्विटी शेयर (अंकित मूल्य 5 रुपये) का अंतरिम लाभांश घोषित किया1 इस तरह कंपनी का यह अंतरिम लाभांश कुल 734.65 करोड़ रुपये होगा।

कॉर्पोरेट अर्निंग्स में सुधार के मिले सकारात्मक संकेत

- गिरावट पर खरीदारी बनी रहेगी बेहतरीन रणनीति
- चुनिंदा सेक्टरों को दूसरी तिमाही के नतीजों से मिला समर्थन

मुंबई, एजेंसी

नए घरेलू ट्रिगर्स के अभाव और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली के बीच भारतीय शेयर बाजार ने गुरुवार को नकारात्मक रुझान के साथ कारोबार किया। हालांकि, चुनिंदा सेक्टरों को दूसरी तिमाही के उत्साहजनक नतीजों से समर्थन मिला, जिससे कॉर्पोरेट अर्निंग्स में सुधार के संकेत मिले हैं। विशेषज्ञ गिरावट पर खरीदारी को बाजार की आगे की दिशा तय करने वाली सबसे मजबूत रणनीति बता रहे हैं।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के रिसर्च हेड विनोद नायर ने बाजार कहा, पीएसयू बैंक शेयरों ने मजबूत कारोबारी प्रदर्शन, बेहतर एसेट क्वालिटी, एफडीआई लिमिट में बढ़ोतरी की संभावनाओं और सेक्टर कंसोलिडेशन को लेकर अटकलों के कारण जोर पकड़ा। वहीं, कमजोर वैश्विक संकेतों और फेड की ब्याज दर कटौती की घटती उम्मीदों से आईटी व मेटल शेयरों पर दबाव रहा। ग्लोबल स्तर पर ट्रेड व टैरिफ अनिश्चितताओं के बीच निवेशक सतर्क बने हुए हैं। घरेलू मोर्चे पर पीएमआई आंकड़े मिले-जुले रहे, लेकिन जीएसटी संग्रह में मजबूती बनी रही, जो आर्थिक विकास में तेजी और कंपनियों की कमाई में सुधार के अच्छे संकेत दे रही है।

मजबूत अमेरिकी डॉलर और भू-राजनीतिक तनाव में कमी से सोने की कीमतें हालिया उच्च स्तर से लुढ़क गईं।

स्मॉलकैप में 46% तक की भारी गिरावट, ब्रॉडर इंडेक्स लुढ़के

पिछले हफ्ते (7 नवंबर) उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में ब्रॉडर इंडेक्स 0.6-1.5% गिरे, जिससे मिडकैप व स्मॉलकैप की दो सप्ताह की बढ़त थम गई। एफआईआई ने 1,632.66 करोड़ की इक्विटी बेची, जबकि डीआईआई ने 16,677.94 करोड़ की खरीदारी की। बीएसई सेंसेक्स 722.43 अंक या 0.86% गिरकर 83,216.28 पर और निफ्टी 50 229.8 अंक या 0.89% लुढ़ककर 25,492.30 पर बंद हुआ। अधिकांश सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में रहे: निफ्टी मीडिया 3.2%, डिफेंस 2%, मेटल 1.7% और आईटी 1.6% नीचे। हालांकि, निफ्टी पीएसयू बैंक में 2% की बढ़त दर्ज हुई। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.5% की गिरावट आई। वर्थ इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग, फिशर मेडिकल वेंचर्स, स्टैलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर, ब्लिस जीवीएस फार्मा, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक, वीएल ई-गवर्नेंस एंड आईटी सॉल्यूशंस, रिलायंस पावर व पंजाब केमिकल्स एंड क्रॉप प्रोटेक्शन के शेयर 15-46% तक ढह गए।

राष्ट्रीय

ये नेताओं का नहीं, जनता का चुनाव

मोदी बोले- लोगों को डर है कि राजद के नेता सत्ता में आ गए तो सिर पर कट्टा रख देंगे

बेतियामें जनसभा में पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते भाजपा नेता व कार्यकर्ता।

बेतिया/सीतामढ़ी, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को दावा किया कि बिहार में लोग राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नीत विपक्ष को वोट नहीं दे रहे हैं क्योंकि उन्हें डर है कि वे सत्ता में आए तो लोगों के सिर पर कट्टा रख देंगे और उन्हें हाथ ऊपर करने का आदेश देगी। प्रधानमंत्री ने राज्य के सीतामढ़ी जिले की चुनावी रैली में कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बेहतर शिक्षा और खेल जैसे क्षेत्रों में विकास के अलावा स्टार्ट-अप उद्यमों को भी बढ़ावा दे रहा है।

बिहार संग्राम

उन्होंने कहा कि राज्य की जनता स्पष्ट रूप से कह रही है- नहीं चाहिए कट्टा सरकार, फिर एक बार राजग सरकार। मैंने प्रचार अभियान भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर की धरती से शुरू किया था और अब उसका समापन चंपारण की ऐतिहासिक भूमि पर कर रहा हूं। हालांकि प्रचार कल तक जारी रहेगा, लेकिन यह मेरी अंतिम जनसभा है। यह चुनाव नेताओं का नहीं, बल्कि बिहार की जनता का चुनाव है। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि राजग हर बूथ पर विजयी हो। एक भी बूथ पर हमें हार का सामना नहीं करना चाहिए। मोदी ने पहले चरण में रिकॉर्ड मतदान पर प्रसन्नता जताई। आप लोगों ने मतदान का नया इतिहास रचा है। बिहार ने साबित किया कि लोकतंत्र की असली ताकत जनता के हाथ में है। चंपारण की धरती को नमन करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, यह वही भूमि है, जिसने गांधी को 'महात्मा' का दर्जा दिया था। इसी धरती पर आज बिहार विकास के नए अध्याय की शुरुआत कर रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार जल्द खाद्य प्रसंस्करण का 'पावरहाउस' और वस्त्र उद्योग (टेक्सटाइल हब) का केंद्र बनेगा। बिहार विकसित भारत का प्रतीक राज्य बनने जा रहा है। राज्य में पूर्ववर्ती राजद के शासनकाल को याद करते हुए मोदी ने कहा कि बेतिया ने 'जंगलराज' के सबसे बुरे दौर को देखा है। कट्टा और रंगदारी की राजनीति ने बिहार को बर्बाद कर दिया था। हमें उस दौर से बिहार को बचाना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैंने हाल में एक वीडियो देखा।

चिंता है, तो राहुल ने अल्पसंख्यक को विपक्ष का नेता क्यों नहीं बनाया

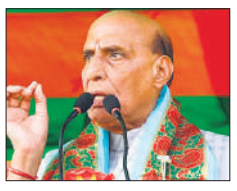

सासाराम/भभुआ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि यदि कांग्रेस नेता राहुल गांधी वास्तव में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) या अल्पसंख्यक समुदायों के हितों को लेकर चिंतित हैं, तो उन्हें लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) के रूप में इन्हीं वर्गों में से किसी को नियुक्त करना चाहिए था। रोहतास और कैमूर जिलों में जनसभाओं में सिंह ने राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोप को बेवजह और निराधार बताया। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी के पास सबूत हैं, तो उन्हें निर्वाचन आयोग में शिकायत करनी चाहिए। सिंह ने कहा, राहुल गांधी 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद विपक्ष के नेता बने थे। अगर राहुल गांधी को लगता है कि बिहार में वोट चोरी हो रही है, तो उन्हें सबूतों के साथ निर्वाचन आयोग में शिकायत करनी चाहिए। लेकिन वह ऐसा नहीं कर रहे हैं। वह केवल एक संवैधानिक संस्था पर निराधार आरोप लगा रहे हैं। वह झूठ बोल रहे हैं। सिंह ने कांग्रेस पर जाति, धर्म और संप्रदाय के नाम पर समाज में दरार पैदा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह उसकी विभाजनकारी राजनीति का हिस्सा है। राहुल गांधी रक्षा बलों में आरक्षण का मुद्दा उठा रहे हैं। हमारे सशस्त्र बल इन सभी बातों से ऊपर हैं। उन्हें राजनीति में नहीं घसीटना चाहिए। उन्होंने कहा, भाजपा आरक्षण का समर्थन करती है।

राहुल की दुकान बंद हो जाएगी, इंडिया ब्लॉक का सफाया तय: शाह

पूर्णिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसा कि उनकी दुकान बिहार में बंद हो जाएगी, क्योंकि चुनाव में इंडिया गठबंधन का सफाया होने जा रहा है और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 160 से अधिक सीट जीतकर सरकार बनाएगा। शाह ने पूर्णिया, कटिहार और सुपौल में लगातार चुनावी सभाओं में आरोप लगाया कि राहुल गांधी एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव सीमांचल क्षेत्र को घुसपैठियों का गढ़ बनाने पर आमादा हैं। केंद्र सरकार हर अवैध प्रवासी की पहचान करेगी, उनके नाम मतदाता सूची से हटाएगी और उन्हें देश से बाहर भेजेगी। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव बिहार के सीमांचल को घुसपैठियों का अड्डा बनाना चाहते हैं। हम घुसपैठिए की पहचान करेंगे, उनके नाम मतदाता सूची से हटाएंगे और उनके देश वापस भेजेंगे। गृह मंत्री ने कहा, अगर आप नहीं चाहते कि बिहार का मुख्यमंत्री घुसपैठिए तय करें, तो विपक्षी गठबंधन को हराइए जो उन्हें बचाने के लिए यात्रा निकाल रहा है।

भाजपा का लोस में 400 पार का दावा निकला था खोखला: खरगे

गया/पटना। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बिहार चुनाव में राजग की जीत संबंधी प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री के दावों को खारिज करते हुए कहा कि इन नेताओं का 400 पार वाला दावा भी लोकसभा चुनाव में गलत साबित हुआ था। खरगे ने गया में कहा, भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन में कुछ ठीक नहीं चल रहा। जदयू अध्यक्ष और सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार को फिर मुख्यमंत्री पद के लिए समर्थन मिलेगा या नहीं। खरगे ने कहा, मोदी यह बताएं कि क्या ट्रंप ने भी उनके सिर पर कट्टा रखा था? उनका यह तंज अमेरिकी राष्ट्रपति कई बार यह दावा कर चुके हैं कि भारत ने इस साल की शुरुआत में पाकिस्तान के साथ सैन्य टकराव रोकने का निर्णय उनकी मध्यस्थता से लिया था।

प्रधानमंत्री पद की गरिमा कट्टा जैसे शब्दों से गिर रही है : प्रियंका

किशनगंज। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कट्टा जैसे शब्दों का प्रयोग कर अपने पद की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं। बिहार के कटिहार में चुनावी रैली में प्रियंका गांधी ने कहा कि कांग्रेस आज वही लड़ाई लड़ रही है जो कभी महात्मा गांधी ने लड़ी थी। एक तरफ प्रधानमंत्री वंदे मातरम का गुणगान करते हैं, जो अहिंसा और एकता का प्रतीक है, और दूसरी तरफ कट्टा जैसी भाषा का इस्तेमाल करते हैं। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि यह सरकार युवाओं को रोजगार देने में विफल रही है और उसने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को दो कॉरपोरेट मित्रों को सौंप दिया है। भाजपा को लगता है कि वह महिलाओं को 10,000 रुपए देकर उनका वोट खरीद लेगी।

ईसी ने तरनतारन की एसएसपी को किया निलंबित

चंडीगढ़। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने 11 नवंबर को होने वाले तरनतारन विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव से महज तीन दिन पहले शनिवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रवजोत कौर ग्रेवाल को निलंबित कर दिया। वह सितंबर में तरनतारन के एसएसपी के रूप में तैनात हुई थीं।

पंजाब उपचुनाव

अमृतसर के पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर को तत्काल प्रभाव से तरनतारन के एसएसपी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। ग्रेवाल के निलंबन का कोई कारण नहीं बताया गया है। गत माह, विपक्षी शिरोमणि अकाली दल (शिअद) अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पास एसएसपी ग्रेवाल के खिलाफ शिकायत दी थी। बादल ने एसएसपी ग्रेवाल पर आरोप लगाया था कि उन्होंने तरनतारन उपचुनाव के लिए प्रचार करने से रोकने के लिए उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ झूठी प्राथमिकी दर्ज कराया। उन्होंने निर्वाचन आयोग के इस कदम की सराहना की।

ईडी ने पीएफआई के खिलाफ धनशोधन मामले में 67 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कहा कि उसने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के खिलाफ धन शोधन जांच के तहत 67 करोड़ की संपत्ति कुर्क करने के लिए एक नया आदेश जारी किया है। संघीय जांच एजेंसी ने कहा कि ये संपत्तियां पीएफआई के लाभकारी स्वामित्व और नियंत्रण में थीं और इसके राजनीतिक मोर्चे - सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के अलावा, विभिन्न ट्रस्टों के नाम पर थीं।

केंद्र ने सितंबर 2022 में ईडी, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) और विभिन्न राज्य पुलिस बलों द्वारा समन्वित छापेमारी के बाद पीएफआई पर प्रतिबंध लगाया था और इसे गैरकानूनी संगठन बताया, जो आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त था। एसडीपीआई की स्थापना 2009 में हुई थी। यह निर्वाचन आयोग (ईसी) के साथ एक राजनीतिक दल के रूप में भी पंजीकृत है। ईडी ने कहा कि 67.03 करोड़ की संपत्ति कुर्क करने के लिए 6 नवंबर को अनंतिम आदेश जारी हुआ था। कुर्की के नए मामले के साथ जब्त हुई कुल संपत्ति अब 129 करोड़ है। ये संपत्तियां विभिन्न संस्थाओं के नाम पर पंजीकृत हैं, जैसे ग्रीन वैली फाउंडेशन, अलप्पुझा सोशल कल्चरल एंड एजुकेशन ट्रस्ट, पथनमथिट्टा में पंडालम एजुकेशनल एंड कल्चरल ट्रस्ट, वायनाड में इस्लामिक सेंटर ट्रस्ट, मलप्पुरम में हरिथम फाउंडेशन (पूवनचिना), अलुवा में पेरियार वैली चैरिटेबल ट्रस्ट, पलक्कड़ में वल्लुवुनाड ट्रस्ट और तिरुवनंतपुरम में एसडीपीआई के कुछ भूखंड। ईडी ने कहा कि पीएफआई ने वल्लुवनड हाउस पट्टाम्बि और मालाबार हाउस (हरिथम फाउंडेशन) सहित कई ऐसी संपत्तियों पर प्रशिक्षण के लिए शेड बनाए गए।

- प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन के खिलाफ संघीय जांच एजेंसी ने जारी किया एक नया आदेश

पीएफआई सिखा रहा था युद्धाभ्यास

संघीय एजेंसी ने कहा, पीएफआई हथियारों से आक्रामक और रक्षात्मक युद्धाभ्यास सिखाने के लिए नकली मालिकों के नाम पर पंजीकृत संपत्तियों का प्रयोग कर रहा था। इनका उद्देश्य जिहादी एजेंडे को पूरा करने के लिए कैडर और सदस्यों को तैयार करना और गैरकानूनी गतिविधियों के लिए करना था। ईडी के अनुसार, पीएफआई के विचारक स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया' (सिमी) के पूर्व सदस्य थे, जो जमात-ए-इस्लामी की छात्र शाखा थी। पीएफआई की उत्पत्ति का इतिहास बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद जमात-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध से जुड़ा है। उस समय, यूएपीए के तहत जमात-ए-इस्लामी की संपत्तियों को कुर्क और सील कर दिया गया था। ईडी ने पीएफआई द्वारा अपराध से अर्जित आय की मात्रा 131 करोड़ रुपये आंकी है।

साइबर अपराधियों ने सेवानिवृत्त इंजीनियर से 71 लाख ठगे

नोएडा (उप्र)। नोएडा में साइबर अपराधियों ने शेयर बाजार में निवेश के जरिए मुनाफा का झांसा देकर सेवानिवृत्त इंजीनियर से 71 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस ने बताया कि साइबर अपराध थाने ने एक महिला ठग के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

अपर पुलिस उपायुक्त (साइबर अपराध) शैव्या गोयल ने बताया कि सेक्टर-78 के 80 वर्षीय राकेश जैन ने शिकायत दी कि एक अक्तूबर को सोशल मीडिया पर पूजा नामक महिला ने उनसे संपर्क किया और दोनों व्हाट्सएप से जुड़े। पूजा ने राकेश को शेयर बाजार में निवेश कर मुनाफा कमाने की सलाह देते हुए व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ा। ठगों ने जैन को फायर्स एसएनआई नामक एप डाउनलोड कराया। जैन को शुरुआती में निवेश करने पर मुनाफा हुआ। जैन ने 71 लाख रुपये दे दिए। ठगों ने जैन से कहा कि करों और ऋण का ब्याज देने के बाद ही रकम निकल सकेंगे। रुपये वापसी पर ठगों ने जैन को ग्रुप से बाहर कर दिया। पूजा का नंबर भी बंद आने लगा।

अफ्रीका से भारत आएंगे 8 चीते, टीम ने किया चीता पर्यावास का दौरा

भोपाल, एजेंसी

चीता पुनर्वास कार्यक्रम के तहत भारत में स्थानांतरित करने से पहले दक्षिणी अफ्रीका के बोत्सवाना में आठ चीतों को पकड़ा गया है। एक वरिष्ठ वन अधिकारी ने यह जानकारी दी।

चीतों को लाने का यह कार्यक्रम 2022 में शुरू हुआ था जब दशकों पहले यह जानवर भारत से विलुप्त हो गया था। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि दो नर चीतों समेत इन चीतों को भारत भेजने से पहले एक महीने के लिए बाड़े में रखा जाएगा और उनका मेडिकल परीक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा, अंतर-महाद्वीपीय स्थानांतरण में कई औपचारिकताएं शामिल होती हैं। इन बातों तथा आने वाली क्रिसमस की छुट्टियों को देखते हुए, मैं यह नहीं कह सकता कि चीतों को मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में कुनो नेशनल पार्क में कब भेजा जाएगा, जनवरी में। संपर्क करने पर, चीता परियोजना के क्षेत्र निदेशक उत्तम शर्मा ने कहा कि इस विषय को दोनों सरकारें देख रही हैं और वह इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि हमारे पास पहले से ही चीतों के तीसरी खेप के लिए बाड़े और सुविधाएं तैयार हैं, ये तब तैयार हुए थे जब जानवरों को नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाया गया था।

वर्ल्ड ब्रीफ

चीनी एयरलाइन दिल्ली से शंघाई के लिए उड़ान शुरू करेगी

बीजिंग। चीनी एयरलाइन 'चाइना ईस्टर्न' रविवार से दिल्ली-शंघाई उड़ान शुरू करेगी। इससे कुछ दिन पहले, 'इंडिगो' ने कोलकाता से ग्वांगझू के लिए उड़ान शुरू की थी। दोनों देशों के बीच लगभग पांच साल के अंतराल के बाद उड़ान सेवाएं फिर से शुरू हो रही हैं। 'चाइना ईस्टर्न' की उड़ान दिल्ली से रात आठ बजे रवाना होगी और सोमवार तड़के शंघाई पहुंचेगी। यह शंघाई से अपराह्न 12:30 बजे रवाना होगी और शाम छह बजे तक दिल्ली पहुंचेगी। यह एक दिन के अंतराल पर संचालित होगी। शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने कहा कि उड़ानें फिर से शुरू होने से बेहतर कनेक्टिविटी का एक नया युग शुरू होगा। और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारत और शंघाई के नेतृत्व वाले पूर्वी चीन क्षेत्र के व्यापारिक केंद्र के बीच लोगों के बीच मज़बूत संबंधों को बढ़ावा मिलेगा।

रूसी संपत्तियों के उपयोग के लिए राजी नहीं हुआ बेल्जियम

मॉस्को। यूरोपीय संघ आयोग जब्त की गई रूस सम्पत्तियों का उपयोग करने के लिए बेल्जियम को राजी करने में विफल रहा है। बेल्जियम की समाचार एजेंसी बेल्गा की रिपोर्ट के अनुसार बेल्जियम यूरोक्लियर डिपॉजिटरी में जमा रूसी संप्रभु संपत्तियों का उपयोग यूक्रेन को अल्प और मध्यम अवधि के लिए वित्तपोषित करने के यूरोपीय संघ आयोग के निर्णय का विरोध कर रहा है। एजेंसी ने कहा है कि यूरोपीय संघ आयोग के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को बेल्जियम के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की थी, लेकिन जमा रूसी संपत्तियों के उपयोग के संबंध में बेल्जियम की कानूनी और वित्तीय चिंताओं को दूर करने में विफल रहे। मौजूदा समय में क्षतिपूर्ति ऋण के रूप में लगभग 140 बिलियन यूरो रूस से विचाराधीन है, जिसे यूक्रेन को संघर्ष की समाप्ति के बाद रूस से भौतिक क्षति के लिए मुआवजे लेकर चुकाया जाएगा।

रनवे लाइटें बंद होने के कारण काठमांडू हवाई अड्डा पर उड़ानें बाधित

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार शाम रनवे की लाइटें बंद होने के कारण लगभग दो घंटे तक उड़ानों का संचालन बंद रहा। नेपाली मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार हवाई अड्डे के प्रवक्ता रिंजी शेरपा बताया कि रनवे की लाइटें शाम लगभग 5:30 बजे बंद हो गयीं। उन्होंने कहा, "रनवे के दोनों ओर की लाइटें बंद हो गयीं। कुछ ही आंशिक रूप से काम कर रही हैं, लेकिन अधिकांश बंद हो गयीं।" उन्होंने बताया कि खराबी का सही कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। समस्या को ठीक करने के लिए हवाई अड्डे की इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग टीम को तैनात किया गया है।

भारत ब्राजील के नेतृत्व वाले वन कोष में बतौर पर्यवेक्षक शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

- **विकसित देशों से की अपनी वित्तीय प्रतिबद्धताएं पूरी करने की अपील**

भारत उष्णकटिबंधीय वनों के लिए ब्राजील के नए वैश्विक कोष में पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हो गया है और उसने विकसित देशों से कार्बन उत्सर्जन की कटौती में तेजी लाने एवं जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अपनी वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने का आह्वान किया है।

ब्राजील के बेलेम में आयोजित कॉप- 30 (कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज) के नेताओं के शिखर सम्मेलन में ब्राजील में भारतीय राजदूत दिनेश भाटिया ने शुक्रवार को भारत का वक्तव्य पेश करते हुए बहुपक्षवाद और पेरिस समझौते के प्रति देश की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। भाटिया ने कहा, भारत उष्णकटिबंधीय वनों के संरक्षण के लिए सतत वैश्विक कार्रवाई की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करने वाली 'ट्रॉपिकल फोरेस्ट्स फोरएवर फैसिलिटी' (टीएफएफएफ) की स्थापना में ब्राजील की पहल का स्वागत और समर्थन करता है।

टीएफएफएफ की बृहस्पतिवार को शुरुआत की गई। यह ब्राजील के नेतृत्व वाला एक वैश्विक कोष है जो उष्णकटिबंधीय देशों को वनों के संरक्षण और विस्तार के लिए पुरस्कृत करता है। इसका उद्देश्य सार्वजनिक और निजी निवेश के माध्यम से लगभग 125 अरब अमेरिकी डॉलर जुटाना है।

विकसित देशों की बेपरवाही से बढ़ी

जलवायु परिवर्तन के खतरों को काफी पहले महसूस किया जा चुका है लेकिन अफसोस की बात है कि पूरी मानवता दांव पर होने के बावजूद अब तक इसे रोकने की दिशा में काफी कम काम हुआ है। वर्ष 2016 में इतना जरूर हुआ कि पेरिस समझौते के तहत जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए एक खाका तैयार किया गया लेकिन इस समझौते पर भी पूरी तरह अमल नहीं हो पाया। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने इस समझौते से अमेरिका के अलग होने की घोषणा कर कई नई आशंकाएं पैदा कर दी हैं। अमेरिका के साथ दूसरे विकसित देशों ने भी अपनी भूमिका के साथ न्याय नहीं किया है। अगले कुछ दिन बाद ब्राजील में होने जा रहे कॉप- 30 शिखर सम्मेलन में नए सिरे से जलवायु परिवर्तन के खतरों और उससे निपटने की रणनीति पर विचार किए जाने की उम्मीद है।

जलवायु परिवर्तन की चुनौती

जलवायु परिवर्तन के प्रमुख कारण

- जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को बढ़ाता है, जिससे वैश्विक तापमान में वृद्धि होती है।
- वनों की कटाई कार्बन डाइऑक्साइड जैसी ग्रीनहाउस गैसों को अवशोषित करने की ग्रह की क्षमता को कम करती है।
- जीवाश्म ईंधन के निष्कर्षण और उपयोग से भी ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन होता है। इससे वैश्विक तापमान बढ़ता है।

पेरिस समझौता

जलवायु परिवर्तन पर कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय संधि जिसका उद्देश्य वैश्विक तापमान वृद्धि को पूर्वऔद्योगिक स्तरों से 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे सीमित करना है, और 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के प्रयास करना है। यह समझौता 12 दिसंबर, 2015 को फ्रांस के पेरिस में किया गया और 4 नवंबर 2016 को लागू हुआ था। यह सभी देशों को उत्सर्जन कम करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के अनुकूल होने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध करता है।

विकसित देशों की भूमिका

- विकसित देश जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन उनकी प्रगति धीमी और असमान है।
- कुछ ही विकसित देश हैं जो निम्न-कार्बन विकास पथ पर आगे बढ़ रहे हैं, जबकि अन्य देश बेपरवाह दिख रहे हैं। इससे चुनौती गंभीर होती जा रही है।
- जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए प्रस्तावित परियोजनाओं की लागत बढ़ रही है, इससे प्रगति धीमी हो गई है। कई देश दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं।
- विकसित देशों ने ही औद्योगिकीकरण की प्रक्रिया में ऐतिहासिक रूप से ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन किया है, इसलिए उन पर दोहरी जिम्मेदारी है।

संभावित दुष्परिणाम

- गर्मी की लहरों, बाढ़, सूखे और तूफानों जैसी चरम मौसम की घटनाओं की आवृति और तीव्रता में वृद्धि होने की आशंका है।
- पारिस्थितिक तंत्र को भारी नुकसान हो सकता है, जैव विविधता में कमी आएगी और कई प्रजातियां विलुप्त हो सकती हैं।
- बाढ़ और समुद्र स्तर में वृद्धि की आशंका, समुद्र के स्तर में वृद्धि से तटीय क्षेत्रों में रहने वाली आबादी पर खतरा बढ़ेगा।
- सूखा-बाढ़ जैसी चरम मौसम की घटनाएं कृषि को नुकसान पहुंचाकर खाद्य असुरक्षा और जल संकट पैदा कर सकती हैं।

इन देशों में स्पष्ट प्रभाव

ब्राजील समेत कुछ देशों में जलवायु परिवर्तन के स्पष्ट प्रभाव दिखने लगे हैं। यहां सूखे और बाढ़ जैसी चरम मौसम की घटनाओं में वृद्धि हुई है। अमेजन वर्षावन के लिए खतरा बढ़ा है, इससे पूरे महाद्वीप को प्रभावित करने वाले सूखे की आशंका जताई जा रही है। कई और देशों में लू, बाढ़ और जंगल की आग जैसी घटनाएं बढ़ी हैं। कॉप- 30 शिखर सम्मेलन में देशों के बीच इन मुद्दों पर विचार किया जाना है।

शटडाउन: अमेरिका में हवाई यातायात चौपट, एक हजार से ज्यादा उड़ानें रद्द

संकट लंबा खिंचा तो और खराब होंगे हालात, रद्द हो सकती हैं 20% तक उड़ानें

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी इतिहास में संघीय सरकार के सबसे लंबे 'शटडाउन' के दौरान हवाई यातायात नियंत्रक कर्मियों और हवाई यातायात में कमी के कारण रोज हजारों उड़ानें रद्द की जा रही हैं। शुक्रवार को 1,000 से अधिक अमेरिकी उड़ानों को रद्द किया गया था। यह संख्या लगातार और बढ़ती जा रही है। हजारों उड़ानों में देरी भी हो रही है।

अमेरिकी उड़ान ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटअवेयर ने कहा कि शुक्रवार शाम पांच बजे तक 4,309 उड़ानें लेट थीं और 1,002 को रद्द किया गया। यह घटनाक्रम अमेरिकी परिवहन विभाग और संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) द्वारा बुधवार को उस घोषणा के बाद हुआ है जिसमें कहा गया था कि संघीय सरकार शुक्रवार से 40 स्थानों पर हवाई यातायात में कमी लाएगी। एफएए द्वारा निर्धारित उड़ान निरस्त योजना के अनुसार, शुक्रवार को उड़ानों में चार प्रतिशत की कमी करने की तैयारी थी। अगले मंगलवार तक यह छह प्रतिशत, गुरुवार तक आठ प्रतिशत और शुक्रवार तक 10 प्रतिशत तक बढ़ाया जाना है।

एफएए प्रशासक ब्रायन बेडफोर्ड ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि निर्धारित क्षमता में 10 प्रतिशत की कटौती हमारे वायु यातायात नियंत्रकों पर दबाव में कमी लाने के लिए उपयुक्त होगी और चूंकि हम कर्मचारियों की संख्या में निरंतर कमी देखेंगे इसलिए उन विशिष्ट बाजारों में अतिरिक्त उपाय किए जाएंगे।" परिवहन सचिव सीन डफी ने शुक्रवार को कहा कि अगर सरकारी कामबंदी लंबा चलता है तो उड़ानों में 20 प्रतिशत तक की कटौती हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट से ट्रंप को मिली राहत, गरीबों की खाद्य योजना की राशि अस्थाई रूप से रोकने को मंजूरी

वाशिंगटन। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन को निम्न आय वर्ग के लोगों के खाद्यान लाभों के लिए अरबों डॉलर की धनराशि को अस्थाई रूप से रोकने की अनुमति दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने एक आपातकालीन आदेश में कहा है कि प्रशासन कम आय वाले अमेरिकियों को मिलने वाले खाद्य लाभों के लिए अरबों डॉलर की धनराशि को अस्थाई रूप से रोक सकता है। निचली अदालत ने पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम (स्नैप) (जिसे फूड स्टैंप भी कहा जाता है) के लाभार्थियों को शुक्रवार तक पूरी राशि का भुगतान करने का फैसला दिया था, जिसके खिलाफ ट्रंप प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अमेरिका में संघीय सरकार के चल रहे शटडाउन के कारण यह कार्यक्रम अधर में लटक गया है। ट्रंप प्रशासन का तर्क है कि वह इसे केवल आंशिक रूप से ही वित्तपोषित कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट की ओ से शुक्रवार के फैसले का मतलब है कि आगे की कानूनी सुनवाई तक चार अरब डॉलर (3.04 अरब पाउंड) की राशि अस्थायी रूप से रोकी जा सकती है। अमेरिकी सरकार 38 दिनों से शटडाउन में है। यह अमेरिका के इतिहास में अब तक का सबसे लंबा शटडाउन है और इसके कारण लाखों सरकारी कर्मचारियों को कर्ज लेकर गुजारा करना पड़ रहा है।

हवाई अड्डों पर बिना वेतन काम कर रहे हैं 63 हजार कर्मचारी

अमेरिकी संघीय सरकार के शटडाउन के बाद से, लगभग 13,000 हवाई यातायात नियंत्रकों और लगभग 50,000 हवाई अड्डा सुरक्षा अधिकारियों को बिना वेतन के काम करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। डफी ने हाल ही में बताया कि कुछ हवाई यातायात नियंत्रक सप्ताह में छह दिन और 10 घंटे काम कर रहे हैं। कर्मचारियों की बड़ी संख्या में अवकाश पर जाने से विमानन उद्योग में कर्मचारियों की भारी कमी हो गई है, कई क्षेत्रों में उड़ानों में देरी की समस्या बढ़ गई है तथा विमानन सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। 'फ्लाइटअवेयर' के आंकड़ों से पता चलता है कि देश में हर दिन हज़ारों उड़ानें देरी से चल रही हैं। गुरुवार को अमेरिका में आने वाली या अमेरिका से जाने वाली 7,000 से ज्यादा उड़ानों में देरी हुई थी।

लाखों लोग प्रभावित

बताया जा रहा है कि शटडाउन से रोजाना 1,800 उड़ानें रद्द हो सकती हैं। इससे करीब 2.68 लाख लोग प्रभावित होंगे। इससे थैंक्स गिविंग वीक की छुट्टियों से पहले यात्रा करने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई बड़े एयरलाइंस पहले ही उड़ानें कैंसिल कर चुके हैं। इसमें रीजनल और मुख्य उड़ानें शामिल हैं।

अमेरिका ने रूसी तेल गैस खरीदने पर हंगरी को प्रतिबंधों से छूट दी

वाशिंगटन। अमेरिका रूस से तेल और गैस खरीदने को लेकर हंगरी पर एक साल तक कोई प्रतिबंध नहीं लगाएगा। बीबीसी ने व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हंगरी को रूसी तेल और गैस की खरीद को लेकर एक साल के लिए प्रतिबंधों से छूट दे दी है।

ट्रंप ने कहा था कि वह हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन को छूट देने के मुद्दे पर विचार करेंगे। ओर्बन को ट्रंप का करीबी माना जाता है, लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान हंगरी ने रूस के साथ भी अच्छे संबंध विकसित किए हैं। ट्रंप ने शुक्रवार को ओर्बन से साथ व्हाइट हाउस में बैठक के दौरान कहा था कि हंगरी को छूट देने के पर विचार किया जा रहा है क्योंकि उसके लिए अन्य क्षेत्रों से तेल और गैस प्राप्त करना बहुत मुश्किल है। एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक यह छूट सिर्फ एक साल के लिए है।

ट्रंप ने जी-20 सम्मेलन के बहिष्कार की घोषणा की

वाशिंगटन, एजेंसी

- **दक्षिण अफ्रीका में श्वेत किसानों के साथ भेदभाव का आरोप लगाया**

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका में श्वेत किसानों के साथ दुर्व्यवहार किए जाने का हवाला देते हुए कहा कि इस वर्ष दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में अमेरिका सरकार का कोई भी अधिकारी भाग नहीं लेगा।

ट्रंप पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह दुनिया की अग्रणी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के राष्ट्राध्यक्षों के वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। ट्रंप की जगह अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस को इसमें शामिल होना था लेकिन वेंस की योजनाओं से परिचित एक अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखे जाने की शर्त पर बताया कि वेंस अब शिखर सम्मेलन के लिए वहां नहीं जाएंगे। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच पर लिखा, यह बेहद शर्मनाक है कि जी-20 दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होगा। ट्रंप ने अपने 'पोस्ट' में श्वेत अफ्रीकी लोगों के साथ हिंसा समेत दुर्व्यवहार किए जाने का हवाला दिया।

ट्रंप प्रशासन दक्षिण अफ्रीकी सरकार पर अल्पसंख्यक श्वेत अफ्रीकी किसानों को सताने और उन पर हमले करने की अनुमति देने का आरोप लंबे समय से लगाता रहा है। अमेरिका में सालाना आने वाले शरणार्थियों की संख्या को 7,500 तक सीमित करते हुए प्रशासन ने संकेत दिया कि अधिकतर शरणार्थी वे श्वेत दक्षिण अफ्रीकी होंगे जिन्हें अपने देश में भेदभाव और हिंसा का सामना करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका की सरकार ने कहा है कि वह भेदभाव के आरोपों से आश्चर्यचकित है देश में श्वेतों का जीवन स्तर अश्वेत लोगों की तुलना में सामान्यतः बेहतर है।

ब्रिटिश जासूसों ने निज्जर हत्याकांड की कनाडा को सौंपी थी खुफिया जानकारी

लंदन, एजेंसी

- **इसी रिपोर्ट के आधार पर कनाडा ने किया था निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का दावा**

इस सप्ताह जारी एक नए वृत्तचित्र में दावा किया गया है कि ब्रिटिश खुफिया एजेंसी की ओर से 'इंटरसेप्ट' की गई फोन कॉल की मदद से ही कनाडाई अधिकारियों ने जून 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या और भारत के बीच कथित संबंध का पता लगाया। इन फोन कॉल्स में कथित तौर पर तीन लक्ष्यों पर चर्चा की जा रही थी।

'ब्लूमबर्ग ओरिजिनल्स' के वृत्तचित्र 'इनसाइड द डेथ्स दैट रॉक्ड इंडियाज रिलेशंस विद द वेस्ट' में यह दावा किया गया है। निज्जर कनाडाई सिख था जिसे भारत ने 2020 में खालिस्तानी आतंकवाद के लिए आतंकवादी घोषित किया था। वह उन नामों में शामिल था जिनकी जानकारी ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच 'फाइव आइज' खुफिया साझेदारी समझौते के तहत कनाडाई अधिकारियों को सौंपी गई थी। वीडियो वृत्तचित्र में दावा किया गया है, जुलाई 2023 के अंत में निज्जर हत्या मामले की जांच में एक महत्वपूर्ण प्रगति तब हुई थी, जब ब्रिटेन को संबंधित जानकारी प्राप्त हुई थी। दावा किया गया है कि ब्रिटिश खुफिया जानकारी कड़े नियमों के तहत साझा की गई थी और उसे हाथ से कनाडा की राजधानी ओटावा पहुंचाया गया था तथा किसी भी इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम पर अपलोड नहीं किया गया। उसे देखने की अनुमति भी केवल लंदन द्वारा पूर्वस्वीकृत चुनिंदा कनाडाई अफसरों को ही दी गई थी।

दावा किया गया है, यह फाइल ब्रिटिश खुफिया एजेंसी द्वारा उन व्यक्तियों के बीच की बातचीत का सारांश थी, जिनके बारे में मानना है कि वे भारत सरकार की ओर से काम कर रहे थे। इसमें आरोप लगाया गया है, उन्होंने तीन लक्ष्यों पर चर्चा की थी, हरदीप निज्जर, अवतार सिंह खंडा और गुरपतवंत सिंह पन्नू। बाद में इस बारे में बातचीत हुई कि निज्जर को कैसे सफलतापूर्वक खत्म किया गया। खालिस्तान समर्थक ब्रिटिश सिख खंडा की जून 2023 में ब्रिटेन के बर्मिंघम शहर के एक अस्पताल में मौत हो गई थी। वह रक्त कैंसर से पीड़ित था और ब्रिटेन में कुछ समूहों के आरोपों के बावजूद, ब्रिटिश अधिकारियों ने कहा कि उसकी मृत्यु से जुड़ी संदिग्ध परिस्थितियां नहीं थीं।

कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने 2023 में अपनी संसद में बयान दिया था कि उनके सुरक्षा बल ब्रिटिश कोलंबिया में निज्जर की हत्या से भारतीय सरकारी एजेंट को जोड़ने वाले विश्वसनीय आरोपों की सक्रिय जांच कर रहे हैं। अक्टूबर 2024 में, भारत ने अपने उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को वापस बुला लिया और इतनी ही संख्या में कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित भी कर दिया। इस वर्ष अप्रैल में संसदीय चुनाव में कार्नी की जीत के बाद संबंध फिर सुधारने की प्रक्रिया शुरू हुई थी।

ट्रंप ने किया ओहायो के गवर्नर पद के लिए रामास्वामी का समर्थन

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2026 में ओहायो के गवर्नर पद के लिए विवेक रामास्वामी का समर्थन किया है। उन्होंने रामास्वामी को पूर्ण समर्थन देते हुए उन्हें कुछ खास बताया और ओहायो की महान राज्य के रूप में प्रशंसा की।

बायोटेक उद्यमी और पूर्व राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार 38 वर्षीय रामास्वामी ने राष्ट्रपति ट्रंप को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देते हुए सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, धन्यवाद, राष्ट्रपति ट्रंप! आइए ओहायो को पहले से कहीं बेहतर बनाएं। राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अगर रामास्वामी चुने जाते हैं तो वे एक महान गवर्नर साबित होंगे। विवेक महान राज्य ओहायो के गवर्नर पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं, एक ऐसा राज्य जिसे मैं प्यार करता हूं और जहां मैंने 2016, 2020 और 2024 में तीन बार बड़ी जीत हासिल की है! मैं विवेक को अच्छी तरह जानता हूं, उनके खिलाफ प्रतिस्पर्धा की है, और वह कुछ खास हैं।

यूक्रेन की आवासीय इमारत पर रूस का ड्रोन हमला, चार लोगों की मौत

कीव, एजेंसी

पूर्वी यूक्रेन में शनिवार तड़के एक रूसी ड्रोन एक टॉवर ब्लॉक से टकरा गया, जिस समय कई लोग सो रहे थे। इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और 12 लोग घायल हो गए। यूक्रेन के चौथे सबसे बड़े शहर दनिप्रो में यह हमला हुआ।

यह हमला देश की बिजली अवसंरचना पर रूसी मिसाइल और ड्रोन हमलों के तहत किया गया। इसमें खारकीव में एक बिजली कंपनी के एक कर्मचारी की भी मृत्यु हो गई। पूर्वी यूक्रेन में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शहर पोकरोव्स्क के लिए लड़ाई महत्वपूर्ण स्तर पर पहुंच गई है।

कीव और मॉस्को दोनों ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि वे युद्ध के मैदान में जीत हासिल कर सकते हैं। रूस ने कुल 458 ड्रोन और 45 मिसाइलें दागीं, जिनमें 32 बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल हैं। यूक्रेनी वायु सेना ने बताया कि उसने 406 ड्रोन और नौ मिसाइलों को मार गिराया और निष्क्रिय कर दिया। साथ ही, 25 स्थानों पर हमले किए गए।

पाकिस्तान ने रक्षा बल प्रमुख का नया पद सृजित करने की तैयारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने शनिवार को तीनों सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय और एकीकृत कमान सुनिश्चित करने के लिए रक्षा बल प्रमुख का नया पद सृजित करने के लिए संवैधानिक संशोधन पेश किया। संसद में प्रस्तुत 27वें संविधान संशोधन विधेयक में संविधान के अनुच्छेद 243 में परिवर्तन का प्रस्ताव है।

यह अनुच्छेद अन्य मुद्दों के अलावा सशस्त्र बलों से संबंधित है। संशोधन विधेयक के तहत राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री की सलाह पर सेना प्रमुख और रक्षा बल प्रमुख की नियुक्ति करेंगे। इसमें कहा गया है कि थलसेना अध्यक्ष रक्षा बलों के प्रमुख भी होंगे। वह प्रधानमंत्री के परामर्श से 'नेशनल स्ट्रेटजिक कमांड' के प्रमुख की नियुक्ति करेंगे। 'नेशनल स्ट्रेटजिक कमांड' का प्रमुख पाकिस्तानी सेना से होगा। सरकार सशस्त्र बलों के व्यक्तियों को फील्ड मार्शल, मार्शल ऑफ द एयर फोर्स और एडमिरल ऑफ द फ्लीट के पदों पर पदोन्नत कर सकेगी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 9 नवंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, पंचमी 10 नवंबर 01.54 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

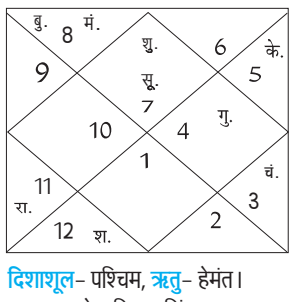

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- हेमंत। चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद। नक्षत्र- आर्द्रा 20.04 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष — आज लोग आपके ऊपर पूर्ण विश्वास रखेंगे। विदेश में शिक्षा ले रहे विद्यार्थियों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। आप कुछ दिनों की छुट्टियों के विषय में योजना बना सकते हैं। ऑनलाइन में लेन-देन में बड़ा लाभ मिल सकता है।

वृष — आज दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें। अनुभवी व्यक्तियों से मार्गदर्शन लेना लाभकारी होगा। व्यर्थ की गतिविधियों में समय नष्ट होगा। महत्वपूर्ण अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं, इसीलिये लापरवाही भारी पड़ सकती है।

मिथुन — आज आप अत्यंत आनंदित रहेंगे। कारोबार में सबकुछ आपके अनुसार ही होता प्रतीत होगा। इससे आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। आपकी कार्य-कुशलता में वृद्धि होगी। परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

कर्क — आज का दिन यात्राओं के लिए सुखद नहीं रहेगा। कोई जरूरी निर्णय अचानक लेना पड़ेगा। सहयोगी आपसे किसी बात को लेकर असहमत हो सकते हैं। दांपत्य संबंधों के लिए समय अवश्य निकालें। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

सिंह — आज दोपहर के बाद शुभ समाचार मिलने की संभावना है। कारोबार में उत्तम धन लाभ हो सकता है। रोगियों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। धैर्यपूर्वक किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। व्यापार में बड़ी साझेदारी हो सकती है।

कन्या — आज कारोबारी लक्ष्य समय पर पूर्ण हो जाएंगे। नए घर या जमीन में निवेश सकते हैं। संतान की उन्नति से गौरवान्वित महसूस करेंगे। जीवनसाथी से सलाह लेना आपके लिए हितकर होगा। दूसरों की बातों को अधिक तूल न दें।

तुला — आज अनावश्यक खर्चे नियंत्रित कर पाएंगे। आपको पड़ोसियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखना चाहिए। आपके काम रुक-रुक कर होंगे। शत्रु पक्ष अचानक से आपके विरुद्ध सक्रिय हो सकता है। काल्पनिक विचारों से दूरी बनाकर रखें।

वृश्चिक — आज अपनी व्यक्तिगत समस्याओं को किसी से शेयर न करें। आपको अपने मान-सम्मान की चिंता रहेगी। रक्तचाप की समस्या होने की आशंका है। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी, लेकिन आप किसी कारण इससे प्रसन्न नहीं रहेंगे।

धनु — आज इस समय सारी परिस्थितियां आपके अनुकूल हैं। आपके एक अच्छे मित्र की भूमिका निभाएगा। अपना मन प्रत्येक स्थिति में शांत रखें। जीवनसाथी घर के लोग आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। अपनी जिम्मेदारियों के प्रति निष्ठावान रहेंगे।

मकर — आज किसी बड़ी समस्या का समाधान होने से निश्चिंत होंगे। यदि मन में किसी प्रकार का कोई भय था, तो वह दूर हो जाएगा। धार्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं। जीवनसाथी के प्रति मन में सम्मान और आदर का भाव उत्पन्न होगा।

कुंभ — आज गृह निर्माण के कार्य तेजी से पूर्ण होंगे। प्रेम संबंधी मामलों में निराशा हाथ लग सकती है। कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों को सम्मान प्राप्त हो सकता है। मित्रों के परामर्श पर गंभीरता से ध्यान दें। संतान को लेकर कुछ परेशानी होने की आशंका है।

मीन — आज निजी रिश्तों को लेकर गंभीर रहें। काम न बनने के कारण मन निराश हो सकता है। इस समय नया कार्य आरंभ करना उचित नहीं है। आत्मविश्वास में कमी महसूस कर सकते हैं। योग और प्राणायाम करना उत्तम होगा।

सुडोकू-155

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			1			3	4	
4	5							
	4	5					7	8
9								5
	1	7					9	6
							6	9
	6	2	3					

सुडोकू - 154 का हल

8	1	7	4	6	5	2	9	3
4	2	5	1	9	3	6	7	8
6	3	9	2	7	8	1	5	4
5	9	6	3	2	1	8	4	7
3	7	4	6	8	9	5	1	2
1	8	2	7	5	4	3	6	9
2	5	8	9	4	6	7	3	1
9	6	1	8	3	7	4	2	5
7	4	3	5	1	2	9	8	6

ऋचा घोष ने राज्य को गौरवान्वित किया है। मुझे उम्मीद है कि वह अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखेंगी और एक दिन भारतीय महिला टीम की कप्तान बनेंगी। ऋचा को सम्मानित करने से हमें अति प्रसन्नता हो रही है।

-सौरव गांगुली

स्टेडियम

बरेली, रविवार 9 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

डब्ल्यूटीए टेनिस फाइनल्स के सेमीफाइनल में बेलारूस की एरिना सबालेंका संयुक्त राज्य अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा के खिलाफ रिटर्न करती हुईं। एजेंसी

सबालेंका और रिबाकिना में होगा खिताबी मुकाबला

रियाद (सऊदी अरब)। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 3-6, 6-3 से हराकर तीन साल में पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स के फाइनल में जगह बनाई। सबालेंका खिताबी मुकाबले में एलेना रयबाकिना से भिड़ेंगी, जिन्होंने पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया है। विश्व में छठे नंबर की खिलाड़ी रिबाकिना ने एक अन्य सेमीफाइनल में 15 ऐस के दम पर विश्व की पांचवें नंबर की खिलाड़ी जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया।

टोक्यो बधिर ओलंपिक के लिए दल की घोषणा

नई दिल्ली। भारत 15 नवंबर से 26 दिसंबर तक टोक्यो में होने वाले डेफलिम्पिक्स (बधिर ओलंपिक) के लिए 73 खिलाड़ियों सहित 111 सदस्यों का अपना अब तक का सबसे बड़ा दल भेजेगा। भारतीय खिलाड़ी 11 खेल एथलेटिक्स, बैडमिंटन, गोल्फ, जूडो, कराटे, निशानेबाजी, तैराकी, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, कुश्ती और टेनिस में भाग लेंगे। खेल मंत्रालय ने भारतीय दल को मंजूरी दे दी है। इसका खर्चा सरकार वहन करेगी।

रविंदर बने फ्री पिस्टल विश्व चैंपियन

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाजी टीम को अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व चैम्पियनशिप राइफल/पिस्टल के पहले ही दिन शानदार शुरुआत मिली, जब रविंदर सिंह ने पुरुषों की 50 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को पहला गोल्ड दिलाया। इसके बाद दो बार की ओलंपियन और एशियाई चैम्पियन एलावेनिल वलारिवान ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया।

राहुल वी एस भारत के 91वें ग्रैंडमास्टर बने

नई दिल्ली। भारतीय शतरंज खिलाड़ी राहुल वीएस छठी आसियान व्यक्तिगत चैंपियनशिप को एक राउंड शेष रहते हुए जीतकर देश के 91वें ग्रैंडमास्टर बन गये हैं। यह 21 वर्षीय खिलाड़ी एशियाई जूनियर चैंपियन भी है। वह 2021 में अंतरराष्ट्रीय मास्टर बने थे। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के अध्यक्ष नितिन नारंग ने एक्स पर लिखा राहुल वी एस को एक राउंड शेष रहते आसियान व्यक्तिगत चैंपियनशिप जीतने और इस प्रक्रिया में देश के 91वें ग्रैंडमास्टर बनने पर हार्दिक बधाई। आपको आगे भी निरंतर सफलता हासिल करने के लिए शुभकामनाएं।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज जीती

बारिश के कारण पांचवां मुकाबला रद्द, मैच रोके जाने तक टीम इंडिया ने बना लिए थे बगैर विकेट खोए 52 रन

ब्रिस्बेन, एजेंसी

भारत ने शनिवार को यहां बारिश के कारण पांचवां और अंतिम मैच रद्द होने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैच की टी-20 सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

गाबा मैदान पर बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद भारत ने सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (13 गेंद में नाबाद 23 रन) और शुभमन गिल (16 गेंद में नाबाद 29 रन) के साथ आक्रामक शुरुआत की। लेकिन बिजली चमकने से खेल रुक गया, तब भारत ने 4.5 ओवर में बिना किसी नुकसान के 52 रन बना लिए थे। इसके तुरंत बाद ही भारी बारिश आ गई जिससे मैच रद्द करना पड़ा। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के पास खतरनाक अभिषेक को जल्दी आउट करने के मौके थे लेकिन वह इसका फायदा उठाने में नाकाम रहा। ग्लेन मैक्सवेल ने शुरुआती ओवर में बाएं हाथ के बल्लेबाज का एक आसान कैच छोड़ दिया, जबकि चौथे ओवर में जब अभिषेक 11 रन पर थे तब बेन ड्वारशुइस ने उनका कैच टपका दिया। तीन गेंद बाद अभिषेक ने मिडविकेट पर एक जोरदार छक्का लगाकर भारतीय प्रशंसकों को रोमांचित कर दिया। सीरीज का पहला टी-20 मैच भी बारिश की भेंट चढ़ गया था जबकि ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा मैच चार विकेट से जीता था। भारत ने तीसरे और चौथे मैच में क्रमशः पांच विकेट और 48 रन से जीत हासिल करते हुए जबरदस्त वापसी की।

आस्ट्रेलियाई कप्तान मार्श भारतीय टीम से हुए प्रभावित

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने महत्वपूर्ण मौकों पर भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को स्वीकार करते हुए अपनी टीम की गहराई और अनुकूलन क्षमता की प्रशंसा की। मार्श ने कहा मुझे याद नहीं कि पिछली बार जब हम खेले हों तो बारिश ने इतनी बार खलल डाला हो। वैसे यह शानदार सीरीज थी। भारत ने निश्चित रूप से अहम समय में मैच जीते, उन्हें बधाई। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि इस दौरे से उनकी टीम को अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले अपनी बेंच स्ट्रेंथ और संयोजन को परखने में मदद मिली।

मैंने ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों के लिए खुद को अच्छी तरह तैयार किया : अभिषेक

ब्रिस्बेन : अभिषेक शर्मा ने ऑस्ट्रेलियाई चुनौती का सामना करने के लिए महीनों तक 'मानसिक और तकनीकी रूप से' खुद को तैयार किया जिसका नतीजा भारत के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-1 से सीरीज जीतने के बाद इस युवा सलामी बल्लेबाज को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' के पुरस्कार से नवाजा गया। शीर्ष क्रम में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित करने वाले 24 वर्षीय इस खिलाड़ी ने कहा कि वह लंबे समय से उछाल भरी ऑस्ट्रेलियाई पिचों और उच्च-स्तरीय तेज गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ खुद को परखने के लिए उत्सुक थे। अभिषेक ने पांच मैच में 163 रन बनाए जबकि दो मैच बारिश के कारण रद्द हो गए थे। उन्होंने पांचवें और अंतिम टी-20 मैच के बारिश के कारण रद्द होने के बाद कहा मैं इस टूर्नामेंट का इंतजार कर रहा था। जब मुझे पता चला कि हम टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया जा रहे हैं तो मैं बहुत उत्साहित था। उन्होंने कहा अपने पूरे करियर में मैंने देखा है कि ऑस्ट्रेलिया बल्लेबाजी के लिए बहुत अनुकूल है और मैं खुद को इस तरह के गेंदबाजों और परिस्थितियों के लिए तैयार करना चाहता था। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा कि उनकी तैयारी विश्वस्तरीय तेज गेंदबाजों का सामना करने और ऑस्ट्रेलियाई पिचों के हिसाब से अपने खेल को ढालने पर केंद्रित थी। जब उनसे पूछा गया कि क्या पिछले तीन टी20 मैच में जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति से भारतीय खिलाड़ियों के लिए चीजें थोड़ी आसान हो गई थीं तो अभिषेक ने कहा अगर आपको अच्छा क्रिकेट खेलना है और अपनी टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना है तो आपको विश्वस्तरीय गेंदबाजों का सामना करना होगा। मैं इस तरह के गेंदबाजों के लिए अभ्यास कर रहा था क्योंकि इसी तरह आप एक खिलाड़ी के रूप में बेहतर होते हैं। उनकी बल्लेबाजी के अति-आक्रामक रवैये के बारे में पूछने पर अभिषेक ने कहा कि भारतीय टीम प्रबंधन को उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने की आजादी दी।

अभिषेक शर्मा को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' के रूप में सम्मानित किया गया। एजेंसी

कप्तान ने गेंदबाजों की खूब प्रशंसा की

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपने खिलाड़ियों विशेषकर गेंदबाजों की खूब प्रशंसा की। उन्होंने कहा जिस तरह से सभी ने योगदान दिया और जिस तरह से हमने 0-1 से पिछड़ने के बाद वापसी की, उसका श्रेय सभी खिलाड़ियों को जाता है। यह बल्ले, गेंद और मैदान में भी अच्छी श्रृंखला रही। तेज गेंदबाज और स्पिनर, दोनों ही अपना काम बखूबी जानते हैं। सूर्यकुमार ने कहा बुमराह और अर्शदीप की जोड़ी बेहद खतरनाक है। और फिर अक्षर और वरुण भी अच्छा कर रहे हैं। और वाशी (वाशिंगटन सुंदर) ने आखिरी मैच में अच्छा प्रदर्शन किया। अब वे काफी टी20 क्रिकेट खेल चुके हैं जिससे उन्हें फायदा मिल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी श्रृंखला भारत को अगले साल घरेलू टी20 विश्व कप के लिए अच्छी तरह तैयार करेगी। सूर्यकुमार ने कहा यह एक अच्छा सरदर्द है, कई खिलाड़ी वास्तव में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। तीन मजबूत टीम ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के साथ खेलना विश्व कप से पहले एक शानदार तैयारी होगी। उन्होंने कहा कि घरेलू मैदान पर विश्व कप खेलना चुनौतीपूर्ण, लेकिन रोमांचक होगा। सूर्यकुमार ने कहामैंने हाल में देखा कि महिला टीम ने भारत में विश्व कप जीता, दर्शकों का अविश्वसनीय समर्थन मिला। यह एक अच्छी चुनौती और रोमांचक टूर्नामेंट होगा, लेकिन यह अब भी बहुत दूर है। दो और श्रृंखला बाकी हैं।

माधव और आर्यन के नाबाद शतक से उत्तर प्रदेश मजबूत

रणजी ट्रॉफी

- नागालैंड के खिलाफ मुकाबले के पहले दिन एक विकेट पर बनाए 301 रन
- कौशिक 120 और जुयाल 118 रन बनाकर क्रीज पर डटे, आज बन सकता है बड़ा स्कोर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शीर्ष बल्लेबाज माधव कौशिक और विकेट कीपर आर्यन जुयाल के नाबाद शतकों के दम पर मेजबान उत्तर प्रदेश ने नागालैंड के खिलाफ अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

शनिवार को ग्रीनपार्क मैदान में खेले गए रणजी मुकाबले के पहले दिन उप्र ने नागालैंड के खिलाफ पहले दिन 90 ओवर में एक विकेट पर 301 रन बनाए। विकेट पर इस समय माधव 120 और आर्यन 118 रन बनाकर खेल रहे हैं। उप्र का एकमात्र विकेट अभिषेक गोस्वामी (55) का गिरा।

सीजन में तीन मुकाबलों में सात अंक लेकर एलीट ग्रुप-ए में पांचवें स्थान पर चल रही उत्तर प्रदेश की टीम शनिवार को नागालैंड के खिलाफ बड़ी जीत हासिल करने के इरादे से उतरी। कप्तान करन शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। ओपनर अभिषेक गोस्वामी और माधव कौशिक ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 118 रनों की साझेदारी की। 37.5 ओवर में इम्लीवति ने अभिषेक को क्लीन बोल्ड कर टीम को पहली सफलता दिलायी। अभिषेक 100 गेंदों में 10 चौकों की मदद से 55 रन बनाकर आउट हुए। माधव ने पहले पायदान पर उतरे आर्यन के साथ मिलकर नागालैंड के गेंदबाजों का कड़ा इम्तिहान लेते हुए टीम को बड़े स्कोर की राह दिखायी। दोनों बल्लेबाजो ने दिन का खेल खत्म होने तक बिना किसी अन्य नुकसान के 183 रनों की नाबाद साझेदारी करते हुए टीम का स्कोर 301 रनों तक पहुंचा दिया है।

रन के लिए दौड़ते माधव कौशिक व आर्यन जुयाल। अमृत विचार

विश्व शतरंज में हरिकृष्णा व प्रणव अंतिम 32 में पहुंचे

पणजी : भारतीय ग्रैंडमास्टर पी हरिकृष्णा और वी प्रणव ने शनिवार को यहां दूसरे राउंड की दूसरी बाजी के अंत में क्रमशः बेल्जियम के डेनियल दर्धा और लिथुआनिया के टिटास स्ट्रेमाविसियस को समान 1.5-0.5 अंकों से हराकर विश्व शतरंज कप के अंतिम 32 चरण में जगह बना ली।

टूर्नामेंट में अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाले हरिकृष्णा कट बनाने वाले पहले भारतीय बन गए क्योंकि दर्धा शुरुआती गेम में सफेद मोहरों से खेलने के बावजूद प्रभावित नहीं कर सके। प्रणव ने भी काले मोहरों से स्ट्रेमाविसियस को बराबरी पर रोकने के बाद सफेद मोहरों से जीत दर्ज की। दिप्तयान घोष हालांकि अर्मेनिया के गैब्रियल सर्गिसियन के खिलाफ अपनी लय खोकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए। पिछले दौर में रूस के इयान नेपोमनियाची को हरने वाले इस खिलाड़ी ने पहले गेम में सफेद मोहरों से आसान ड्रॉ हासिल करने के बाद दिप्तयान दूसरे गेम में अपनी लय नहीं पकड़ पाए और 0.5-1.5 से हार गए। बेहतर रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ियों में अर्जुन एरिगैसी और प्रज्ञानानंदा ने भी क्रमशः उज्बेकिस्तान के शमसिद्दीन और आर्मेनिया के रॉबर्ट को हराकर अंतिम 32 में जगह बनाई।

ध्रुव जुरेल ने भारत ए के लिए जड़ा लगातार दूसरा शतक

बेंगलुरु, एजेंसी

विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने शनिवार को यहां चार दिवसीय मैच के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका 'ए' के खिलाफ दूसरी पारी में लगातार दूसरा शतक जड़कर भारतीय टेस्ट एकादश में अपनी जगह पक्की करने की तरफ कदम बढ़ाने के साथ भारत 'ए' की स्थिति मजबूत कर दी। जुरेल (नाबाद 127) ने छठे विकेट के लिए हर्ष दुबे (84) के साथ 184 रनों की साझेदारी की जिससे भारत ए ने अपनी दूसरी पारी सात विकेट पर 382 रन बनाकर घोषित कर दी जिससे टीम की कुल बढ़त 416 रन की गई।

दक्षिण अफ्रीका ए ने स्टंप्स के समय बिना किसी नुकसान के 25 रन बना लिए थे। उसे जीत के लिए और 392 रनों की और जरूरत है। स्टंप्स के समय लेसेगो सेनोक्वेन (नौ) और जॉर्डन हरमन (15) क्रीज पर थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की पिछली टेस्ट श्रृंखला में नियमित विकेटकीपर ऋषभ पंत के चोटिल होने के कारण जुरेल ने टीम में इस भूमिका को निभाते हुए दूसरे टेस्ट में शतक जड़ा था। पंत के चोट से उबरने के बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी के बावजूद इस बात की काफी संभावना है कि दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो शतक जड़ने वाले जुरेल अंतिम एकादश में अपनी जगह बरकरार रखे। उन्होंने पहली पारी में नाबाद 132 रन बनाये थे। जुरेल ने पहली पारी की तरह दूसरी पारी में भी दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया।

जुरेल ने दमदार रक्षात्मक खेल के दम पर एक बार फिर दक्षिण अफ्रीका ए के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया।

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते ध्रुव जुरेल। एजेंसी

- टेस्ट टीम के लिए मजबूत किया अपना दावा
- दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ 416 रनों की बढ़त

पंत चोट के बावजूद बल्लेबाजी के लिए लौटे

बेंगलुरु : भारत 'ए' के कप्तान ऋषभ पंत ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका 'ए' के खिलाफ चार दिवसीय मैच के तीसरे दिन रिटायर्ड हर्ट होने के बाद बल्लेबाजी के लिए दोबारा मैदान पर उतरते ही चोट की चिंताओं को दूर कर दिया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज शेपो मोराकी की गेंद पर तीन बार चोट लगने के बाद पंत को एहतियात के तौर पर मैदान से बाहर ले जाया गया था। पंत जब रिटायर हर्ट हुए तब वह 22 गेंद में 17 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे।

ऋचा बंग भूषण पुरस्कार से सम्मानित

कोलकाता, एजेंसी

विश्व कप विजेता विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष को शनिवार को ईडन गार्डन्स में एक भव्य समारोह में सम्मानित किया गया जिसमें पश्चिम बंगाल सरकार ने उन्हें बंग भूषण पुरस्कार, पुलिस उपाधीक्षक पद और सोने की एक चेन भेंट की। ईडन गार्डन्स में इस समारोह का आयोजन करने वाले बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) ने उन्हें 34 लाख रुपये की राशि भी प्रदान की जो विश्व कप फाइनल में उनके द्वारा बनाए गए प्रत्येक रन के लिए एक एक लाख रुपये के हिसाब से था।

इस तरह ऋचा बंगाल की पहली विश्व कप विजेता क्रिकेटर बनीं। 2003 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हारने के बाद सौरव गांगुली भारतीय कप्तान के रूप में यह खिताब जीतने से चूक गए थे।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय क्रिकेट टीम की सदस्य ऋचा घोष को बंग भूषण पुरस्कार प्रदान किया। एजेंसी

ऋचा ने भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में 24 गेंद में तीन चौके और दो छक्कों की मदद से 34 रन की पारी खेली। सीएबी ने उन्हें एक सुनहरा बल्ला और गेंद भेंट की जबकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रशंसकों और गणमान्य व्यक्तियों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच व्यक्तिगत रूप से बंग भूषण पदक, डीएसपी नियुक्ति पत्र और सोने की चेन सौंपी। बंग भूषण और बंग विभूषण पुरस्कार पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा स्थापित सर्वोच्च नागरिक सम्मान हैं जो कला, संस्कृति, साहित्य, लोक प्रशासन और सार्वजनिक सेवा सहित मानव प्रयास के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिष्ठित व्यक्तियों को प्रदान किए जाते हैं।

महिला क्रिकेटरों का ब्रांड मूल्य बढ़ा

नई दिल्ली : भारत को महिला वनडे विश्व कप में पहली बार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाली खिलाड़ियों का इसके बाद ब्रांड मूल्य भी आसमान छूने लग गया है और उनके पास पैसा कमाने का यह सबसे अच्छा मौका है।

स्मृति मंधाना, शैफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स जैसी खिलाड़ियों के ब्रांड मूल्य में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने की उम्मीद है, जो उन्हें संभालने वाली प्रबंधन फर्मों के अनुसार व्यक्तिगत रूप से एक करोड़ से अधिक के विज्ञापन सौदों में तब्दील हो जाएगा। इन खिलाड़ियों को अपने विज्ञापन का चेहरा बनाने के लिए कतार में लगे ब्रांडों में ऑटोमोबाइल कंपनियों से लेकर बैंक और एफएमसीजी तक शामिल हो सकते हैं।

गतिरोध हटा | आईसीसी ने मोहसिन नकवी और बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया में कराई बात

एशिया कप ट्रॉफी का खत्म होगा इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने दुबई में आईसीसी की बैठक के इतर पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी से मुलाकात के बाद पीटीआई को बताया कि भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट बोर्ड एशिया कप ट्रॉफी विवाद पर गतिरोध दूर करने में कामयाब रहे हैं और आने वाले दिनों में इसका कोई उचित समाधान निकालने की दिशा में काम किया जाएगा।

नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने भारत को एशिया कप ट्रॉफी नहीं सौंपी क्योंकि विजेता भारतीय टीम ने उनके भारत विरोधी रवैए के कारण उनसे ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने 28 सितंबर को दुबई में हुए टी20 टूर्नामेंट के फाइनल में पाकिस्तान को हराया था।

सैकिया ने शनिवार को पीटीआई से कहा मैं आईसीसी (अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) की अनौपचारिक और औपचारिक दोनों बैठकों का हिस्सा था। पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) अध्यक्ष मोहसिन नकवी भी मौजूद थे। औपचारिक बैठक के दौरान यह एजेंडा में नहीं था, लेकिन आईसीसी ने अपने एक सीनियर पदाधिकारी और एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी की मौजूदगी में मेरी और पीसीबी प्रमुख के बीच अलग से बैठक कराई। उन्होंने कहा बातचीत की प्रक्रिया शुरू करना वाकई अच्छा रहा। दोनों पक्षों ने आईसीसी बोर्ड बैठक के दौरान हुई बैठक में सौहार्दपूर्ण ढंग से भाग लिया। सैकिया ने आश्वासन दिया कि जल्द ही समाधान निकाल लिया जाएगा। बीसीसीआई सचिव ने हालांकि आईसीसी के किसी अधिकारी का नाम नहीं लिया, लेकिन विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि आईसीसी के उपाध्यक्ष इमरान ख्वाजा और सीईओ संजोग गुप्ता ने दोनों क्रिकेट बोर्डों के बीच चर्चा शुरू करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया।

विकल्पों पर काम किया जाएगा : सैकिया

बीसीसीआई के सचिव सैकिया ने कहा निश्चित रूप से यदि चीजें सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ती हैं तो इस मुद्दे को जल्द से जल्द सुलझा लिया जाएगा। दोनों पक्ष जल्द इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कुछ न कुछ करेंगे। अब गतिरोध दूर हो चुका है इसलिए विभिन्न विकल्पों पर काम किया जाएगा। दूसरे पक्ष के पास भी विकल्प होंगे और हम इस मुद्दे को सुलझाने और सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने के विकल्प भी देंगे। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थी कि इस विवाद को सुलझाने के लिए आईसीसी एक विवाद समाधान समिति गठित करेगी लेकिन उन्होंने इससे इन्कार किया।